हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 1994

खण्ड 1, अंक 8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 9 मार्च, 1994

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(8)20
राज्यपाल महोदय का सन्दे ा	(8)24
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(8)24
ध्यानाकर्शण सूचनाएं	(8)28
विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(8)29
स्थगन प्रस्ताव	(8)32
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– सब्जियों तथा फलदार पौधों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किये जा रहे सीवरेज के पानी सम्बंधी–	(8)33
वक्तव्य– जन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपरोक्त सूचना सम्बंधी	(8)33

वर्श 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)36
बैठक का समय बढाना	(8)78
वर्श 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)78
बैठक का समय बढाना	(8)82
वर्श 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)82
बैठक का समय बढाना	(8)83
वर्श 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)84
अनैक चर–ए	(8)85

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 9 मार्च, 1994

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Widening of Road from Hisar to Narnaul

***658. Sh. Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of th Govt. to widen the road from Hisar to Narnaul via Bhiwani, Charkhi Dadri; and

(b) if so, the time by which it is likely to be widened ?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) अध्यक्ष महोदय, सड़क पहले से ही 18 फुट चौड़ी है और कुछ सैक न्ज में 22 फुट चौड़ी भी है। हांसी–भिवानी–दादरी–महेन्द्रगढ़ से नारनौल तक सड़क को 24 फुट चौड़ा करना सरकार के विचाराधीन है।

(ख) इस स्टेज पर इसे पूरा करने का समय नहीं बताया जा सकता।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, इस सड़क पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक गुजरता है और जो ट्रैफिक बम्बई और राजस्थान वगैरह को जाता है, वह इसी सड़क से गुजरता है। इस बात को देखते हुए क्या इस सड़क को टौप प्रायरिटी देकर चौड़ा किया जाएगा। दूसरी बात यह है कि अगर सरकार इस सड़क को जल्दी चौड़ा नहीं कर पा रही है तो क्या सैन्ट्रल गवर्नमैंट से प्रयास करके इसको नै ानल हाई वे बनाने की कोि ा ा करेगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, इस सड़क को वर्ल्ड बैंक प्रोजैक्ट में भाामिल किया गया है और इसको 24 फुट चौडा करना विचाराधीन है। अगले महीने वर्ल्ड बैंक के साथ डिपार्टमैंट की मीटिंग फिक्स की गई है। अगले साल इस सडक को चौडा करने का काम भाुरू कर दिया जाएगा। जहां आबादी वाले एरिया आते हैं, वहां इसकी वाइडर्निंग करके फोर लेनिग करने के प्रावधान है। हमें आ ाा है कि आने वाले साल में कार्य भाुरू कर दिया जाएगा और इसको चौडा कर दिया जाएगा।

श्री राम रत्नः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पलवल से अलीगढ को जो रोड जा रही है, वह बारह फुट चौडी है और उस पर ट्रैफिक बहुत चलता है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा

करेंगे कि इसको चौडा करने की कोई स्कीम सरकार के विचाराधीन है और अगर है तो कब तक ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने पहले ही सदन को बताया है कि जितने हमारे स्टेट हाईवेज हैं, उनको 12 फुट से अठारह फुट किया जाएगा और अठारह फुट से बाईस फुट किया जाएगा। ऐसा प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और ज्यों ज्यों अवेलेबल होते जाएंगे, उसके हिसाब से यह कार्य किया जाएगा।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, नारनौल भिवानी की जो सडक है, यह नै ानल हाई वे नम्बर 1 है और सारा ट्रैफिक जो लुधियाना अमृतसर को जाता है, यह डाईवर्ट होकर इस सडक से चलने लग गया हे। स्पीकर साहब, वाइडनिंग तो अलग चीज है लेकिन चूंकि इस सडक पर कई गुणा ट्रैफिक बढ गया है, इसलिए क्या मन्त्री जी बताएंगे कि ट्रैफिक बढने के कारण इस सडक की स्ट्रैंथनिंग तथा वाइडनिंग करने के लिए कोई प्रोपोजल सरकार के विचाराधीन है ? अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि सदन में जो पहली हमारी बैठक थी, उसमें गवर्नमैंट पालिसी के बारे में मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि अठारह फुट है, उसको बाईस फुट चौडा किया जायेगा। स्टेट हाई वेज की सडकों पर, जो सडक एक डिस्ट्रिक्ट से दूसरे डिस्ट्रिक्ट को और एक सब डिवीजन से दूसरे सब डिवीजन को जाती है उन सडकों को प्रायरिटी देकर काम भाुरू किया जाएगा और एक फाइव ईयर प्लान में यह काम

कम्पलीट करने की बात कही गई थी। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस प्रोजैक्ट पर क्या कहीं काम भुरू किया गया है; और अगर किया है तो कितने परसैंट काम उन सडकों पर कम्पलीट हुआ है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही है, वह बिलकुल सही है और इस कार्यक्रम के लिए हमने पांच स्टेट हाईवेज लिए हैं और वर्ल्ड बैंक की सहायता से उनकी स्ट्रैंथनिंग और वाइडनिंग की जाएगी। वे पांच स्टेट हाईवेज हैं: 1. अम्बाला, कैथल, करनाल और पेहवा; 2. कोटपुतली, नारनौल, भिवानी और हांसी; 3. अम्बाला, कैथल, नरवाना, हिसार और रामगढ; 4. पानीपत, जीन्द, बरवाला, आदमपुर, भादरा व हांसी; और 5. पंचकूला, साहा, अम्बाला, जगाधरी और सहारनपुर वगैरह–वगैरह।

इसके साथ साथ दूसरा जो सवाल मेरे माननीय सदस्य ने किया कि जो हमारी सडकें केवल 12 फुट चौडी हैं और मेन सडकें हैं, उनको और चौडा करने का हमारा क्या कार्यक्रम है। मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि सालों साल हम सडकों का काम फण्डज की अवेलेबिलिटी के हिसाब से करते हैं। जो सडकें हमने चौडी की हैं, वे 1991–92 में 204 किलोमीटर्ज और 1993–94 में 222 किलोमीटर्ज लम्बी हैं। आगे भी फण्डज के हिसाब से, हम सडकों को चौडा करने की प्रायरिटी देंगे।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, आठवीं पंचवर्शीय योजना में मेन रोडज को चौडा किया जाना है। तीन साल तो बीत चुके हैं, चौथा साल भ्रुरू है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि कितने परसैंट काम अब तक हो चुका है ? बाकी का जो काम रहता है, वह डेढ साल के अन्दर सरकार कैसे पूरा कर लेगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मैंने किलोमीटर्ज भी बताए हैं इसके साथ साथ मैं यह भी बता देना चाहता हूं कि हमारी जो स्टेट हाईवेज 12 फुट हैं, वे हैं केवल 570 किलोमीटर्ज और जो डिस्ट्रिक्ट रोडज हैं, वे 850 किलोमीटर्ज हैं जो 12 फुट हैं। हमारे कार्यक्रम के अनुसार जैसाकि मैंने पहले बताया है कि फण्डज की अवेलेबिलिटी के मुताबिक प्रायरिटीज फिक्स की जाएंगी और जो मेन सडकें हैं, वे वर्ल्ड बैंक से जिसके लिए बातचीत चल रही है और वह तय भी है कि आने वाले समय में हमें वर्ल्ड बैंक से पूरी मदद मिलेगी। सहायता मिलने पर सडकों की स्ट्रैंथनिंग व वाइडनिंग करने का काम जल्दी ही भ्रुरू कर लेंगे।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, दादरी से महेन्द्रगढ़ को जो सडक जाती है, उसकी वाइडनिंग तो दूर रही, उसकी हालत इतनी खराब है कि वहां पर कोई गाडी आ जा नहीं सकती। ढाई तीन सालों से जब से यह सरकार आई है, दादरी से बधवाना को जाने वाली सडक पर इस सरकार ने एक पैसा भी खर्च नहीं किया है। राव बंसी सिंह जी बैठे हैं, वे आमतौर पर

इसी रोड से आते जाते हैं, उन्हें भी इस बात की जानकारी होगी कि यह सडक कितनी खराब है। मैं मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा और यह जानना भी चाहूंगा कि दादरी से महेन्द्रगढ़ जाने वाली जो बडी टूटी हुई सडक है, उसकी वाइडनिंग तो ये करेंगे ही, क्या उस सडक को चौडा करने से पहले उसकी मुरम्मत भी करने का प्रयास करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बात से सहमत नहीं हूं क्योंकि मैं हर महीने इसी सडक से नारनौल ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग अटैंड करने जाता हूं। केवल मात्र बीच में चार पांच किलोमीटर्ज का एक छोटा सा टुकडा वेविंग है जो खराब है, बाकी सडक की कहीं पर भी कोई बुरी हालत नहीं है जहां हमारा ट्रैफिक अच्छी तरह से न चल रहा हो। पांच छः किलोमीटर्ज पर मैटल डाल दिया है और हम जल्दी ही इसे ठीक कर देंगे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने आ वासन दिया है कि जो सडकें 12–12 फुट चौडी हैं, उनको 24 फुट तक चौडी करेंगें। ढाई वर्श से यह बात चल रही है। जैसे अभी उन्होंने उपयोगिता को देखते हुए दिल्ली और अम्बाला की जी0टी0रोड को फोर लेनिंग करने के अतिरिक्त यमुनानगर और दिल्ली के बीच अलग से रास्ता बनाने की बात भी कही है। जैसा अभी मेरे भाई चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने अपने सवाल में कहा कि कोटपुतली से लेकर लुधियाना पंजाब तक सेल्ज टैक्स के काफी

बैरियर्ज हैं और तीन हजार के लगभग हैवी व्हीकल्ज कोटपुतली से क्रास करते हैं। कोई हिसार तक जाता है, कोई रोहतक तक जाता है। हैवी व्हीकल्ज का र ा इस सडक पर देखते हुए क्या मंत्री महोदय प्राथमिकता के आधार पर कोई आल्टरनेटिव ढूंढेगे या फिर उसको फोर लेन करने का सरकार जल्दी ही कोई प्रस्ताव करेगी ताकि हैवी ट्रैफिक को कम किया जा सके ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही बताया है कि पांच रोडज मेनली हैं वे हैं कोटपुतली, नारनौल, भिवानी और हांसी इत्यादि जो कि पंजाब के एरिया के साथ मिलती हैं और इसके लिए इसी महीने में वर्ल्ड बैंक से बातचीत हो रही है। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जो जो दिक्कते मेरे माननीय सदस्य ने बताई हैं, वह सब हम दूर करेंगे। फण्डज की अवेलेबिलिटी को देखते हुए आने वाले समय में सभी कामों के लिए प्रायरिटी फिक्स करेंगे।

श्री हरि सिंह नलवाः अध्यक्ष जी, अभी मंत्री जी ने बताया कि उनके पास फंडज की कमी है। यह बात किसी हद तक सही है और यह भी सही है कि हरियाणा के ऊपर सारी दुनिया के इंडस्ट्रियलिस्टस की नजर लगी हुई है। इसके लिए मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को दाद भी देता हूं। उन्होंने हरियाणा प्रान्त को इंडस्ट्रियलाइज करने का क्रै ा प्रोग्राम बनाया हुआ है। तो इंडस्ट्रीज लगाने के लिए खास तौर पर ट्रांसपोर्ट ान के लिए सडकों की जरूरत होती है। जब तक सडकें चौडी नहीं करेंगे, तब

तक यह बात नहीं बनेगी। इसलिए मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि पैसे का जहां तक ताल्लुक है, क्या उसके लिए वे राजस्थान को फालो करेंगे ? राजस्थान में मार्किटिंग बोर्ड ने कई अरब और खरब रूपए वर्ल्ड बैंक से इस काम के लिए ले लिए हैं। यह पैसा वर्ल्ड बैंक को 30 सालों में वापिस करना होता है। उन्होंने सारे राजस्थान में सडकें बनाने का क्रै ा प्रोग्राम भाुरू कर दिया है। क्या इस किस्म का प्रोग्राम सरकार के विचाराधीन है ? दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि स्टेट हाई वे बनाने का क्या क्राइटेरिया हैं, कम से कम उनको तो स्टेट हाई वे से जोडना चाहिए। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि इस काम के लिए क्या 10 अरब रूपया वर्ल्ड बैंक से हमारे मार्किटिंग बोर्ड के जरिये लेने का प्रयास करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, सडकों की स्ट्रैंथनिंग के लिए और उनके रख रखाव के लिए हमारी हर साल कम से कम 70 करोड रूपए की डिमांड है लेकिन उसके अगेंस्ट हमें 18–20 करोड रूपये मिलते हैं। इस पैसे से इतनी बढिया सडकें बना कर देना नामुमकिन बात है। लेकिन उनको ठीक ढंग से रखना सरकार का दायित्व है और हम वह करेंगे। दूसरा इन्होंने पूछा कि स्टेट में कितने स्टेट हाईवेज हैं वे 36 हैं।

श्री सूरज मल: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि दिल्ली और बहादुरगढ की जो बोर्डर की रोडज हैं वे तकरीबन चार पांच हैं। एक तो सोहटी से कुतबगढ, दूसरी

कानौदा से पंजाब खोड और बामरौली से निजामपुर वगैरह वगैरह। पंजाब खोड वाली सडक की हालत बहुत खराब है। क्या सरकार का उस साईड की सडकों की तरफ भी ध्यान देने का विचार है ताकि उस तरफ भी अच्छी सडकें दिखाई दें ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री सूरजमल ने कल भी यह सवाल किया था और आज भी वहीं सवाल किया है। मैंने कल इनको यह जवाब दिया था कि हम उन सडकों को देख लेंगें, अगर उन गांवों के लोगों को कोई दिक्कत है तो प्रायरटी बेस पर उन सडकों को ठीक किया जाएगा ताकि उन गांवों के किसानों को दिल्ली में अपना सामान ले जाने लाने में कोई दिक्कत न हो।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा के अन्दर जितनी भी स्टेट रोडज हैं उन पर छोटे छोटे और बडे बडे गांव बसे हुए हैं। जहां तक मुझे पता चला है, राज्य सरकार की यह पालिसी है कि उन रोडज पर स्पीड ब्रेकर न बनाए जाएं। उन रोडज पर स्पीड ब्रेकर न बनने के कारण आए दिन गांवों में एक्सीडैंटस होते रहते हैं। और जवान, बूढे लोगों की मौतें होती हैं। इन दुर्घटनाओं को देखते हुए क्या मंत्री जी स्टेट रोडज पर जहां जहां पर गांव बसे हुए हैं, स्पीड ब्रेकर बनाने के बारे में विचार करेंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो सैंट्रल गवर्नमैंट की तरफ से यह हिदायत है कि रोडज पर स्पीड ब्रेकर न बनाए जाएं लेकिन फिर भी हमने जो ज्यादा आबादी वाले गांव हैं और जिनके बीच में से सडक गुजरती हैं, उन पर अपनी मर्जी से स्पीड ब्रेकर बनाए हैं। अगर कहीं पर स्पीड ब्रेकर बनाने की ज्यादा जरूरत है तो माननीय सदस्य दलाल साहब बता दें, हम स्पीड ब्रेकर बनवा देंगे।

चौधरी सूरज भान काजलः स्पीकर साहब, रोडज को वाइडनिंग करने की बात है। जो सडकें गांवों की आबादी तक गई हैं, उनको गांव और लाल डोरे के बची में कच्चा छोड दिया गया है। उन सडकों का फासला केवल एक या डेढ फर्लांग का आज भी कच्चा पडा है। ऐसे बहुत से गांव हैं। वे सडकें ईंटों से बनी हुई हैं और ईंटें टूट जाने के कारण सडक का बहुत बुरा हाल है उनका कच्चे रास्ते से भी बुरा हाल है। उनका इतना बुरा हाल है कि उनके ऊपर से कोई व्हीकल गांव के अंदर दाखिल नहीं हो सकती। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन जिन गांवों में ऐसी सडकें हैं, क्या उनको पक्का करने का सरकार का विचार है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः स्पीकर साहब, पी0डब्ल्यू0डी0 का काम केवल गांव की फिरनी तक सडक बनाने का होता है, स्कूल या किसी धार्मिक स्थान तक जो सडक बनाई जाती है, वह काम पंचायत डिपार्टमैंट का है। पी0डब्ल्यू0डी0 गांव

की फिरनी तक सडक बनाएगा उससे आगे पंचायत डिपार्टमैंट का काम है।

श्री मनी राम केहरवाला: स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा में 850 सडकें ऐसी हैं जो 12 फुट चौडी हैं। मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि सिरसा से ऐलनाबाद सडक 12 फुट चौडी है, वह स्टेट हाईवे है, उसको कब तक 22 फुट चौडी बनवा देंगे ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, जैसे मैंने पहले बताया है कि 1992–93 और 1993–94 में लगभग 200 किलोमीटर स्टेट हाई वे की वाइडनिंग कर दी है। जिन सडकों पर व्हीकल्ज का लोड ज्यादा है, उनको अगले साल चौडा करने पर विचार करेंगे।

श्री अध्यक्ष: क्या स्टेट में 10 फुट चौडी सडकें भी हैं ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, एप्रोच रोडज हो सकती हैं।

श्री अध्यक्ष: मेरे इलाके में असंध से वाया रसीना किरमच सडक कुरूक्षेत्र जाती है, वह सडक रसीना से सातड तक 10 फुट चौडी है, उसको 10 से 12 फुट चौडा बनाने के लिए उस पर पत्थर डाल दिए थे। जो पत्थर डाले गए थे, उससे अगली सरकार ने 1987 में, वह पत्थर उठा लिए। क्या उस सडक को अब सरकार 10 की बजाये 12 फुट बनाएगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, जो सडकें 10 फुट चौडी हैं, उनको 12 फुट चौडा करने का सरकार का प्रोग्राम है।

श्री अध्यक्ष: वह सडक तो 1967 से बनी हुई है ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा में जो सडकें 10 फुट चौडी हैं, उनको 12 फुट चौडा करने का प्रावधान है।

चौधरी ओम प्रका ा बेंरी: स्पीकर साहब, पानीपत से वाया रोहतक, झज्जर, रिवाडी तक जो सडक जाती हैं, उस पर हरियाणा प्रदे ा, पंजाब, हिमाचल प्रदे ा और जम्मू क मीर की बसिज व ट्रक वगैरह चलते हैं, बहुत ज्यादा व्हीकल्ज चलते हैं। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या उस सडक को सरकार नै ानल हाई वे के मैप पर लाएगी ? क्या सरकार उस सडक के बारे में सैंट्रेल गवर्नमैंट से बातचीज करके उसको नै ानल हाई वे बनाने पर विचार करेगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, सरकार का ऐसा कोई विचार नहीं है।

Regularisation of the Services of Village Chowkidars

***666. Prof. Chattar Singh Chauhan:** Will the Chief Minister be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to regularise the services of

the Village Chowkidars and treat them at par with the Group 'D' employees of the State ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): जी नहीं। राज्य सरकार के विचाराधीन ऐसा कोई मामला नहीं है। सरकार ने 1–9–93 से चौकीदारों का वेतन 150/– रूपये प्रतिमास से बढाकर 300/– रूपये प्रतिमास कर दिया है। तथा उन्हें 250/– रूपये प्रति वर्श वर्दी भत्ता भी प्रदान किया गया है।

प्रो0 छत्तर सिंह चौहान: अध्यक्ष महोदय, यह तो मुख्य मंत्री महोदय ने इन चौकीदारों पर इनायत कर दी कि उनको 300/– रूपये महीने के दिए जा रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस महंगाई के युग में इन 300/– रूपये से वह अपना गुजारा कर सकता है ? जहां तक चौकीदार का संबंध है, गांव में कोई तहसीलदार जाए, डी0सी0 जोय या और कोई काम हो, उसको 24 घण्टे डयूटी देनी होती है। आजादी से लेकर आज तक चौकीदार को सुविधा देने के बारे में किसी भी सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार चौकीदार को क्लास फोर का एम्पलाई घोशित करने पर विचार करेगी ताकि वह अपना गुजारा अच्छी प्रकार से कर सके, जबकि सरकार दूसरे कर्मचारियों को 240 दिन के बाद रैगुलर कर देती है ?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, चौकीदार को सरकारी कर्मचारी नहीं बनाया जा सकता, वह पब्लिक की सेवा करता है और अपना भी काम करता है। यह ठीक है कि जन्म

मरण का हिसाब किताब रखने के लिए उसे सी0एम0ओ0 आफिस में जाना होता है या गांव में अगर कोई महामारी फैल जाए तो उसके बारे में सरकार का ध्यान दिलाना होता है। हाऊस को मैं बताना चाहूंगा कि मेरे सिवाए आज तक, जब से हरियाणा बना है, यानि 1966 से अब तक किसी ने इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। जब मैं 1979 में मुख्यमंत्री बना तो उस समय चौकीदार को 40/– रूपये महीना मिलता था, मैंने उस समय बढा कर 100/– रूपये किए और फिर 1985 में ही मैंने 100/– रूपए से बढा कर इनको 150 रूपए महीने दिए और अब मैंने ही 1.9.93 से 300/–रूपये किए हैं। बीच में जितनी भी सरकारें आई, किसी ने इनकी तरफ देखा तक नहीं।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि प्रदे ा में कुल कितने चौकीदार हैं ? दूसरे, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या इन 300/– रूपये के अलावा भी उनको बोनस और वर्दी आदि की कोई सुविधा दी जाती है ?

चौधरी भजन लालः इनको 300/– रूपये महीने पे मिलती है और दूसरे हम वर्दी भी देते हैं। स्टेट में कुल 6735 गांव हैं और कुल 6701 चौकीदार हैं।

श्री सतबीर सिंह कादियानः मैं मुख्यमंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार चौकीदारों को मिनिमम वेजिज

देने पर विचार करेगी ? इसके अतिरिक्त चौकीदार को जन्म मरण के सिलसिले में या दूसरे कारणों के लिए भाहर जाना होता है तो क्या उनको टी0ए0 वगैरा या एक्चुअल किराया देने पर भी सरकार विचार करेगी ?

चौधरी भजन लालः जब चौकीदार सरकार के काम या जीवन मरण के सिलसिले में भाहर जाता है तो उसको किराया मिलता है। जहां तक दूसरी बात है कि उनहें मिनिमम वेजिज दिया जोय, उस पर सरकार कोई विचार नहीं कर रही है, क्योंकि मिनिमम वेजित उन्हीं को दिया जाता है जो कम से कम 10–12 घण्टे रोजाना डयूटी देते हैं इनका लगातार काम नहीं है। इनका काम तो ऐसा है कि किसी दिन ज्यादा काम भी हो सकता है और कई दफा 5–5 दिन तक कोई भी काम नहीं होता, इसलिए इनको मिनिमम वेजिज नहीं दिया जा सकता।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, यह ठीक है कि चौकीदार को पहले 40 रूपये प्रतिमाह मिलते थे और अब 300 रूपये मिलते हैं, लेकिन चौकीदार को जो पैसे दिये जाते हैं, वे पहले ही रैवेन्यू माल के साथ उगाह लिए जाते थे और फिर मालिये में से चौकीदार को रूपया मिलता था। स्पीकर साहब, जो 300 रूपये चौकीदार को अब दिये जाते हैं, वह कैसे दिये जाते हैं ? मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि 1.9. 93 से जो 300 रूपये चौकीदार को मिलते हैं, क्या ये खजाने से

मिलते हैं, कन्सोलिडेटिड फण्ड से मिलत हैं अथवा आबियाना कलैक ान के बाद नम्बरदार उसको देता है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौकीदार को पैसे सरकारी खजाने से नहीं मिलते। पहले चौकीदार मालिया में उगाहा जाता था लेकिन अब मालिया तो खत्म हो गया है, इसलिये अब जो आबियाना इकटठा करते हैं, उसके साथ उगाह लिया जाता है और जहां पर नहरें नहीं हैं, वहां पर बाकायदा हर घर से, रहने वाले लोगों से चौकीदारा लिया जाता है। गांव में रहने वाले जो गरीब अंगहीन आदमी हैं, उनका चौकीदारा माफ होता है। यह पैसा नम्बरदार वसूल करता है और कई बार नम्बरदार चौकीदार को लिस्ट बना कर दे देता है और वह पैसा चौकीदार हर घर से खुद वसूल कर लेता है।

Sales Tax on Medicines

***679. Sh. Jai Parkash:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to revise the Sales Tax on Medicines in the State; so as to bring it at par with the other State; and

(b) if so, the time by which the sales tax as referred to in part (a) above is likely to be revised ?

आबकारी तथा कराधान मन्त्री (बहन करतार देवी):

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नहीं होता।

श्री जय प्रका ः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने दवाईयों पर टैक्स का ब्यौरा दूसरे राज्यों से लिया है कि उनमें कितना कितना टैक्स है ? इसके साथ ही मेरा दूसरा सवाल यह है कि अगर दूसरे राज्यों में दवाईयों पर टैक्स कम है तो गरीबों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध करवाने के लिए क्या सरकार ऐसे राज्यों से दवाईयां खरीदने बारे विचार करेगी जिनमैं दवाईयों पर टैक्स कम है ?

बहन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने माननीय साथी को हरियाणा प्रान्त के आसपास के राज्यों में जो दवाईयों पर टैक्स है, उसके बारे में बताती हूं। पंजाब में 8 प्रति ात, हिमाचल प्रदे ा में 8 प्रति ात, राजस्थान में 6 प्रति ात और उत्तर प्रदे ा में 6 प्रति ात तथा दिल्ली में 5 प्रति ात दवाईयों पर टैक्स है। (विघ्न) हरियाणा में दवाईयों पर 8 प्रति ात टैक्स है।

श्री जय प्रका ः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदया ने राजस्थान में 6 प्रति ात टैक्स बताया है, परन्तु मेरी इन्फर्मे ान में मुताबिक वहां पर 5 प्रति ात टैक्स है, हिमाचल प्रदे ा में 7 प्रति ात, उत्तर प्रदे ा में 6 प्रति ात और पंजाब में 7 प्रति ात तथा यू0टी0 में आधा प्रति ात सैंट्रल सैल्ज टैक्स लगाया जाता है

तथा दिल्ली में 5 प्रति ात टैक्स है। अगर हम दिल्ली से 100 रूपये की दवाई परचेज करके करनाल में लाएं तो करनाल के सेल डिपो पर वह दवाई 113 रूपये की मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि यह जो डिफरैंस है, क्या उसको दूर करने के लिए मंत्री जी कोई पग उठाएंगी ?

बहन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, डिपार्टमैंट ने मुझे जो आंकडें उपलब्ध करवाए हैं, उनके मुताबिक पंजाब में 8 प्रति ात, हिमाचल प्रदे ा में 8 प्रति ात टैक्स है और उत्तर प्रदे ा तथा राजस्थान का मैंने पहले ही 6 प्रति ात बताया है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक गरीबों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध करवाने का सवाल है, वह दूसरी बात है और उसे दूसरे एंगल से देखा जाना चाहिये। जो हरियाणा के प्राईमरी हैलथ सैंटर, सब सैंटर या कम्यूनिटी हैल्थ सैंटर हैं उनमें दवाईयां फ्री दी जाती है। सरकारी कर्मचारियों को भी दवाईयां या उसके खर्चे का अलग से प्रावधान है और सारा हाउस इस बात को जानता है। जो गरीब आदमी कारखानों में काम करते हैं, उनके लिए ई0एस0आई0 के माध्यम से दवाईयों का प्रबन्ध होता है। जहां तक दवाईयां खरीद कर सस्ती दरों पर गरीबों को उपलब्ध करवाने का सवाल है, अगर टैक्स कम किया जाता है तो जरूरी नहीं है कि दवाई निर्माता उसका लाभ उपभोक्ताओं को देंगे। इसलिये टैक्स कम करेन से सरकार की आमदनी पर फर्क पडेगा या दूसरी स्टेटस से अगर

दवाईयां खरीदेंगे तो स्टेट को टैक्स का लौस होगा इसलिए इस प्रकार की कोई सम्भावना नहीं है।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मनत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि हरियाणा की मण्डियों में टैक्स ज्यादा होने के कारण भी लौस होता है, क्या सरकार इस बारे में कदम उठाएगी ? यह देखा गया है कि नरेला में घी का टीन 818 रूपये में बिकता है और दिल्ली में घी का भाव जो है, वह ..... (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह सवाल तो दवाईयों पर टैक्स के बारे में है, इसमें घी या दूसरी चीजों के टैक्स की बात नहीं है।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि दवाईयों पर जो टैक्स दूसरी स्टेटस में है, क्या उसके मुताबिक ही हरियाणा में दवाईयों पर टैक्स की व्यवस्था करने के बारे में सरकार विचार करेगी ?

10.00 बजे।

बहन करतार देवीः स्पीकर साहब, जहां तक सभी स्टेटस का समीकरण का सवाल है, सेल्ज टैक्स तो अलग अलग स्टेट में अलग अलग है। कुछ चीजें तो ऐसी भी हैं जो बाकी स्टेटों में महंगी हैं और हमारी स्टेट में कम की हैं। दूसरे मेरे पास जो दवाईयों के ही आंकडे हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी आदमी की साल में टर्न ओवर पांच लाख तक है तो उसके लिए हमने यह

किया है कि उसे कोई हिसाब किताब रखने की जरूरत नहीं है। उसे सिर्फ लम्प सम टैक्स ही देना पडेगा।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, चण्डीगढ में दवाईयों पर आधा परसैंट टैक्स लगता है और पंचकूला में आठ परसैंट है। क्या मंत्री जी चण्डीगढ और पंचकूला में जो टैक्सों में फर्क है उसको दूर करेंगी ?

बहन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, चण्डीगढ यू0टी0 है, दिल्ली भी यू0टी0 है। इसलिये इनमें टैक्स कम है। उनको कोई भी स्टेट मुकाबला नहीं कर सकती है।

श्री जय प्रका ः अध्यक्ष महोदय, जो दवाईयों का टैक्स है, वह तो फैक्टरी के सेल डिपो वालों से लिया जाता है जिसके कारण हमारे हरियाणा में भी लौस हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, जितने भी सेल डिपोज हैं, वे या तो दिल्ली में हैं या चण्डीगढ में हैं, जिसकी वजह से वे कम टैक्स देते हैं। अध्यक्ष महोदय, जो नान लाईसैंसिज हैं, वे दवाईयां दिल्ली से लेकर हरियाणा में सस्ती बेच देते हैं और नान लाईसेंसियों को महंगी मिलती हैं और उन्हें हमारा विभाग तंग करता है। अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि जो दिल्ली और चण्डीगढ में टैक्स है, वही टैक्स हमारे हरियाणा में भी लगे, क्या इस पर सरकार विचार करेगी ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही अहम मसला है और मैं राम भजन जी की बात से सहमत हूं। इसके

अलावा और भी कई चीजें ऐसी हैं जो दिल्ली में सस्ती हैं और हमारी स्टेट में महंगी हैं। इसको तो भारत सरकार ही देखेगी कि पूरे रीजन में एक जैसे सेल टैक्स होने चाहियें।

दूसरे कंसाईनमैंट टैक्स की बात है। अध्यक्ष महोदय, कई फैक्टरियां तो हरियाणा में लगी हुई हैं लेकिन उन्होंने अपने हैड आफिसिज दिल्ली में खोल रखे हैं और अपनी बिक्री दिल्ली में दिखा देते हैं जिससे स्टेट को नुक्सान होता है। इस बारे में भारत सरकार विचार कर रही है कि हरेक रीजन का रेट एक जैसा होना चाहिए। पिछले दिनों सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों ने एन0डी0सी0 की मीटिंग भी की थी और यह प्वाइन्ट उठाया था, मुझे उम्मीद है कि इस बारे में जल्दी ही कोई निर्णय हो जाएगा।

Land Irrigated by Agra Canal

***671. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state-the total acreage of land of Faridabad and Gurgaon Districts being irrigated by Agra Canal ?

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): The total acreage of land in Faridabad and Gurgaon districts irrigated by Agra Canal was 78330 and 1144 acres respectively during the year 1992-93.

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, स्पीकर साहब, आगरा कैनाल हमारे जिले के लिए महत्वपूर्ण नहर है। जब भी सदन में कोई नहर की बात करता है, तभी वह एस0वाई0एल0 या

बाकी नहरों का जिक्र करता है लेकिन आगरा कैनाल का कोई जिक्र नहीं करता। आगरा कैनाल फरीदाबाद और गुडगांव के मेवात के इलाके को पानी देती है। जब मुख्य मंत्री जी चुनाव लड रहे थे तो इन्होंने कहा था कि जब मैं जीत कर मुखमंत्री बनूंगा तो जो इसका मैनेजमैंट है, वह हरियाणा के हाथों में देंगे लेकिन ये अपना वायदा भूल गए। आज इन्होंने सरकार का मुंह हिसार और कालका की तरफ खोला हुआ है। जैसा मंत्री जी ने बताय कि आगरा नहर से फरीदाबाद जिले की 78330 एकड और गुडगांव जिले की 1144 एकड भूमि की सिंचाई होती है। लेकिन क्या यह बात सच है कि 1991–92 में इस नहर से इससे ज्यादा जमीन को सिंचाई होती थी तथा इससे और पहले भी ज्यादा सिंचाई होती थी ? स्पीकर साहब, क्या यह बात भी सच है कि आगरा नहर की कभी भी खुदाई नहीं की गयी ? इस नहर से निकलने वाले रजवाहों में बहुत गाद भरी हुई है, कीचड भरी हुई है, लेकिन सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं की गयी। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इस नहर से फरीदाबाद और गुडगांव जिलों में जो नहर का पानी आता है, उसकी क्षमता को बढाने के लिए ये पुनः अपनी इस मांग को यू0पी0 की सरकार से उठायेंगे ताकि आगरा नहरा का जो हरियाणा के हिस्से का पानी है, उसकी मात्रा बढाई जाए ? स्पीकर साहब, पहले इस नहर में अपर नहर और लोअर नहर का पानी आता था लेकिन अब गंदी नहर का पानी भी आता है। स्पीकर साहब, जो पानी हमारी धरती से गुजरता है, उसके लिए हम देखते ही रह जाते हैं और वह पानी यू0पी0 वालों

के खेतों की सिंचाई करता है, क्या यह ठीक है ? उस पानी पर हमारा हक ज्यादा बनता है, इसलिये क्या मंत्री जी इस मामले को यू0पी0 सरकार के साथ उठायेंगे ?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इसके बारे में असैम्बली में पहले भी सवाल आया था और उस समय भी यह जवाब दिया गया था कि आगरा नहर जो फरीदाबाद और गुडगांव के एरिये में आती है, उस पर यू0पी0 सरकार का मैनेजमैंट है और इस मैनेजमैंट को हरियाणा में लाने की कई बार बात भी हुई है। यमुना के पानी के बंटवारे का मामला यू0पी0 के साथ दिल्ली के साथ, हिमाचल के साथ और राजस्थान के साथ जुडा हुआ है और भाुक्ला जी ने इस मामले पर सभी कंसर्ड मुख्य मंत्रियों की मीटिंग भी बुलायी थी। उसमें भी यह मामला उठाया गया था। इसके अलावा, जब यू0पी0 में बी0जे0पी0 की सरकार थी, तब भी मीटिंग में इस मामले को उठाया गया था। स्पीकर साहब, हर बार यह मुददा उठाया जाता है कि इस नहर का मैनेजमैंट हरियाणा को दिया जाए। इसके अलावा, इन्होंने यह भी कहा कि इस नहर से फरीदाबाद जिले में जो पानी लगता है उससे 78330 एकड जमीन की सिंचाई होती है तथा इससे पहले के सालों में यह पानी और ज्यादा था लेकिन ऐसा नहीं है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि 1991–92 में फरीदाबाद जिले को मिलने वाले पानी से 73266 एकड जमीन की सिंचाई होत थी और 1990–91 में 81521 एकड जमीन की सिंचाई होती थी। स्पीकर साहब, यह अलग अलग समय

पर अलग अलग तरीको से होती थी। इनकी यह बात ठीक है कि यू0पी0 वाले इस नहर की सफाई ठीक ढंग से नहीं करते हैं लेकिन हमारी यह पूरी कोि ा ा रहेगी कि इसका मैनेजमैंट हरियाणा के पास आने के बाद इसकी पूरी सफाई हो, पूरी गाद निकाली जाए तथा पानी को टेल तक पहुंचाया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, आगरा नहर का संबंध हमारे जिले से संबंधित है। (विघ्न)

श्री हरि सिंह नलवाः स्पीकर साहब, जैसा पिछले दिनों दिल्ली के मुख्य मंत्री खुराना जी ने कहा था कि हरियाणा से जो पीने का पानी दिल्ली को आता है, उस पर हमारा हक बनता है लेकिन हमारे मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि इस पानी पर दिल्ली का हक नहीं बनता। लेकिन दिल्ली के लोगों की तकलीफों को देखते हुए हरियाणा ने दिल्ली को पानी दिया है। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहूंगा कि जितना पानी हम पीने के लिए उनको देते हैं और जो गन्दा पानी यमुना का दिल्ली से हरियाणा में आता है, क्या आपने उतने पानी के लिए कभी भी दिल्ली की सरकार या भारत सरकार के द्वारा बात की है या ऐसी कोई सरकार के पास प्रोपोजल है; क्योंकि दिल्ली के लिए पीने के पानी का राईट हरियाणा से नहीं बनता, फिर भी हम उनको पीने का पानी देते हैं। उनके यूजड पानी से हरियाणा की धरती की ज्यादा से ज्यादा सिंचाई हो सकेगी, इसलिये क्या ऐसा सरकार का बातचीत करने का कोई प्रोपोजल है ?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर सर, पिछले दिनों केन्द्रीय भाहरी विकास मंत्री श्रीमती भीला कौल ने मीटिंग बुलाई थी, उसमें उन्होंने कहा था कि जो दिल्ली का गन्दा पानी है, वह आप ले लीजिए और साफ पानी हमें दे दीजिए। मुख्य मंत्री जी भी उस मीटिंग में थे, हमने स्पश्ट जवाब दे दिया कि हम ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि जो ट्रीटमैंट पानी का हुआ है, उसको भी हमने चैक करवाया है, उसकी ओ0बी0डी0 ज्यादा थी, पानी में जर्म्स और कैमीकल्ज अधिक मात्रा में थे, उनके पास अच्छे ट्रीटमैंट प्लांट नहीं हैं। हमने उनसे कह दिया कि इस्तेमाल किया हुआ पानी हम नहीं लेंगे।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, जैसा सिंचाई मन्त्री जी ने बताया कि यमुना के पानी के बंटवारे के बारे में जब बात हुई तो आगरा कैनाल का जिक्र आया। जैसा मुख्य मंत्री जी ने बताया था यह बात उससे भिन्न है। यमुना वाटर की भोयरिंग के बारे 1954 में एग्रीमैंट हुआ था, वह 2004 में खत्म होगा उससे पहले इस तरह का कोई प्र न ही एराइज नहीं किया जाना चाहिए। मैं तो यह भी कहना चाहूंगा कि यमुना वाटर के बारे में कोई बातचीत न की जाए। रहा आगरा कैनाल का सवाल, सतलुज के पानी के बारे भाखडा मैनेजमैंट बोर्ड पर कब्जा करने से पहले, क्या पंजाब सरकार ने सैंट्रल गवर्नमैंट से बातचीत की थी ? उसने कब्जा कर लिया था, इसी तरह क्या हरियाणा सरकार आगरा कैनाल पर कब्जा करने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन उसका

मैनेजमैंट अपने हाथ में लेने के लिए तैयार नहीं है ताकि गुडगांव और फरीदाबाद को पूरी मात्रा में पानी मिल जाए ?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर सर, इन्होंने जो पहला सवाल किया कि 1954 में जो एग्रीमैंट हुआ था उसमें यह था कि ताजेवाला पर जो पानी है उसमें से दो तिहाई हरियाणा को और एक तिहाई यू0पी0 को मिलेगा, वह सन 2004 तक लेंगे। जो एग्रीमैंट हो रहा है वा डैम बन जाने के बाद पानी की जो यूटिलिटी है, उसका एग्रीमैंट हो रहा है। जैसे भाखडा में पानी स्टोर हो गया जो फ्लड का पानी नहीं होता। जब सर्दियों में पानी की कमी होती है तो पानी सिंचाई के लिए इस्तेमाल करते हैं क्योंकि बारि ा के दिनों में यमुना में एक लाख क्यूसिक से पांच लाख क्यूसिक पानी आ जाता है, जब लीन सीजन होता है और दिसम्बर के महीने में जब बर्फ नहीं पिछलती उस समय दो हजा क्यूसिक पानी रह जाता है। अब उस पानी को अधिक समय तक चलाने के लिए ऊपर डैम बनाने हैं, उन डैमों के बन जाने से हम 5–6 या 7 हजार क्यूसिक पानी ले सकेंगे। लीन सीजन और फ्लड को रोकने के लिए डैम बनते हैं। जब डैम बन जाएंगे, उसके बाद पानी के बंटवारे की बात है। इसके अतिरिक्त और बहुत सी बातें हैं, जैसे अब डब्ल्यू0जे0सी0 की स्ट्रैंथनिंग करके 12 हजार क्यूसिक पानी ले रहे हैं फिर 23 हजार क्यूसिक पानी ले सकेंगे। जैसे हथिनीकुंड बैराज बनाने की बात है, सुचारू रूप से चलाने की बात है। जहां तक इनका दूसरा सवाल है .....

चौधरी ओम प्रका ा बेरी: हथिनी कुंड बैराज बनाने के काम में कितनी प्रौग्रेस हुई है और कब तक काम भाुरू किया जाएगा ?

श्री अध्यक्ष: यह सप्लीमैंटरी इस क्वै चन से रिलेट नहीं करती।

चौधरी जगदी ा नेहरा: स्पीकर सर, जैसे इनका दूसरा सवाल है कि पंजाब वालों ने जैसे भाखडा पर कब्जा कर लिया, वैसे हरियाणा आगरा कैनाल पर ओखला से कब्जा कर ले। स्पीकर सर, ओखला भी यू0पी0 की टैरिटरी है, वहां उन्हीं का कब्जा है, ऐसा तो नहीं है कि धक्के से कब्जा कर लें।

चौधरी जाकिर हुसैन: जैसे गुडगांवा कैनाल के बारे में मंत्री महोदय ने बताया है कि लगातार बातचीत चल रही है, वे अपनी जगह पर ठीक हैं लेकिन मैं मंत्री जी से रिक्वैस्ट करूंगा और साथ ही जानना भी चाहूंगा कि आज जो आगरा कैनाले में गाद भरी हुई है और रजबाहें में पानी नहीं चल पा रहा है, इसकी सफाई कब तक करा देंगे ? यही हालत गुडगांवा कैनाल की है, उसके साथ लगते हुए रजबाहों में भी पानी नहीं आता। क्या मंत्री जी इसके लिये कोई टाईम बाउन्ड प्रोग्राम बनाएंगे और आगरा कैनाल गुडगांवा कैनाल और उसके रजबाहों की सफाई करवायेंगे ताकि रजबाहों में पानी आ सके और किसानों को पानी मिल सके ? आजकल क्या होता है, जब भी वह पानी छोडते हैं तो नहर

जगह जगह से टूट जाती है और किसान के ऊपर फर्जी कट के केस बनाये जाते हैं। क्या मंत्री जी इस ओर वि ोश ध्यान देंगे ?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा है कि हम किसानों को राहत देने की कोि ा ा तो करते हैं। आपको पता है कि आगरा कैनाल और डब्ल्यू0जे0सी0 हरियाणा में पैरेनीयल कैनाल्ज हैं। आगरा और जे0एल0एन0 कैनाल, दोनों नान पैरेनीयल हैं इनमें केवल बारि ा के दिनों में पानी आता है। इसलियें इस बारे में थोडी सी दिक्कत आती है। फिर भी हम यह कोि ा ा करेंगे कि जहां जहां पर दिक्कत है, वहां पर पूरा पानी दिया जाये।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि 80 हजार एकड की करीब भूमि की सिंचाई होती है। एक बात इन्होंने यह भी मानी है कि इस इलाके की नहरों में पिछले काफी अर्से से सफाई नहीं हुई है और खासकर मेवात इलाके में इन नहरों की सफाई नहीं हुई है। कम से कम आगरा नहर वहां के डेढ लाख एकड एरिया को सैराब करती है। पुन्हाना माईनर, बिच्छोर माईनर, हथीन माईनर, भुंगरी माईनर और कोट माईनर सारी की सारी सूखी पडी हैं, चलती ही नहीं हैं। हथीन क्षेत्र का टू थर्ड एरिया इससे सैराब होता है आज वह इलाका बंजर हो गया है और लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। एक तो जगह जगह से टूटी पडी है, परिणामस्वरूप इससे पानी आगे नहीं जा पाता। आगरा कैनाल का कन्ट्रोल लेने के लिये सरकार बार

बार यह कह रही है कि इस संबंध में बातचीत चल रही है। आखिर यह बात कब तक होती रहेगी। एस0वाई0एल0 पंजाब से गुजरती है, वह हमें पानी नहीं दे सकती और आगरा कैनाल जो हमारे यहां से गुजरती है वह भी हमें पानी नहीं दे सकती। इसलिए हमारे इलाके के लोगों के सब्र का पैमाना लबरेज हो चुका है। हमारे खेत सूख रहे हैं और रोजी रोटी के लोगों को लाले पड रहे हैं। हो सकता है यहां के लोग नहर रोकने के लिए मजबूर हो जायें और रोक कर अपना काम चलायें। इसलिये यह जरूरी है कि हर कीमत पर हम इसका इन्तजाम अपने हाथ में ले लें और साथ ही इस नहर की सफाई कराने का प्रबन्धे जल्दी से जल्दी करें, वरना लोगों के सब्र का पैमाना लबरेज हो जायेगा। कभी भी कुछ हो सकता है।

चौधरी जगदी ा नेहराः मैम्बर साहब ने जो कुछ कहा है, वाकई यह एक चिन्ता का विशय है।

श्री अध्यक्षः आपको अपनी हद तक सफाई करवाने से कौन रोकता है ? आप वहां सफाई करवायें।

चौधरी जगदी ा नेहराः दिक्कत यह है कि इस नहर का कंट्रोल यू0पी0 वालों के पास है। न यू0पी0 वाले खुद इसकी सफाई कराते हैं और न ही इसका सिस्टम ठीक करते हैं। इसलिये सरकार पूरी तरह से कोि ा ारत है कि इसका मैनेजमेंट हमारे पास दे दिया जाये। पिछली बार मीटिंग में भी यह बात आयी थी।

हमारी कोि ाश यह है कि जल्दी से जल्दी इस नहर का मैनेजमैंट हमारे हाथ में दे दिया जाये। दूसरी बात जो इन्होंने कही है कि 1960 से इस नहर का द्वारा डेढ लाख एकड जमीन की सिंचाई हो रही है, मैं इस बारे में यह बताना चाहता हूं कि आगरा कैनाल की जद में फरीदाबाद की जो जमीन आती है, वह केवल एक लाख 8 हजार एकड है, इसलिये डेढ लाख भूमि सिंचित होने का तो सवाल ही नहीं है। इस एक लाख आठ हजार में से तकरीबन 80 हजार एकड भूमि की ही सिंचाई होती है।

चौधरी अजमत खांः अध्यक्ष महोदय, इसमें गुडगांवा जिले की जमीन भी भाामिल है जो इससे सिंचित होती है। मंत्री जी ने केवल जिला फरीदाबाद का सिंचित एरिया बताया है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय सदस्य इस बारे में बडे चिन्तित हैं। वाकई यह एक चिन्ता की बात है क्योंकि आगरा नहर का कन्ट्रोल यू0पी0 वालों के पास है। इसलिए इस मैटर को बडी सीरयसली उठाया है पिछली दो मीटिंग्ज में। हमने कहा कि हमारे किसानों को बडी भारी तकलीफ है और इस पर हमारा कंट्रोल होना चाहिए अगर हमारा कन्ट्रोल न हो तो यू0पी0 और हरियाणा का ज्वाएंट कन्ट्रोल होना चाहिए ताकि नहर की सफाई हो जाए और पानी का बंटवारा ठीक हो जाए। जितना हरियाणा का हक है उतना पानी हरियाणा को मिल जाए। हमने यह भी कहा कि अगर इसका कंट्रोल हमें नहीं मिलता तो भारत सरकार कंट्रोल अपने हाथ में ले ले। अध्यक्ष महोदय,

जब तक यू0पी0 वालों का कंट्रोल है, हम उसकी सफाई नहीं कर सकते क्योंकि कन्ट्रोल उनके पास है। जब तक कोई म्यूचुअल ऐग्रीमैंट नहीं होगा, तब तक सफाई के काम को हम नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में बातचीत चल रही है कि नहर की सफाई और कन्ट्रोल भारत सरकार ले ले ताकि किसी को ि ाकायत न हो।

मोहम्मद असलम खांः अध्यक्ष महोदय, यू0पी0 के साथ 1980 में एक झगडा भुरू हुआ था। आज उस बात को चौदह साल हो गए हैं। 1954 में यू0पी0 के साथ एक ऐग्रीमैंट हुआ था लेकिन 1980 में जब झगडा हुआ तो दोनों तरफ की पुलिस राइफल्ज लेकर बैठ गई और उस वक्त काम को रोक दिया गया और चाहे ताजेवाला है, चाहे हथिनी कुंड है, इनका कन्ट्रोल हमारे हाथ में हे। जिस समय सम्पत सिंह जी इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर थे, उस समय मैं वहां देखने के लिए गया था। यू0पी0 वालों ने हथिनी कुंड बैराज पर बहुत ऊपर जाकर एक रैगुलेटर लगा लिया जिससे पानी पर यू0पी0 का कंट्रोल हो जाए ताकि हम उन पर डिपैंड करें कि वे पानी हमें दें या न दें। क्या सरकार ने इस समस्या को सुलझाने का कोई प्रयत्न किया है ?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि यू0पी0 वालों ने एक हाईडल पावर हाउस हथिनी कुण्ड पर बनाया। इसको बनाते समय यू0पी0 गवर्नमैंअ की नीयत ठीक नहीं थी। उन्होंने वहां एक साइफन टाईप एरिया बना दिया ताकि

ईस्टर्न जमुना कैनाल से साइफन के जरिए पानी ले जाया जा सके। हमारी सरकार ने, सैंटर्ल गवर्नमैंट ने तथा हरियाणा की पहले वाली सरकार ने यू0पी0 वालों के साथ मीटिंग करके तथा लिखकर इस बारे में एतराज किया कि यह कार्यवाही उनकी गलत है। अगर वहां हाइडल पावर हाउस बना दिया तो पानी के बंटवारे का कोई मतलब नहीं रह जाता। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने वहां पर बनाया कुछ जरूर है लेकिन जोडने का कोई मतलब नहीं है। मेरे कहने का मतलब यह है कि साइफन से हथिनी कुण्ड बैराज को जोडने का कोई मतलब नहीं है। मुख्य मंत्री जी ने और भाुक्ला जी ने बडे स्पश्ट तौर से कहा कि हम इस तरह से मिलने नहीं देंगे। ताजेवाला और हथिनी कुण्ड से कोई चीज मिलाने का कोई मतलब ही नहीं है और इस बारे में हमने लिखकर भी दिया है और मीटिंग में भी यह बात कही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आगरा कैनाल के कन्ट्रोल के बारे में काफी बातें यहां सुनने को मिली हैं। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि कंट्रोल हमें नहीं मिल रहा है। लेकिन यू0पी0 की सरकार यह कहती है कि आगरा कैनाल का कंट्रोल हरियाणा अपने हाथ में ले ले, हमें कोई एतराज नहीं है लेकिन वे पैसा मांगते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार की फिजूल खर्चियां इतनी हैं कि इस सरकार का नहरों की तरफ कोई ध्यान नहीं है। अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अगर नहर का कन्ट्रोल हरियाणा सरकार को नहीं मिलता, तो क्या ये

हरियाणा को जितना पानी मिलता है, उसको बढवाने का प्रयास करेंगे ? दूसरी बात यह है कि अगर हरियाणा के हिस्से का पानी बढ जाए तो उस पानी को आगरा कैनाल में डालने की बजाये गुडगांव कैनाल में डाला जाएगा जिससे गुडगांव के जमींदारेां को फायदा पहुंच सके ?

चौधरी जगदी ा नेहराः इसके लिये स्पीकर साहब, पिछले दिनों यमुना के चीफ इंजीनियर से मैंने कहा था और उन्होंने मथुरा के एस0ई0 से बातचीत की थी। दोबारा फिर मैंने उससे कहा, आपको चाहे लखनऊ जाकर वहां के अधिकारियों के साथ मीटिंग करनी पडे, आप करें ताकि पानी का जो सिस्टम है, वह ठीक हो सके और जो हमारा हिस्सा है, वह हमें मिले। साथ में मैंनटीनैंस के बारे में, सफाई के बारे में और बाराबन्दी के बारे में भी हमने उनसे बातचीत की है। हम तो चाहते हैं कि यह सिस्टम ठीक चले और किसानों की जो दिक्कतें हैं, वह सही तरीके से दूर हों। इन सब बातों के लिये हम पूरी कोि ा ा कर रहे हैं।

Construction of Roads

***696. Ch. Bharath Singh:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct the following roads of District Kaithal

1. Balu to Gulyana;

2. Kailram to Balu;

3. Kala-sar to Kheri Sherkhan;

4. Kolekhan to Gurusar; and

(b) if so, the time by which the above said roads are likely to be constructed ?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) उपरोक्त (क) के दृश्टिगत प्र न ही नहीं उठता।

चौधरी भरत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने जब यह वायदा किया है कि हम हर गांव को पक्की सडकों से जोडेंगे, तो कब तक सरकार सभी गांवों को पक्की सडकों से जोड देगी ?

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने केवल चार सडकों के बारे में सवाल पूछा है और यह चारों सडकें पहले ही दूसरी सडकों से जुडी हुई है। बालू रोड कसान के पास जीन्द रोड पर मिली हुई है, इसी तरह से गुल्याणा गांव की जो सडक है, वह भी कैथल जीन्द से मिली हुई है। कलैरम बालू नरवाना से कैथल रोड पर, गांव अलग अलग सडकों से मिले हुए हैं। क्लासर से खेडी भोरखां वह क्लासर कलायत

रोड तथा भोरखां मण्डीकलां से लोडर सडके के पास मिली हुई है। चौथी जो सडक कोलेखां से गुस्सर तक की है, वह पहले ही मैन रोड से मिली हुई है।

Outstanding Electricity Bills

***727. Prof. Sampat Singh:** Will the Minister for Power be pleased to state-the total amount of arrears on account of Electricity bills outstanding against the consumers in the State at present ?

Power Minister (Sh. A.C. Chaudhary): Ending November, 1993, a sum of Rs. 492.20 crores was outstanding against electricity consumers of all categories, out of which Rs. 396.52 crores pertained to Govt./Semi Govt. connections.

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि यह जो 492.20 करोड रूपये के पैंडिंग बिल्ज हैं, उनमें डोमैस्टिक कमर्ि ायल, ऐग्रीकल्चर सैक्टर और दूसरी जो कैटेगरीज हैं, इनकी अलग अलग रार्ि ा कितनी कितनी है ? खासतौर पर इंडस्ट्रीज के लिए जो बल्क सप्लाई होती है, उसकी कितनी रार्ि ा है ? इसके साथ साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इन बिलों की रिकवरी के लिये सरकार ने क्या स्टैप्स उठाये हैं ताकि यह रिकवरी जल्दी हो सके ?

श्री ए0सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, जितने एरियर्ज मैंने अपने जवाब में बताए हैं, उनमें कुछ रार्ि ा सरकारी व कुछ रार्ि ा अर्ध सरकारी कुनैक ानों से संबंधित है। इसके अलावा जो लोग

इलैक्ट्रीसिटी रूल्ज के मुताबिक एरियर्ज में होते हैं, उनको बी0सी0ओ0 ही आर्डर इ ू करके कनैक ान डिसकनैक्ट करता है लेकिन इसमें बहुत सारे भाायद 80 से पहले के हैं। भाायद 1976–77 के हैं। वे बाई एण्ड लार्ज या तो लोअर कोर्ट में चले गये हैं और जो हमारे काबू में आते हैं, हमने उनसे लैण्ड रैवेन्यू एक्ट के तहत, इविक ान के द्वारा या रियलाईजे ान के तौर पर एरियर्ज वसूल करने की पूरी चेश्टा की हैं। जो केसजि कोर्ट में होते हैं जब तक कोर्ट फैसला नहीं करती, हम बेबस हैं। मैं तो यह बता देना चाहता हूं कि कोर्ट में केसिज आलमोस्ट 1980 से चल रहे हैं। स्पीकर साहब, प्राइवेट कैटेगरी में जो जनरल हैं, उसमें 60318, एग्रीकल्चर में 13018, इंडस्ट्रियल में 8981 डिफरैंट कंज्यूमर्ज हैं। जहां तक अमाउंट की बात है, जनरल में 29.40 करोड रूपए, एग्रीकल्चर में 25.75 करोड रूपए और इंडस्ट्रियल में 40.51 करोड रूपए हैं।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इन्होंने कहा है कि केसिज कोर्ट में हैं और दूसरे कहा कि एज एरियर्ज आफ लैंड रैवेन्यू रिकवरी की है। मैं जानना चाहता हूं कि एज एरियर्ज आफ लैण्ड रैवेन्यू कितनी रिकवरी की है ? कहीं ऐसा तो नहीं .....

श्री अध्यक्षः अब सवालों का समय समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों

के

लिखित उत्तर

Upgradation of High School, Madlauda into 10+2 System School

***712 Sh. Krishan Lal:** Will the Minister for Education be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to upgrade the Govt. High School, Madlauda in District Panipat into 10+2 system during the year 1993-94 ?

ि ाक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द्र मुलाना): जी नहीं।

Navodya School

***708. Sh. Satbir Singh Kadian:** Will the Minister for Education be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open a Navodya School in District Panipat; if so, the time by which it is likely to be opened ?

ि ाक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द मुलाना): जी हां, सिवाह में नवोदय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव भारत सरकार के विचाराधीन है। परन्तु समय सीमा नहीं बताई जा सकती।

Appointment made on Daily-wages Basis

***746. Smt. Chandravati:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) the post-wise number of persons working on daily-wages in the Transport Department at present; and

(b) whether any persons have been appointed on permanent/daily-wages basis in Dadri Depot during the period from 1st January, 1993 to date; if so, the names and addresses thereof ?

***Interim Reply**

BALBIRPAL SHAH

"D.O. No. 26/5/94-3TC

Minister of State for
Transport, Haryana,

Chandigarh.

Dated. 4th March, 1994

Subject :- Starred Assembly Question No. 746- Smt. Chandrawati, M.L.A.

Dear Shri

Kindly refer to the subject noted above.

2. The reply to the above mentioned Starred Assembly Question involves collection and consolidation of information pertaining to the persons working on daily wages in the Transport Department. This information is required to be collected from all the General Managers of Haryana Roadways, all Secretaries of Regional Transport Authorities, S.P. (Traffic), Flying Squad Officer (ISBT), Delhi etc. who are their appointing authorities. It would take considerable time

to collect this information from as many as 29 different offices located in the State.

3. Keeping in view the circumstances explained above, I shall be greateful if an extention of one month's time is given for reply of this Starred Assembly Question.

With kind regards,

Yours sincerely,

Sd/-

(Balbirpal Shah)

Shri Ishwar Singh,

Hon'ble Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh."

Construction of a Grain Market at Siwan

***734. Sh. amar Singh Dhanday:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a grain market at Siwan in Distt. Kaithal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid market is likely to be constructed ?

कृशि मन्त्री (श्री हरपाल सिंह):

(क) जी हां।

(ख) उक्त प्रयोजन हेतु भूमि अर्जन के प चात निर्माण का कार्य भाुरू किया जाएगा।

Setting up of 132 K.V. Sub-Station at Pipli and Ladwa

***843. Dr. Ram Parkash:** Will the Minister for Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up a 132 K.V. (or more) Sub-Station at Pipli and Ladwa in Distt. Kurukshetra; and

(b) if so, the time by which the aforsaid Sub-Stations are likely to be set up ?

बिजली मन्त्री (श्री ए0सी0 चौधरी):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) 132 के0वी0 उपकेन्द्र, पिपली वर्शं 1996–97 तक तथा 220 के0वी0 उपकेन्द्र लाडवा वर्शं 1997–98 तक।

Molasse of Sugar Mill, Kaithal

***829. Sh. Ram Kumar Katwal:** Will the Minister for Co-operation be pleased to state-the name of persons/agency to whom the molasses of Sugar Mills, Kaithal was supplied during the year 1992 and 1993 separately together with the names of persons/agency to whom it is being supplied at present ?

सहकारिता मन्त्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया): ब्यौरे का विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

वर्श 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 के दौरान कैथल सहकारी चीनी मिल द्वारा पार्टी अनुसार दिये गये भीरे का विवरण निम्न प्रकार है :–

क्रम सं0	पार्टी का नाम	मात्रा (क्विंटलों में)
1991–92		
1	अ ाोका डिस्टिलरिज लि0, हथीन	32965.40
2	दी पानीपत सहकारी डिस्टिलरी लि0, पानीपत	19420.50
3	ऐसोसिएटिड डिस्टिलरिज लि0, हिसार	18229.35
4	हरियाणा फेरो ऐलोयज लि0, रोहतक	7491.00
5	केमी सेल्ज, सोनीपत	1369.10
6	हरियाणा स्टील एण्ड एलोयज लि0, सोनीपत	465.55
7	डेवीको (इण्डिया) आयन फाऊंडरी एण्ड	432.25

	इन्जिनियरिंग वर्क्स, नरवाना	
8	भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार	398.40
9	सिंगला इण्डस्ट्रीज, सोनीपत	350.30
10	किसान फीडस प्राईवेट लि0, अम्बाला	333.25
11	अमित फाऊंडरी एण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स, कैथल	267.85
12	ऐनीमल ब्रीडिंग एण्ड जनेटिक्स, पालमपुर (हि0 प्रदे ा)	257.15
13	आफिसर इन्चार्ज मिलिटरी फार्म, अम्बाला कैन्ट	242.85
14	गगन फाऊंडरी उद्योग, कैथल	158.55
15	जै भारत फाऊंडरी उद्योग, कैथल	150.65
16	माया म ीन टूल्ज, फरीदाबाद	147.00
17	चौधरी इस्पात उद्योग, कैथल	146.35
18	चौधरी इंजिनियरिंग वर्क्स, कैथल	141.60
19	हर हर महोदव तम्बाकू कम्पनी, यमुनानगर	121.40
20	जै प्रका ा कैला ा चन्द, यमुनानगर	82.00
	कुल	83170.50

1992—93		
1	ऐसोसिएडिट डिस्टिलरिज लि0, हिसार	61544.05
2	दी पानीपत सहकारी डिस्टिलरिज लि0, पानीपत	39659.05
3	अ ाोका डिस्टिलरिज लि0, हथीन	15553.50
	कुल	116756.60
1993—94		
1	दी पानीपत सहकारी डिस्टिलरिज लि0, पानीपत	6492.40
2	ऐसोसिएडिट डिस्टिलरिज लि0, हिसार	4941.20
	कुल	11433.60

राज्यपाल महोदय का सन्दे ा

Mr. Speaker: Hon'ble members, I have received a message from the Governor, which reads as under :-

"Hon'ble Speaker, Thank you so much for your communication No. HVS-LA-36/94/4290 dated the 4th March, 1994 sending there-with a copy of the "Motion of Thanks" on my address passed by Haryana Vidhan Sabha on 4th March, 1994".

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आपकी इजाजत से मैं कुछ कहना चाहता हूं। कल जब चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी बोल रहे थे तो हमारे आदरणीय मंत्री श्री सुरेन्द्र कुमार मदान ने एक जमीन की आफर दी थी कि अगर कोई उस जमीन को लेना चाहे तो मैं दे सकता हूं। यह बात अखबारों में अभी आई है। अखबार की खबर को पढ कर श्री हुकम चन्द कौंसलर ने आफर दी है। वे कहते हैं कि समाचार पत्र में श्री सुरेन्द्र कुमार मदान ने जो घोशणा की है, मैं उससे डबल रेट देने के लिए तैयार हूं। यह एप्लीकैंट लिखता है कि हालांकि उस जमीन में वृक्ष उखाड दिए गए हैं, फिर भी मैं पांच साल के लिए उसे डबल रेट पर लेने के लिए तैयार हूं। स्पीकर साहब, हुक्म चन्द म्यूनिसिपल कौंसलर वार्ड नं0 15, कैथल की यह आफर है। उन्हौंने अपनी तरफ से रिकवैस्ट भेजी है कि मुझे अखबार से पता चला है और मैं डबल रेट पर लेने के लिए तैयार हूं। उनकी रिकवैस्ट मेरे पास है जो मैं मुख्य मंत्री के पास भेज रहा हूं। (वह आफर मुख्य मंत्री को दे दी गई)

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री सुरेन्द्र कुमार मदान): स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जी ने जो कहा है, वह मुझे मंजूर है। वे 34 हजार रूपए मुझे दे दें।

Prof. Sampat Singh: I do not want this land. Municipal Councillor wants this land. Whether you are accepting the request of the Councillor or not ?

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः स्पीकर साहब, उन्होंने 34 हजार रूपए कहा है, इसलिये 17 हजार रूपए सम्पत सिंह जी रख लें और 17 हजार रूपए मुझे दे दें।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, वह दरखास्त मुख्य मंत्री जी के नाम ऐड्रैस की गई है और पहुंच रही है सम्पत सिंह जी के पास। मदान साहब ने उनको ओफर भी दी है कि आप 34 हजार रूपए में वह जमीन ले लें। अब सम्पत सिंह जी, आपको हां करनी चाहिए। अब आप भाग क्यों रहे हैं ?

प्रो0 सम्पत सिंहः सम्पत सिंह नहीं भाग रहा, भाग तो मदान रहा है। You are protecting him.

श्री अध्यक्षः ये तो बेनामी लेना चाहते हैं। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आपने यह जो कहा है कि बेनामी लेना चाहते हैं, यह बात एक्सपंज होनी चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः वह दरखास्त आपके पास किए लिए आई है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जिस आदमी ने यह दरखास्त दी है, वह विजीटर गैलरी में मौजूद हैं। आपने जो बेमानी कहा है, वह एक्सपंज करवाएं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपके पास वह दरखास्त क्यों आई है ? (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप 'बेनामी' भाब्द एक्सपंज करवाएं। (ाोर)

Mr. Speaker: The remarks of Speaker canot be expunged.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, उसने वह दरखास्त मुझे दी है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः वह इनडायरैक्ट आपके पास आई है। आपके पास वह दरखास्त आने की कोई वजह नहीं है। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। कल इनकी तरफ से एक एलीगे ान लगाया गया था।

प्रो0 सम्पत सिंहः मेरी तरफ से एलीगे ान नहीं लगाया गया था। वह तो चौटाला साहब की ओर से लगाया गया था।

चौधरी भजन लालः ठीक है, उनकी तरफ से लगाया गया होगा। हमारे मंत्री ने कल ही उनकी बात एक्सैप्ट कर ली थी। अब इन्होंने अखबार में पढ लिया और कहते हैं कि उस जमीन को लेनै के लिए इनके पास कोई दरखास्त आई है और वह दरखास्त मुख्य मंत्री जी के नाम है। आप मुख्य मंत्री के दलाल कब से हो गए ? अध्यक्ष महोदय, जिस किसी आदमी ने वह दरखास्त दी है, उससे न उसके साथ कोई चैक लगाया है और न ही कोई एफेडैविट लगाया है। वैसे ही किसी से लिखवा कर वह

दरखास्त दे दी। यदि वह आदमी उस जमीन को लेने के लिए तैयार है तो दरखास्त के साथ एफेडेविट लगाता। मंत्री जी ने कल भी यह आफर दी थी कि व जमीन जितने की है, उतने पैसे में ले लो। इससे बडी बात और क्या हो सकती है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः उस जमीन को म्यूनिसिपल कौंसलर लेना चाहते हैं।

चौधरी भजन लालः जो भी लेना चाहते हैं, वह आप बता दें। मंत्री जी देने के लिए तैयार हैं। अध्यक्ष महोय, इनकी जिम्मेदारी की कोई बात नहीं है। अपोजी ान के लीडर का यह कर्त्तवय बनता है कि कोई ठोस बात कहे। कोई ठोस उदाहरण दे। यह कोई भाोभा नहीं देता कि एक कागज पर लिखवा कर ले आए। इस तरह के हम सौ कागज लिखवा देंगे, यह कोई अच्छी बात नहीं है। आपको ठोस बात करनी चाहिए। इससे बडी बात और क्या हो सकती है। मंत्री जी ने ओपन आफर दी है कि जो आदमी उस जमीन को लेना चाहे, वह ओपन आक ान में ले ले। सबको यह अधिकार है कि ओपन आक ान में जो भी आदमी लेना चाहे, ले सकता है। ओपन आक ान में जमीन लेना कोई गुनाह नहीं है, कोई पाप नहीं है। मंत्री जी की मां ने वह जमीन ले ली, उसकी आपको तकलीफ हो गई। यदि और कोई आदमी लेता तो आपको कोई तकलीफ न होती। यह कोई तरीका नहीं है। इस तरह के बेबुनियाद इल्जाम लगाना आपको भाोभा नहीं देता।

बिजली मंत्री (श्री ए0सी0 चौधरी): स्पीकर साहब, यह सही बात है कि आज हाउस में लीडर आफ अपोजी ान ने एक पर्चा दिखा कर एक नयी ड्रामाटाइज करने की कोि ा ा की। ये भाई उस जमीन को बेनामी लेना चाहते हैं। स्पीकर साहबब, आपकी यह औब्जर्वे ान सही है कि ये उस जमीन को बेनामी लेना चाहते हैं। मेरे भाई कैथल के म्यूनिसिपल कौंसलर के साथ क्यों लिंक रखते हैं ? मैं समझता हूं कि इनकी दलाली में जो पुराना खाता था, उसमें भाायद यह खाता रहता था। इसलिए ये आस लगाए बैठे हैं, वरना 17 हजार रूपये में देने की बात है। कोई व्यक्ति जो अपनी आत्मा की आवाज सुनने वाला है, और मंत्री के स्टेटस का है, 17 हजार रूपये के लिए अपने आपको कन्ट्रोवर्सी में डालेगा ? (ाोर) इस प्रकार प्राईवेट लोगों की गलत चिटिठयां इस्तेमाल करने का इनका कोई अधिकार है ? (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जहां तक एप्लीके ान की बात है, अपोजी ान लीडर के नाते मेरे पास लोगों की दरखास्तें आती रहती हैं और इस नाते मेरा फर्ज बनता है कि मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्शित करूं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप वह एप्लीके ान चीफ मिनिस्टर को दे दें।

प्रो0 सम्पत सिंहः वह तो मैंने पहले ही दे दी है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः यह है तो सी0एम0 के नाम, फिर आपके पास कैसे आ गई ? (ाोर)

श्री ए0सी0 चौधरीः एप्लीके ान पर जो सिगनेचर हुए हैं, उनको वैरीफाई कराया जाये कि असल में ये किसके सिगनेचर हैं। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः आज वह सुबह एम0एल0ए0 होस्टल में आया था, उस समय उस काउंसलर ने यह एप्लीके ान दी थी। (ाोर)

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, मैं फिर हाउस में औफर देता हूं, अपने विपक्ष के नेता प्रो0 सम्पत सिंह जी को कि आप इस जमीन को 34 हजार रूपये में ले लें और साथ में ये 10 परसैंट कमी ान भी ले लें। (ाोर) मैं सारे अधिकार इस जमीन से छोडने के लिए तैयार हूं, ये लेने वाले तो बनें। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, कमी ान खोरी का काम इनका है, हमारा नहीं है। (ाोर) इसमें ज्यादा डिस्क ान की आव यकता नहीं है। एक काउंसलर ने अपनी आफर दे दी है इसलिए मैं यह भी कहना चाहता हूं कि अपोजी ान लीडर होने के नाते लोगों की ग्रिवेंसिज और एप्लीके ांज मेरे पास आती रहती हैं। उनकी ग्रिवेंसिज को रेज करना मेरा फर्ज बनता है। इस बारे

में एक काउंसलर ने अपनी आफर दे दी है और हो सकता है कि 10–20 लोगों की और आफर आ जाए। जब एक काउंसलर की आफर आ गई है तो सी0एम0 साहब का और मंत्री महोदय का फर्ज बनता है कि उसकी आफर को माना जाये और यह जमीन उसे दे दी जाए। (ाोर) ये अपने गलत कारनामों को छपाना चाहते हैं। इनका काम तो सिर्फ लैंड ग्रेबिंग का ही रह गया है। (ाोर)

श्री ए0सी0 चौधरीः इन्होंने जो एप्लीके ान दी है, इस पर किसके दस्तखत हैं, यह चैक कराएं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठ जाएं। अब संपत सिंह जी अपने कालिंग अटैं ान के बारे में पूछ लें।

ध्यानाकर्शण सूचनाएं

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने 2.3.94 को एक काल अटैं ान मो ान अण्डर रूल 73 के तहत दिया था कि हरियाणा प्रदे ा में जितने भी खनिज हैं, मिनरल्ज की माइन्ज हैं वह इस सरकार ने अपने चहेतों को, अपने रि तेदारों को दे रखी हैं। मैं जानना चाहता हूं कि उस कालिंग अटैं ान नोटिस का क्या रहा ?

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। Sampat Singh Ji, it is under consideration. Nothing should be said about this. (Interruptions).

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मैंने दो कालिंग अटैं ान मो ान आपको दिए थे। एक तो यह था कि हरियाणा सरकार ने लाटरी डा लकर जो बस रूट परमिट पंजीकृत सोसायटियों को दिए हैं, मैंने मांग की है कि 20 प्रति ात अनुसूचित जातियों को और 10 प्रति ात पिछडे वर्ग को दिए जाएं, पर दिये नहीं गये। मैं जानना चाहता हूं कि ये रूट परमिटस कितने बैकवर्ड लोगों को दिए गए और कितने हरिजनों को दिए गए ?

Mr. Speaker: It has been disallowed. Now please take your seat.

डा0 राम प्रका ा: स्पीकर साहब, मेरा एक दूसरा कालिंग अटैं ान मो ान गेहूं की खरपतवार ना ाक इन्फीरियर क्वालिटी दवाई के बारे में था, उसका क्या हुआ ?

श्री अध्यक्ष: राम प्रका ा जी, आपका कालिंग अटैं ान मो ान regarding inferior quality of medicines has been admitted for 16th March, 1994.

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के जुडि ियल आफिसर के बारे में मेरा कालिंग अटैं ान मो ान था, उसका क्या हुआ ?

श्री अध्यक्ष: दलाल साहब, आपका यह कालिंग अटैं ान मो ान सुबह 9.55 बजे प्राप्त हुआ है, आप अभी बैठिए। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मेरा एक और कालिंग अटैंशन मोशन झाड सेतली से होडल तक सडक के बारे में था। इस सडक पर एक्सिडैंट बहुत ज्यादा होते हैं। अभी कुछ दिन पहले एक जीप का एक्सीडैंट हुआ था जिसमें 10 लोग मौके पर ही मारे गए थे। आए दिन इस सडक पर दुर्घटनाएं होती रहती हैं और उन एक्सीडैंटस में अनेकों लोगों की जानें चली जाती हैं। स्पीकर साहब, यह बहत ही जरूरी मसला है।

Mr. Speaker: Dalal Sahib, your calling attention notice regarding road accidents occurring due to the negligence of officers has been disallowed.

साथी लहरी सिंहः स्पीकर सर, आलू की फसल को सुरक्षित करने के लिए मेरा एक कालिंग अटैंशन मोशन था, उसका क्या बना ?

Mr.Speaker: It has been sent to the Govt. for comments.

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः स्पीकर साहब, सीवरेज के बारे में मेरा एक कालिंग अटैंशन मोशन था, उसका क्या हुआ ?

Mr. Speaker: It is admitted for today.

विभिन्न विशयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सारे सदस्यों का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात

की तरफ आकर्शित करना चाहता हूं। पिछले दिनों पाकिस्तान में "तहरीके मुज़ाहीद्दीन" नाम की एक किताब छपी है जिसके ऑथर सादिक हुसैन हैं। इस किताब में सिख गुरूओं के खिलाफ कई आपत्तिजमन भाब्द लिखे गये हैं। पिछले दिनों सभी पोलिटिकल पार्टीज और पार्लियामैंट के सदस्यों ने भी इन भाब्दों की भर्त्सना की है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन से यह कहना चाहता हूं कि एक प्रस्ताव के माध्यम से भारत सरकार को लिखा जाए कि इस किताब पर प्रतिबन्ध लगाना चाहिए। यह किताब भारत में नहीं आनी चाहिए और भारत में नहीं बिकनी चाहिए। इस किताब में हमारे बुजुर्गों और गुरूओं के खिलाफ बहुत ही आपत्तिजमन भाशा का प्रयोग किया गया है। इसलिए इसकी निन्दा की जानी चाहिए।

श्री अध्यक्षः इस बारे में आपको कोई नोटिस मेरे पास विचाराधीन नहीं है। (विघ्न)

डा0 राम प्रका ः अध्यक्ष महोदय, इस 'तहरीके मुजाहीद्दीन' किताब में 5वें, छटे, 9वें और 10वें गुरूओं के खिलाफ जो अपमानजक भाब्द कहे गये हैं वे केवल मात्र गुरूओां का ही नहीं बल्कि सारी मानवता का अपमान है जिस पर सारे दे ा में प्रतिक्रिया हुई है और दे ाभक्त तथा धर्मनिरपेक्ष लोगों को इससे भारी चोट पहुंची है। इससे पहले भी सलमान र ादी की किताब पर पाबन्दी लगाने की बात सबसे पहले भारत सरकार ने की थी, उसके खिलाफ आवाज उठाई थी और भारत में उस पर प्रतिबंध

लगाया गया था। अध्यक्ष महोदय, इस सदन में जो बात मैं कहना चाहता हूं कि वह यह है कि यह किताब प्रतिबंधित कर देनी चाहिए क्योंकि इसमें बहुत ही अपमानजनक भाशा का प्रयोग किया गया है। पाकिस्तान में यह किताब स्कूल के बच्चों को देकर उनके मन में जहर भरा जा रहा है। इस प्रकार की गंदी किताब को छाप कर गुरूओं और महाराजा रणजीत सिंह के बारे में बहुत ही गन्दे भाब्द इस्तेमाल करने की जितनी निन्दा की जाए वह कम है। बिल क्लिंटन जो हयूमन राईटस और सिख राइटस की बात करते हैं, आज वे इस पर चुप क्यों हैं ? यह केवल गुरूओं और महाराजा रणजीत सिंह का अपमान नहीं है बल्कि समूची मानवता का अपमान है। हयूमन राईटस की बात करने वाले लोग आज कहां हैं ? अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सारा सदन एक प्रस्ताव पास करके भारत सरकार तथा पाकिस्तान एम्बैसी को भेजे कि हमारी भावनाओं की कद्र की जाए और इस किताब पर पाबन्दी लगाई जाए।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही अहम मुद्दा है और यह दे ा के सम्मान के साथ जुडा हुआ है। अगर किसी भी गुरू की भाान के खिलाफ, किसी भी स्तर पर अप ाब्द इस्तेमाल किये जाएं या उनकी भाान में कोई गुस्ताखी की जाए तो यह किसी व्यक्ति वि ोश का ही नहीं, पूरे दे ा का अपमान है। इसके लिए तो सारा सदन सहमत होगा और यह बहुत ही अहम मुद्दा है। अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं इस बारे में दिलचस्पी

लेकर इस सदन की ओर से एक रैजोल्यू ान पास करके केन्द्र सरकार को भेजा जाए। मेरे ख्याल से इस बारे में केन्द्र को भी कोई आपत्ति नहीं होगी।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जो कुछ किताब में लिखा हुआ है, वह हमने देखा तक नहीं है। अगर कोई भी ऐसी बात है तो यह बहुत ही निन्दनीय बात है। लेकिन हमें यह देखना है कि भारत सरकार इस पर क्या चिार कर रही है। इस बारे में हम आज ही भारत सरकार से पूछ लेंगे। अगर हमें कुछ करना भी है तो वह हमें भारत सरकार से पूछ कर ही करना चाहिए क्योंकि यह दूसरे दे ा का मामला है। भारत सरकार से बात करने के बाद जब भी अगला सै ान आएगा तो उसमें यह प्रस्ताव भी पास कर सकते हैं। चाहे कोई भी धर्म हो, अगर कोई उसके बारे में ऐसी कोई आपत्तिजनक बात कहे, तो ठीक नहीं है।

डा0 राम प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, अगर हम यहां पर आवाज पैदा करेंगे, तमाम भारत एकमत होकर प्रस्ताव पास करेगा तो इसका प्रभाव पडेगा। प्रायः हरेक संस्था ने चाहे वह किसी भी धर्म ही क्यों ने हो, इसका विरोध किया है।

श्री अध्यक्ष: राम प्रका ा जी, मेरे विचार में अभी किसी ने भी वह किताब नहीं पढी है, सिर्फ आपने अखबारों में ही पढा है। हमें यह देखना है कि गवर्नमैंट इस बारे मैं क्या सोच रही है

और मुख्य मंत्री जी ने जो सुझाव दिया है, वह ठीक है। इस बारे में सैंट्रल गवर्नमैंट से बात करके ही कुछ हो सकता है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपने और लीडर आफ दी हाऊस ने जो बात कही है। इस बारे में आपको जो भी करना है, वह रैजोल्यू ान पढ कर करें या भारत सरकार से बातचीज करके करें, लेकिन मेरा सुझाव है कि अगर वह सत्य है तो इस हाऊस के विचार आज ही भारत सरकार को जाने चाहिएं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, प्रस्ताव कंडी ानल नहीं होते, इस बारे में बहुत कुछ देखकर करना पडता है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में प्रस्ताव पास होना चाहिए और भारत सरकार पाकिस्तान सरकार से पूछे जिन्होंने हमारे गुरूओं की निन्दा की है। स्पीकर सर, यह बिल्कुल इतिहास को तबदील करके ऐसी बातें कहीं गयी हैं जबकि पाकिस्तान और हिन्दुस्तान का इतिहास अलग अलग नहीं है, दोनों का इतिहास एक ही है।

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी, पूरी बात हो चुकी है और सभी इस बात से सहमत भी हैं कि जैसा चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा है, वह ठीक है। इसलिए अब आप बैठिये।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, किस बात से सहमत हैं ?

श्री अध्यक्षः जो आपका विचार है, वही बाकी सबका विचार है। इसके बारे में पहले सैंट्रल गवर्नमैंट से बातचीत कर ली जाये, फिर कार्यवाही की जाए तो अच्छा रहेगा।

डा0 राम प्रका ाः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, यह बात कही जा रही है कि पहले सैंट्रल गवर्नमैंट से पूछ कर फिर प्रस्ताव पास किया जाए लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर ऐसा किया गया तो फिर यह पाकिस्तान संसार को यह कहेगा कि केन्द्रीय सरकार ही ऐसे रैजोल्यू ान पास करने के लिए तैयार कर रही है जनता की अपनी प्रतिक्रिया नहीं है। क्या इस तरह की छाप करके सबके सामने नहीं आएगी ? क्या इस हाऊस इस तरक का एक रैजोल्यू ान पास करने में भी स्वतंत्र नहीं है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः ऐसा है, बजाय इसके कि इस पर पहले कोई कार्यवाही की जाए, सबसे पहले सारे फैक्टस वैरीफाई करने ही पडेंगे। (विघ्न)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः चन्द्रावती जी, अभी आप बैठिये।

स्थगन प्रस्ताव–

Mr. Speaker: Now, the Hon'ble Members, I have received an Adjournment Motion from Sh. Om Parkash

Chautala and 11 other members regarding signing of GATT agreement by the Central Govt. As the subject matter relates to entry enumerated in the Union List at Serial No. 14 i.e. Entering into treaties, agreements and conventions with foreign countries and implementing, hence the subject matter of the motion does not fall within the responsibility of the State Government. Therefore, on this account, the motion is ruled out.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, कल जो हमने अपना स्थगन प्रस्ताव दिया था। उसके बारे में आपने अपनी रूलिंग दे दी है। आपने कहा है कि यह मामला यूनियन लिस्ट में है और यूनियन लिस्ट में होने की वजह से ही आपने यह रूलिंग दी है। स्पीकर साहब, हम यह नहीं कह रहे हैं कि हम आपकी रूलिंग को रिजैक्ट करते हैं। सर, हम आपके फैसले को रिजैक्ट नहीं कर रहे हैं बल्कि यह कह रहे हैं कि एक रैजोल्यू ान इस हाऊस की तरफ से भेजा जाए। इसकी कोई टाईम लिमिट नहीं है, पहले भी इस तरह के सुजै ांज स्टेटस की तरफ से जाते रहे हैं। अगर हमारी तरफ से भी कोई ऐसा रैजोल्यू ान चला जाए तो इस पर सरकार को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए, इसलिए इसको कैंसिल भी नहीं करना चाहिए। सर, हम आपके फैसले को रिजैक्ट नहीं कर रहे हैं।

श्री अध्यक्षः ऐसा है आपने अपना कल जो प्रस्ताव दिया था, मैंने उसके बारे में बता दिया है।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

सब्जियों तथा फलदार पौधों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किये जा रहे सीवरेज के पानी सम्बंधी–

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received of calling attention motion No. 8 given notice of by Sh. Amir Chand Makkar, M.L.A. regarding sewerage water being used for irrigation of vegetables and fruit plants. I admit it Sh. Amir Chand Makkar may read his notice and the concerned Minister may make the statement thereafter.

श्री अमीर चन्द मक्कड़: अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि लगभग 7–8 वर्श पूर्व भारत सरकार द्वारा यह निर्दे ा दिए गए थे कि सीवरेज का गन्दा पानी सब्जियां व फलों वाले पौधों के लिए प्रयोग में न लाया जाए क्योंकि इससे कैंसर जेसी भयंकर बीमारियां फैलती हैं। परन्तु अभी तक कई भाहरों मैं इस पानी को सब्जियां पैदा करने व फलों वाले पौधों के लिए प्रयोग में लाया जा रहा है। यह बहुत गम्भीर मामला है। भारत सरकार द्वारा यह भी निर्दे ा दिए गए थे कि जो भी व्यक्ति इन निर्दे ाों का उल्लंघन करेगा उसे दण्डित किया जाएगा। परन्तु इन निर्दे ाों का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है। इसलिए इन निर्दे ाों के पालन के लिए सभी नगर पालिकाओं को तुरनत निर्दे ा दिए जाएं तथा सीवरेज के इस गन्दे पानी का सब्जियां पैदा करने व फलों वाले पौधों के लिए प्रयोग करने पर पूर्ण

प्रतिबन्ध लगाया जाए। इस पानी को साफ करने के लिए नगरपालिकाओं को ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के लिए निर्दे ा दिए जाएं। गन्दा पानी केवल उन्हीं पेडों/पौधों के लिए प्रयोग में लाया जाए जो कि फलदार तथा सब्जियां देने वाले नहीं हैं।

अतः मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि वह इस मामले में की गई कार्यवाही या की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में सदन में एक वक्तव्य दे।

वक्तव्य–

जन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपरोक्त सूचना सम्बंधी

Mr. Speaker: Now, I will request the Public Health Minister to make his statement.

P.W.D. Public Health Minister (Sh. Rampal Singh Kanwar): Sir, out of 80 towns, at present, only 40 towns have the sewerage system which is in operation, where as in the remaining towns, the waste water from the houses is drained through open drains.

11.00 a.m.

Even though the executionof various development programmes in the municipal area is the responsibilty of the respective municipality, the Govt. on observing that the condition of water supply and sewarage servicesd was becoming bad, decided to take over the maintenance of water supply and sewerage system in the

towns w.e.f. 2-4-1993. Consequently, the Public Health Engineering Department has been entrusted with this work to be executed at the cost on behalf of respective municipalities.

In the State of Haryana, at present there is not town, where sewerage treatment facility has been provided. However under the Yamuna Action Plan, with the assistance of the Government of India and a soft loan from the Government of Japan, six towns namely Yamuna Nagar-Jagadhri, Karnal, Panipat, Sonepat, Faridabad and Gurgaon will be extensively covered and the sewerage will be treated upto the desired norms. This project is likely to cost about Rs. 133 crores. For covering the remaining 74 towns, the amount required for providing sewerage treatment plants will be very high and the question of arranging finances for this work is very much engaging the attention of the Government.

The Sewerage, at present, is being discharged either into the natural drains or in certain areas where enough agricultural land is under command, it is being used for irrigation purposes. Till this year, the auctionof sullage from most of the towns has been done by the respective municipalities and the municipal committees have been making an effort to ensure that the Sewerage water is not been observed that there has been a violationof the terms and conditions of auction and the Govt. is concerned about the same. This issue was taken up in the meeting of the State Environment Protection Council, Haryana on 28th July, 1993 under the Chairmanship of His Excellency Sh. Dhanik Lal Mandal, Governor of Haryana. The council approved that a ban should be imposed on use of sullage water for growing

vegetables and accordingly, all the municipalities were directed to implement these instructions. They were advised to permit growing of cereal crops or cotton, cerned department by Environment Department on 7th September, 1993 and the officers of the Public Health Engineering Department as well the municipalities are making sincere efforts for its implementation.

In the next financial year, when the sullage water is auctioned for use for irrigation, the agreement will have a dominant clause strictly prohibiting the use of sewerage for growing vegetables and any consumer violationg these orders will be dealt with under the Law.

I share the concern of Sh. Amir Chand Makkar, Member, Vidhan Sabha on this issue and assure the House and the Members that Government is aware of this problem and will make fullest efforts to implement the decision of the State Environment Protection Council, Haryana in imposing a ban on use of sewerage water for growth of vegetables and fruits.

श्री अमीर चन्द मक्कड़: स्पीकर सर, जैसा कि अभी मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि करनाल यमुनानगर इत्यादि 5–6 नगरों में इन स्कीमों को चालू किया जा रहा है। इन्होंने यह भी बताया है कि कुछ नगरपालिकाएं हरियाणा में ऐसी हैं जो फल व सब्जियों की फसल मैं गंदे पानी का इस्तेमाल कर रही हैं, उन नगर पालिकाओं का नाम मंत्री महोदय ने नहीं बताया है। सब्जियों में गंदे पानी के इस्तेमाल की वजह से आज कैंसर जैसी बीमारियां

आम हो गई हैं, हर खाने वाली चीज में इसके कीटाणु प्रवे ा कर जाते हैं, यहां तक कि दूध देने वाले प ाु को भी ये सब्जियां खिला दी जाएं तो उसके दूध में प्रवे ा कर जाते हैं।

श्री अध्यक्षः आप सप्लीमैंटरी पूछिए।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः स्पीकर सर, मंत्री जी ने जिन छः नगरपालिकाओं के नाम बताए हैं उनको छोड कर बाकी सारी नगरपालिकाएं ऐसे पानी का इस्तेमाल कर रही हैं। उन नगरपालिकाओैं के नाम क्या हैं तथा कब तक गंदे पानी का प्रयोग रोक पाएंगे, यह बताने की कृपा करें। ? फाइनैं ि ायल दिक्कत तो आपने बताई है, लेकिन लोगों की सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है।

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, यह काम सीवरेज और अर्बन वाटर सप्लाई का हमें थोडा समय पहले ही सौंपा गया है। फिर भी इन्हौंने यह पूछा है कि कितनी म्युनिस्पिल कमेटीज ने इस गंदे पानी को आक ान करके बेचा है। तो मैं इनको इस बारे में बताना चाहता हूं कि रोहतक म्युनिस्पिल कमेटी की अपनी जमीन है और उसको पानी देने के लिये म्युनिस्पिल कमेटी ने इस पानी को आक ान किया हुआ है ताकि उस जमीन पर खेती की जा सके। इसी तरह से हांसी म्यूनिस्पिल कमेटी ने खेती के लिये इस पानी को आक ान किया हुआ है। भिवानी म्युनिस्पिल कमेटी की भी अपनी जमीन है और उसने भी अपनी

जमीन पर खेती करने के लिये इस पानी को आक ान किया हुआ है। पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट ने सिर्फ एक छछरौली म्युनिस्पिल कमेटी ऐसी है, जिसको आक ान किया है। इसके अलावा नारनौल की म्युनिस्पिल कमेटी ने भी इस पानी को आक ान किया है। इसके अलावा मेरे साथी ने दूसरा सवाल यह किया है कि पिछले 6–7–8 सालों से ऐसा क्यों किया जा रहा है। मैं आनरेबल मैम्बर की इन्फर्मे ान के लिये यह बता दूं कि एक मिलीलीटर पानी को ट्रीट करने के लिये 15 लाख रूपया खर्च आता है। इतना धन हमारे पास इस वक्त नहीं है कि हम सारी की सारी म्युनिस्पिल कमेटी के लिये ट्रीटमैंट प्लांटस लगा सकें। जैसे कि मैंने पहले भी इनको आ वासन दिया है, अब भी मैं इनको यह आ वासन दूंगा कि यह काम चूंकि अब हमारे पास आ गया है इसलिये जब हम आईन्दा साल के लिये आक ान करेंगे तो गवर्नर साहब ने जो फैसला किया है, उसको हम एग्रीमैंट में डाल कर उसको इम्पलीमैंट करेंगे ताकि आईन्दा के लिये यह पानी फ्रूटस और वैजीटेबल्ज पैदा करने के लिये इस्तेमाल न किया जाये।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने यह नहीं बताा है कि कितनी नगरपालिकाएं इस पानी को अपनी जमीन में वैजीटेबल्ज और फ्रूटस लगाने के लिये इस्तेमाल कर रही हैं और कितनी फारस्टस के लिये इस्तेमाल कर रही हैं ?

श्री रामपाल सिंह कंवरः यह पानी किसी भी म्युनिस्पिल कमेटी ने सफेदे के लिये इस्तेमाल करने के लिये नहीं दिया है लेकिन इस पानी से लोग वैजीटेबल्ज और फ्रूटस न उगायें, बल्कि इससे चारा उगायें, काटन की खेती करें, गेहूं की खेती करें या ऐसी किसी चीज की खेती करें जो नुक्सानदेह साबित न हो, ऐसा हम कोि ा ा करते रहे हैं। जैसे मैंने कहा है, 31 मार्च के बाद जब पिछला आक ान पीरियड खत्म हो जायेगा, तब हम जो अगला आक ान करेंगे, उस समय एग्रीमैंट में यह जरूर डालेंगे कि इस पानी का इस्तेमाल फ्रूटस और वैजलटेबल्ज की खेती के लिये न करें।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, सब्जियां गन्दे पानी में नहीं उगायी जानी चाहियें, ऐसा करना बहुत ज्यादा नुक्सानदेह है। इस बारे में मंत्री जी बतायें उन्हौंने क्या स्टैप्स लिये हैं ?

श्री रामपाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, म्युनिस्पिल कमेटी की जमीन में गन्दा पानी देने के लिये आक ान अभी नहीं हुई है, यह तो पहले की हुई है। मैंने अभी यह अ योर किया है कि आईन्दा हम जो एग्रीमैंट करेंगे, उसमें यह चीज डालने जा रहे हैं कि यह पानी सब्जियों–फलों के लिये प्रयोग न करें। जो व्यक्ति इसकी वायले ान करेगा और इससे फ्रूटस और वैजीटेबल्ज उगायेगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेंगे और उसका एग्रीमैंट कैंसिल किया जायेगा।

वर्श 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now general discussion on the Budget estimaes for the year 1994-95 will be resumed. Sh. Amir Chand Makkar was on his legs when it adjourned. He may resume his speech.

श्री अमीर चन्द मक्कड़ (हांसी): स्पीकर साहब, हमारे वित्त मंत्री गुप्ता जी ने इस हाउस में जो बजट पे ा किया है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। आज प्रदे ा के अंदर विकास कार्य हो रहे हैं। ग्रामीण विकास कार्य चल रहे हैं जब से यह सरकार बनी है, तभी से चारों तरफ विकास के काम चले रहे हैं। गांव में जहां दूसरे विकास के काम हुए हैं, वहां गांवों में स्कूल और अस्पताल भी खुले हैं, और खालें भी बनाई गयी हैं। कहने का मतलब यह है कि ग्रामीण भाईयों की भलाई के लिये जितने काम हुए हैं, उनसे ग्रामीण इलाके के लोगौं को काम भी मिले हैं और उनका भला भी हुआ है। ऐसे काम इस सरकार ने भाुरू किये हैं मुझे यह कहने में कोई दिक्कत नहीं है। ये भाई बडा भाोर करते हैं। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में बांडाहेडी एक गांव है। वहां पर साबिक चीफ मिनिस्टर के बहुत रि तेदार रहते हैं। वहां पर गांव वालों ने 26 कमरे स्कूल के लिए बनाकर दिए जिससे कि वहां पर स्कूल खुल सके। वे दो बार तो चौधरी देवी लाल को स्कूल मंजूर कराने का ऐलान करने के लिए ले गए और एक बार चौधरी ओम प्रका ा चौटाला को ले गए। तीनों बार वहां के लोगों ने लडडू बांट दिए कि स्कूल मंजूर हो गया लेकिन

हालत यह थी कि वहां पर एक क्लास का भी स्कूल मंजूर नहीं हुआ। उसके बाद वहां के लोगों ने मुझे अपना नुमाइन्दा चुना। गांव वालों ने मुझे स्कूल के बारे में बताया तो मैं यहां से श्रीमती भाान्ति राठी को ले गया वे हमारी ि ाक्षा मंत्री थीं। इन्होंने वहां स्कूल मंजूर होने का एलान किया और कहा कि एक हफ्ते के अंदर मास्टर इस स्कूल में आ जाएंगे और इन्होंने वास्तव में ही एक हफ्ते में मास्टर वहां पर भिजवा दिए। वहां के लोगों को हैरानी हुई कि लोग यहां दावा करते थे कि चीफ मिनिस्टर उनके रि तेदार हैं लेकिन उन्हौंने वहां पर एक स्कूल भी मंजूर नहीं किया। स्पीकर साहब, आज वह स्कूल बहुत अच्छी तरह से चल रहा है। स्पीकर साहब, आज हालत यह है कि हर गांव में विकास के कार्य हो रहे हैं। उसी गांव बांडाहेडी में एक एक फुट पानी खडा रहता था। मैंने जब यह हालत देखी तो गांव वालों को कहा कि क्या पिछले चार साल में कोई सरकार नहीं थी जो विकास कार्य करती। आज हालत यह है कि जो विकास के कार्य अधूरे रह गए थे, इस सरकार ने वे सारे विकास कार्य पूरे किए हैं। वहां पर एक भीसर हाजमपुर गांव है जिसमें विकास कार्य अधूरे रह गए थे लेकिन इस सरकार ने आते ही सारे अधूरे काम पूरे किए। इसी तरह से कोठी मंगल खां और उमरा गांव हैं वहां पर काफी विकास कार्य किए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, बजट में बताया गया है कि सिंचाई के क्षेत्र में खालों को पक्का करके पानी की बचत की जा रही है। रजवाहों को पक्का करके भी पानी बचाया जा रहा है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि अलखपुरा माइनर है, उसको चालू

किया जाए। स्पीकर साहब अलखपुरा माइनर पर केवल दो लाख रूपया खर्च करके टेल पर पानी पहुंच सकता है। वहां पर एक डिपैल माइनर है, इसकी टेल को आगे बढाया जाए। हमारे भाई बडा भाोर करते हैं कि पानी देने में इंसाफ नहीं किया जा रहा है। स्पीकर साहब, जब पानी देने का प्रावधान किया गया था तो उस वक्त उन इलाकों के भाईयों ने ही पानी का प्रावधान किया था लेकिन आज वही लोग भाोर मचा रहे हैं कि पानी का बंटवारा एकसा नहीं किया जा रहा है। यह बात ठीक है कि हांसी भी पानी से प्रभावित है और एस0वाई0एल0 के बनने के बाद ही हमारे इलाके में पानी आ पाएगा लेकिन भाोर मचाने से तो कोई फायदा नहीं है। स्पीकर साहब, यहां पर बिजली के बारे में भी काफी भाोर मचाया जा रहा है कि बिजली की कमी है। स्पीकर साहब, हमारी कमेटी भाखडा गई थी। हमारी कमेटी ने वहां सारा इंस्पैक ान किया था। हमने देखा कि भाखडा में पानी का लैवल काफी नीचे चला गया है और वहां पर केवल दो म ीनें ही काम कर रही थीं। अध्यक्ष महोदय, अखबारों में भी यह छपा कि हरियाणा में बिजली की इतनी कमी है कि हरियाणा अन्धेरे में डूब जाएगा। लेकिन हमारी सरकार ने कोि ा ा करके जहां से भी बिजली मिल सकती थी, महंगे भाव पर बिजली खरीदी और आज हालत यह है कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा बिजली यह सरकार दे रही है। (**इस समय सभापतियों की सूची के एक सदस्य श्री वीरेन्द्र सिंह पदासीन हुए।**) यह बहुत अच्छी बात है। चेयरमैन साहब, जहां तक कानून एवं व्यवस्था की बात है, मैं यह कहना चाहता हूं कि जब

से यह सरकार बनी है, हरियाणा के अन्दर पूरी तरह से अमन है। न किसी प्लाट पर कब्जा, न किसी की दुकान पर कब्जा, कहीं भी कोई कब्जा नहीं है। अभी जैसे मदान साहब और सम्पत सिंह जी आपस में प्लाट के सौदे में उलझ रहे थे तो ऐसा लग रहा था जैसे यह विधान सभा न होकर, किसी प्लाट के सौदे की दुकान हो। चेयरमैन साहब, मैं एक बात चौधरी सम्पत सिंह जी को, जो अपोजी ान के नेता हैं, कहना चाहूंगा कि इनके एक पब्लिक जलसे में चौटाला साहब बोल रहे थे कि भजन लाल सरकार ने फलां कब्जा कर लिया। मैं तो यह कहूंगा कि सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के असूलों से और खु ाबू कभी आ नहीं सकती कागज के फूलों से। (ाोर)

श्री राम कुमार कटवालः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, मक्कड़ साहब चौटाला साहब के बारे में क्या कह रहे हैं ? ये सदन में जिस तरह की बातें करते हैं, यह इनको भाोभा नहीं देती। मेरे दिल्लू वाले गांव का लडका .... (ाोर)

श्री सभापतिः कटवाल साहब, बैठिये। यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। यह एक्सपंज कर दें।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः चेयरमैन साहब, तो ये पब्लिक जलसे में बोल रहे थे कि एक किसान ने खडे होकर यह कहा था कि चौटाला साहब, आपकी नजरों से कोई प्लाट बचा हुआ है क्या

? सभी पर आपने कब्जा कर रखा है, आपने कोई प्लाट छोडा ही नहीं है। (ाोर) और आप दूसरों की बातें करते हों (ाोर) यह चेयरमैन साहब, झूठ नहीं है। एक नौजवान ने इनसे पूछा भी था तो इसका इनके पास कोई जवाब नहीं था।

चौधरी ओम प्रका ा बेरीः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि इस समय बजट पर जनरल डिस्क ान हो रही है और मैम्बर साहेबान आपस में आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिये बल्कि सही इ ू पर ही बहस होनी चाहिये क्योंकि आज सारे हरियाणा की जनता की नजरें इस हाउस पर लगी हुई है। ये लोग अगर इस तरह की बातें करेंगे तो हाउस का कीमती समय बरबाद होगा। मेरा कहना यह है कि आपस में आरोप प्रत्यारोप नहीं लगाये जाने चाहिए।

श्री सभापतिः बिल्कुल ठीक बात आपने कही है। करैक्टर असेसीने ान से जितना बचा जाए उतना ही अच्छा है। हाउस में केवल बजट पर ही बोला जाए, यह अच्छी बात है। जो बेरी साहब ने कहा, बिल्कुल सही है। मांगे राम जी ने बडी मेहनत के साथ यह बजट बनाया है और मैम्बर साहेबान कंस्ट्रक्टिव बहस न करके दूसरी बातें कर रहे हैं।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः चेयरमैन साहब, मेरा भी प्वायंट आफ आर्डर है। मैं यह बात इसलिये आपके नोटिस में ला रहा हूं कि जो बात माननीय सदस्य ने कही है, उस क्षेत्र से आप

भी और ये स्वयं भी संबंधित हैं। मुझे यह नहीं समझ में आया कि ये कहना क्या चाहते हैं लेकिन मुख्यमंत्री जहां भी जाते हैं, वह एक सरकारी दौरा ही माना जाता है, बाकायदा दौरे का प्रोग्राम रिकार्ड में होता है। सदस्य भी जानते हैं और आपको भी पता होगा कि ओम प्रका ा मुख्यमंत्री के तौर पर कभी बांडाहेडी गये भी हैं या नहीं। यह पता नहीं चल रहा कि क्या ये बजट की सराहना कर रहे हैं या फिर सरकार को खु ा करके कुछ हासिल करना चाहते हैं या फिर मेरे खिलाफ इलजाम लगाने की उनकी सोच है ? इलजाम लगाने से पहले कम से कम इनको यह सोच कर चलना चाहिये कि किसी के खिलाफ अगर कोई अनर्गल बात कही जाएगी तो वह अच्छा नहीं होगा और उसके परिणाम भी अच्छे नहीं होंगे।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: चेयरमैन साहब, चौटाला साहब, धमकी दे रहे हैं। चौटाला साहब की जब सरकार थी तो इन्होंने दो चार मुकदमे मेरे और मेरे बेटों के खिलाफ बनाकर के देख लिया। इसलिये धमकी देने की काई जरूरत नहीं है। (ाोर) चौटाला साहब जो परिणाम होंगे, वह तो हम भुगतेंगे ही। (ाोर)

श्री सभापति: मक्कड़ साहब, आप इन बातों पर न जाकर, केवल बजट पर ही बोलें।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: ठीक है, चेयरमैन साहब, मैं अब प ाुधन के बारे में अपने विचार रखना चाहता हूं जिसका प्रावधान

बजट में किया गया है। मैं समझता हूं कि सरकार ऐसा करके बहुत अच्छा कर रही है। मैं तो यहां तक कहूंगा कि इस हरियाणा सरकार के कारण ही आज हरियाणा के लोग सारे भारत से अच्छा और सुथरा दूध पीते हैं। 600 ग्राम दूध आज हरियाणा के अन्दर हर व्यक्ति को मिलता है। यह इसलिये कि सरकार प ाुओं की देखरेख बडे अच्छे तरीकै से कर रही है। प ाुओं के रख रखाव के लिये हर बडे गांव में हस्पताल और डिसपैंसरियां खोलने का सरकार प्रावधान कर रही है और कई खोली भी हैं।

इसी तरह से ि ाक्षा के बारे में मैं सरकार से मांग करूंगा। जैसे ि ाक्षा के विस्तार के लिये उन्होंने लडकियों की तकनीकी ि ाखा या बी0ए0 लैवल की ि ाक्षा फ्री की है, यह एक बहुत अच्छा काम किया गया है। लेकिन आज जिस हिसाब से हरियाणा में जन संख्या बढ रही है उसी लिहाज से ि ाक्षा पर पैसा खर्च किया जाए। मेरा निवेदन है कि मेरे हल्के में कालिजों में एम0ए0 की कुछ क्लासें भाुरू की जाएं ताकि हमारे बच्चों को हांसी से हिसार और भिवानी में पढने के लिए न जाना पडे। मेरे हल्के में उमरा गांव में लडकियों का एक मिडल स्कूल है। उसकी पिछली सरकार के समय में हमने कालेज जैसी बिल्डिंग बना दी थी। मेरा निवेदन है कि उस स्कूल को मिडल से हाई किया जाए। इसी तरह से सिलवा गांव के हाई स्कूल को दस जमा दो बना दिया जाए। इसी तरह से मेरे हल्के के कुछ स्कूल प्राइमरी से मिडल किए जाएं। जैसे बांडाहेडी और खरबला का है, इसी तरह

से मेरे हल्के ठठरे में एक बहुत पुराना हाई स्कूल है। उसको भी दस जमा दो किया जाए ताकि बच्चों को पढने के लिए ज्यादा दून न जाना पडे।

पीने के पानी के बारे में सरकार की मं ाा है कि हर व्यक्ति को पीने के लिए पानी पूरी मात्रा में मिले। हमारी सरकार ने कई जगहों पर 110 लिटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी देने का आ वासन दिया है। मैं समझता हूं कि आज गांव के लोगों के लिए पीने के पानी की कमी है। जन संख्या बढ गई है और दो दो तीन तीन गांवों को एक ही स्कीम से पानी दिया जा रहा है। मेरे हल्के के गांव सुल्तानपुर ढाणी में पानी की कमी है। वहा ंपर 5–6 ढाणियों को एक ही वाटर वर्कस से पानी दिया जा रहा है। अगर वहां पर दूसरा वाटर वर्क्स नहीं बनाया जा सकता है तो बूस्टिंग सिस्टम से उनको पानी दिया जाए। इसी तरह से गढी में भी पानी की दिक्कत है। इसी तरह से भाहर में भी पानी की काफी दिक्कत है। मैं समझता हूं कि इस दिक्कत को दूर करने के लिए एक नए वाटर वर्कस की जरूरत है। अभी पीछे हमारे मुख्य मंत्री जी प्रेम नगर गए थे। वहां के लोगों ने इनसे बात की थी कि वहां पर मीठा पानी नहीं है। मैं चाहता हूं कि उसको भी वाटर वर्कस की स्कीम के साथ जोडा जाए। इसके अलावा भाहरों में जो हरिजन बस्तियां हैं उनको भी पीने के पानी देने के लिए कोई सिस्टम बनाया जाए ताकि पीने के पानी की कमी को दूर किया जाए। इसके साथ साथ सीवरेज की बात यहां पर कई बार चलती है। मैं

समझता हूं कि जब से यह काम पब्लिक हैल्थ के पास आया है, तब से सारे भाहरों में इस बारे में काफी ि ाकायत है। मैं हरियाणा सरकार से प्रार्थना करूंगा कि इस महकमे के अफसरान को अच्छी तरह से समझा दें ताकि वे अफसरान लोगों की सेहत के साथ खिलवाड न करें। मेरे हांसी भाहर में सीवरेज सिस्टम बहुत ही खराब हालत में है। हमारे सी0एम0 साहब ने कुछ अफसरान को यहां से भेजा है और वे 7–8 दिन से काम करवा रहे हैं। जब सीवरेज सिस्टम के बारे में ि ाकायत की गई, तब जाकर यहां से अफसरान को भेजा गया है। हमारे सी0एम0 साहब ने इस महकमे के अफसरान को धमकाया, उसके बाद वे काम पर लगे हैं। यदि किसी भी भाहर का सीवरेज सिस्टम खराब हो जाता है तो बीमारी फैलती है। सरकार से प्रार्थना है कि हांसी भाहर के सीवरेज सिस्टम को जल्दी से जल्दी से ठीक कराएं ताकि लोगों की सेहत खराब न हो।

श्री सभापतिः मक्कड़ साहब, आप वाइंड अप करें।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः चेयरमैन साहब, सरकार की तरफ से पढे लिखे ग्रामीण नौजवानों को रोजगार देने की स्कीम है। आज हरियाणा प्रदे ा में बेरोजगारी की समस्या बहुत भयंकर है। हमारे प्रदे ा के पढे लिखे नौजवान नौकरी की तला ा में सडकों पर फिर रहे हैं। इस बारे में मैं सरकार को एक सुझाव दूंगा कि बच्चों को भाुरू से ही तकनिकी ि ाक्षा दी जाए ताकि बच्चे मैट्रिक पास करने के बाद अपनी कोई इंडस्ट्री लगाएं या

कोई और कारोबार करें। उसके लिए सरकार नि चत तौर पर उनकी सहायता भी करे कि जो बेरोजगार बच्चा अपनी कोई इंडस्ट्री लगाए या कोई और कारोबार करे, सबसे पहले उसका माल बिकेगा, बजाय इसके कि वह नौजवान अपना माल कम्पीटी ान में बेचे, उसका माल सबसे पहले बिके। आज सभी पढे लिखे नौजवानों को नौकरी देने का प्रावधान नहीं किया जा सकता। हरियाणा एक छोटा सा प्रान्त है सभी पढे लिखे नौजवानों को नौकरी नहीं दी जा सकती। जब तक बच्चों को भ्रुरू से ही तकनीकी ि ाक्षा देकर अपना रोजगार कमाने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा, तब तक बेरोजगारी की समस्या बढती ही जाएगी, घटेगी नहीं। बच्चों को स्कूलों में एक दूनी दो, दो दूनी चार पढाने की बजाय, भ्रुरू से ही तकनीकी ि ाक्षा देने की तरफ ध्यान दिया जाए ताकि बच्चे अपना रोजगार कमाने के लिए अपने पांवों पर खडे हो सकें।

श्री सभापतिः मक्कड़ साहब, आप वाइंड अप करें। मेरे पास 4–5 मैम्बर्ज के नाम और भी हैं जिन्होंने बोलना है। हमारे वित्त मंत्री जी 12.30 बजे जवाब भली देंगे।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः चेयरमैन साहब, मैं एक दो मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूं। सडकों के बारे में बताया गया है कि सरकार 400 किलोमीटर लम्बी सडकें बनाएगी। इस सरकार के बनने से पहले हरियाणा में सडकों की बहुत बुरी हालत थी। लेकिन इस सरकार के बनने के बाद हरियाणा प्रदे ा में

सडकों की रिपेयर बहुत अच्छी तरह से की गई है। चेयरमैन साहब, जैसे बताया गया है कि हरियाणा प्रदे ा के हर गांव को सडक से जोड दिया गया है। मैं एक बात कहना चाहूंगा कि कुछ ऐसे गांव हैं जिनको सीधा सडके से जोडने पर गांवों की आपस की दूरी बहुत कम हो जाएगी। मेरे हल्के में खरकडा गांव से अनाज मंडी, हांसी तक 5 किलोमीटर लम्बी सडक बननी है, जिसमें से वह सडक 3 किलोमीटर बन चुकी है। केवल दो किलोमीटर का टुकडा रहता है, उसको जल्दी से जल्दी बनाया जाए ताकि उस गांव के लोगों को कोई दिक्कत न हो। इसी तरह से एक सडक सुल्तानपुर से धमाना बनाई जाए ताकि उन गांवों के लोगों को कोई दिक्कत न हो। इन भाब्दौं के साथ चेयरमैन साहब आपका धन्यवाद आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। धन्यवाद।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): चेयरमैन महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट रखा है, उसके लिए मैं इन्हें बधाई देती हूं कि 748 करोड रूपयें का घाटा होते हुए भी कोई नया टेक्स अपने बजट में नहीं लगाया। मैं समझती हूं कि डिवैल्पमैंट के काम करने के लिए यह जरूर था कि कइ बार घाटे का बजट होते हुए भी बिना टैक्स लगाए बजट पे ा करना पडता है, इसलिए यह बहुत बडी बात है। अगर टैक्स लगाया जाता तो उसको असर आम आदमी पर पडता। इन्होंने टैक्स नहीं लगाया इसलिए मैं पुनः इनको इस बात के लिए बधाई देती हूं।

चेयरमैन महोदय, अगर हर डिपार्टमैंट में रोस्टर रजिस्टर मेनटेन कर दिया जाए, इसके बार में एक पौलिसी बना दी जाए कि हर हालत में रोस्टर मैनटेन किया जाए। स्पीकर साहब, ि ाडयूल्ड कास्ट को इग्नोर करने के लिए एडहौक बेसिज पर रिक्रूटमैंट करनी भाुरू कर दी। पिछले दिनों पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर ने बताया कि भाोर्टफल है और हम एस0एस0एस0 बोर्ड का इन्तजार कर रहे हैं। जब उसकी लिस्ट आएगी तो हम भाौर्टफाल पूरा करेंगे। कोई टाईम बाउन्ड पौलिसी बना दी जाए कि इतने समय के अंदर जो भाोर्टफाल है वह पूरी कर दी जायेगी। चेयरमैन महोदय, एक बार ज्वायंट पंजाब में सरदार प्रताप सिंह कैरों ने देखा कि ि ाडयूल्ड कास्टस की भाौर्टुाल पचास परसैंट है तो उन्होंने आदे ा दिए कि भविश्य में पचास परसैंट ि ाडयूल्ड कास्ट की भर्ती होगी और इस तरह से भाोर्टफाल को पूरा किया। चेयरमैन महोदय, यहां पर नारनौल की बात आई। मैं मुख्य मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि आप इस बात की वेरिफिके ान करा लें कि नारनौल में केवल हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के भर्ती के लिए एलान किया गया था। वहां पर पचार हजार लडके चले गए। वहां पर कई ऐक्सीडैंट हुए। दो चार आदमी वहां पर सीरयसली जख्मी हुए लेकिन यह वजह देना कि सूटेबल कैंडीडेटस नहीं थे, यह ठीक नहीं है। चेयरमैन महोदय, सभी डिपार्टमैंटस का यही हाल है। यह तो हुई सर्विसिज की बात। अब मैं दूसरी बात कहना चाहता हूं कि हरिजनों को जो दो लाख रिहाय ाी प्लाट दिए गए थे उन पर तो एक दौर ऐसा आया

कि दूसरे लोगों ने ही कब्जा कर लिया। उनको वे प्लाट मिले ही नहीं और हरिजनों की पापुले ान बढने के बाद जो उनको नए प्लाट दिए जाने थे वे रूक गए। चेयरमैन महोदय, तीस परसैंट प्लाटों पर नाजायज कब्जा है। हर जिले में यही हालत है। मुख्यमंत्री जी आप इस बारे में हर जिले के डिप्टी कमि नर से रिपोर्ट मंगवा लें। चेयरमैन महोदय, सरप्लस जमीन की भी एक कहानी बन गई है। सरदार प्रताप सिंह जब मुख्य मंत्री होते थे तो उस समय मैंने कहा था कि कंसोलिडे ान का सिस्टम गलत है। जब कंसोलिडे ान हो तो सरप्लस जमीन का एक कुर्रा बनाया जाता है। एक कुर्रा अगर बनाया जाए तो उन हरिजन लोगों को एक जगह अलौटमैंट हो सकती है। कहीं दो एकड है, कहीं चार एकड है। अगर वह कब्जा भी ले ले तो कैसे उसको पानी मिलेगा और कैसे रास्ता मिलेगा ? इसलिए सरप्लस की कहानी बिलकुल गलत है। चेयरमैन महोदय,, मेरा एक सवाल था जिसकी सरकार ने ऐक्सटें ान मांगी है। वह सवाल था–

(a) “The districtwise total acreage of surplus land as on 1-11-1966; in the State;

(b) the land out of that as mentioned in part (a) above in the villages of the State together with the details thereof; and

(c) whether the land referred to in part (b) above has been allotted among the persons belonging to Scheduled Castes tenants; if so, the districtwise details thereof ?”

इसमें ऐक्सटैं ान मांग ली है और ऐक्सटैं ान इसलिए मांग ली कि सरकार का खाता ठीक नहीं है। हरिजनों को सरप्लस जमीन देने की बात तो दूर रही आज हालत यह है कि हरिजनों को अपने प ा जगहों पर इनक्रोचमैंट हो रही है। स्पीकर साहब, यह बहुत बडा मामला है और सरकार इस तरफ ध्यान दे और औन दि फलोर आफ दि हाउस यह ऐन् ायोर करे कि कस्टोडियन की जमीन से जो रूरल एरिया में हरिजनों को प्लाट दिए गए हैं। वे उनके मिलें और उन पर नाजायज कब्जा किया हुआ है, वह छुडाया जाए।

चेयरमैन महोदय, अभी तो एक ही डिमांड पर बोला हूं। मेरी दो आईटमज और बाकी है। इसके अलावा, मकान बनाने की बात है। सरकार ने हरिजन कल्याण निगम और हरियाणा हाउसिंग बोर्ड की ओर से 3033 मकान बनाये हैं। उनमें से 1983 तक, केवल 1797 हरिजनों को अलाट हुए हैं और 1236 अलाट होने अभी रहते हैं, खाली पडे हुए हैं और उनकी आखिर में आक ान हुई। इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय यह नोट करें कि केवल 13 लाख 70 हजार रूपये में वे मकान आक ान हुए, जबकि उनके बनाने के ऊपर 7 लाख 70000 रूपये व्यय किया गया। फिर ये कहते हैं कि हरिजनों की तरफ उनका पूरा ध्यान है ? चेयरमैन महोदय,, मैं बताता हूं कि पिछले दिनों हरिजनों की कितनी तरक्की हुई है।। सरकार बताएगी कि पिछले दिनों कितने असिसटैंट एडवोकेट जनरल, डिप्टी एडवोकेट जनरल कितने

ि ाडयूल्ड कास्टज के और कितने बैकवर्ड क्लासिज के लगाये गये हैं ? जो 64 कारपोरे ांज के लीगल एडवाईजर्ज बनाए गए, उनमें से कितने बैकवर्ड क्लासिज के और कितने ि ाडयूल्ड कास्टस बनाए गए ? 18 नायब तहसीलदार प्रोमोट किये गये, उनमें से कितने हरिजन और कितने बैकवर्ड क्लासिज के हैं ? जिस भर्ती का मैंने जिकर किया है उसके बारे में मुख्य मंत्री महोदय स्वयं भी जानते हैं मैं यह कहना चाहता हूं कि आज खेतों के अंदर केवल हरिजन लडके ही तो काम कर रहे हैं वे 6–6 फुट लम्बे कद के तगडे जवान लडके हैं। उनके सिवाये खेतों में और कौन काम करता है ? वही लोग उद्योगों में भी काम करते हैं लेकिन ऐसे नौजवानों को दूसरी जगहों से यानी भर्ती से क्यों इग्नोर किया जा रहा है ? यह सारा काम हरिजनों के कन्धों पर ही तो है। स्पीकर साहब, ये जो इधर बराबर में एस0जे0पी0 के हमारे भाई बैठे हैं, बार बार यह कहते हैं कि सरकार ने हरिजनों के लिये यह कर दिया, वह कर दिया। स्पीकर साहब, जनता जनार्दन है जनता भी ाा है। अच्छे काम ये सरकार करेगी तो लोग भााबासी देंगे। अगर यह गलत रास्ते पर चलेगी तो कल को इन्हीं की जगह पर दूसरी सरकार आ जायेगी। इसलिये सब तरह की रिस्पान्सीबिलिटी सरकार को ओन भी करनी चाहिये। इसलिये सब तरह की रिस्पान्सीबिलिटी सरकार को ओन भी करनी चाहिए। किसी की बात को टालना नहीं चाहिये क्योंकि यह सत्ता पक्षा की डयूटी है। जिसकी गलती हो, उसको सजा दे ताकि आगे से अच्छे काम हो।

कर्ण सिंह दलाल (पलवल): चेयरमैन महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिय, इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। वित्त मंत्री जी ने सदन में जो बजट पे ा किया है, मैं उसके विरोध में खडा हुआ हूं। चेयरमैन महोदय, हम उनको कुछ बातें बताना चाहते हैं कि उनके राज में क्या हालात थे, किस तरह का माहौल था और क्या तरीका था उनके काम करने का। जो बात वे खुद करते थे, वे समझते हैं कि यह सरकार भी वैसे ही करती होगी। अध्यक्ष महोदय, जो इन्सान जैसा होता है वह दूसरों को भी वैसा ही समझता है। यहांपर दूसरी पार्टियां हैं, हरियाणा विकास पार्टी है, जनता दल है, बी0जे0पी0 है, सभी हैं।

चेयरमैन महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य है कि बाकी सभी पार्टियों के माननीय सदस्य यहां हाउस में बैठे हैं। यह बहुत अच्छी बात है। मैं चाहता हूं कि क्रिटिसिजम होना चाहिए लेकिन वह क्रिटिसिजम हैल्दी होना चाहिए। सरकार में यदि कोई कमी है तो उसके बारे में कहना चाहिए और यदि कहीं पर कोई नुक्स हो तो वह बताना चाहिए। उन्होंने अपने इलाके की कोई बात नहीं कही। न उन्होंने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर पे ा हुए धन्यवाद के प्रस्ताव पर बोलते हुए अपने इलाके की कोई बात कही और न बजट पर बोलते हुए कोई बात कही। उनको लोगों ने चुनकर यहां भेजा है। लोगों को उनसे बडी भारी उम्मीद हैं लेकिन उन्होंने अपने इलाके के लोगों की कोई बात यहां नहीं रखी। सिवाय उन्होंने बेबुनियाद और गलत बातें कहने के कोई

दूसरी बात नहीं कही। यदि उनकी कोई बात ठोस होती तो वह समझ में आ सकती थी लेकिन बडे दुःख के साथ कहना पडता है और मैं परम पिता परमात्मा से कहना चाहूंगा कि परमात्मा उनको सदबुद्धि दे नहीं तो उनको आगे के लिए बडी मुि कल हो जाएगी। इस समय जितने चुनकर आए हैं उतने भी नहीं आएंगे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने कुछ बातें कहीं। इन्होंने एक बात तो यह कही कि फाइनैंि ायल कमि नर्ज ओर कमि ानर्ज बहुज ज्याद बैठाए हुए हैं और उनके काम का वितरण ठीक नहीं। उनसे जो काम लिया जाता है उसका बंटवारा ठीक नहीं है। इसके अलावा यह भी कहा कि कुछ अधिकारी ऐसे हैं जिनकी डयूटी यहां भी लगा रखी है और दिल्ली में भी लगा रखी है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि हरियाणा प्रदे ा में 233 आई0ए0एस0 का काडर था जो घट कर 211 रह गया है। हमने भारत सरकार से बातचीत करके आई0ए0एस0 अधिकारियों का काडर कम किया है। अध्यक्ष महोदय, इस समय 211 आई0ए0एस0 अधिकारी हरियाणा प्रदे ा में हैं और 215 आई0ए0एस0 के अधिकारियों में से 40 आई0ए0एस0 अधिकारी सैंटर में आप डैपुटे ान होने चाहिए जबकि केवल 33 हैं। हमने सैंटर गवर्नमैंट से यह कहा कि 7 आई0ए0एस0 अधिकारी और सैंटर में डैपुटे ान पर होने चाहिएं जो कि जरूरी था। हमने 17 आई0ए0एस0 अधिकारियों के नाम भेज भी रखे हैं। ज्यों ही भारत सरकार फैसला करेगी हम उसको अमल करेंगे। जहां तक दोनों जगह एक ही अधिकारी को काम देने का सवाल है। यह बात उस अधिकारी

के काम करने की कैपेसिटी पर डिपैंड करती है। जो भी अधिकारी अपेन काम करने की कैपेसिटी के हिसाब से जितना काम कर सकता है उसके हिसाब से उस अधिकारी को काम दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, दूसरीब ता चौधरी बंसी लाल जी ने कह दी कि एक मेज से दूसरी मेज पर फाईल बगैर पैसे दिए नहीं जाती। मैं इनको बताना चाहता हूं कि यह बात पिछली सरकार के चार साल में हुआ करती थी, कहीं आपको उस सरकार की बात तो याद नहीं आ गई है। आप इस सरकार की एक भी ऐसी कोई ठोस बात बता दें लेकिन कोई बात ऐसे ही हवा में कहने का कोई मतलब नहीं है। यदि आप समुद्र में मधानी चलाओ तो कोइ कात जमती नहीं है। आप हमें एक ही ऐसी बात बता दें कि फलां टेबल पर फलां आफिसर, फलां एम0एल0ए0 फलां मुत्री या मुख्यमंत्री ने किसी काम के लिए किसी से पैसे लिए हों तो हम मान जाएंगे और बात समझ में आ जाएगी लेकिन आप वह बात कहें जो बात मानने वाली हो। आपको पिछली सरकार की बातें याद आ गई होंगी। यह बात हमारी समझ में आ सकती है लेकिन इस सरकार के समय में ऐसे गलत काम नहीं होते। अध्यक्ष महोदय, एक बात चौधरी बंसी लाल जी ने ला एण्ड आर्डर के बारे में कह दी कि हरियाणा में ला एण्ड आर्डर की स्थिति ठीक नहीं है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि ला एण्ड आर्डर जितना भाानदार आज हरियाणा प्रदे ा का है उतना भाानदारी किसी भी प्रदे ा का नहीं है। मैं पंजाब के बारे में बता देता हूं। मैं पंजाब के मुख्य मंत्री, पंजाब के एडमिनिस्ट्रे ान और खास करके के0पी0एस0 गिल को

मुबारिकवाद देता हूं कि उन्होंने आज पंजाब के हालत बहुत बेहतर किए हैं और पंजाब के माहौल को ठीक किया है। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि उन्होंने बहुत बहादुरी और मजबूती के साथ पंजाब के 10 साल से जो हालात बिगडे हुएथे उनको ठीक किया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि अगर पडोसी के घर में आग लगी हो तो उसकी गर्म हवा पडोस के घर में भी जरूर आएगी। लेकिन कितनी भयंकर आग थी उस आग से भी हमारे एडमिनिस्ट्रे ान ने, हमारी पुलिस फोर्स ने सबको बचा कर रखा। इसके लिए हमारी फोर्स भी बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, यू0पी0 और उससे आगे भी कोई ऐसा प्रदे ा नहीं है जहां पर उग्रवादियों ने ज्यादा से ज्यादा वारदात न की हो।

चेयरमैन महोदय, मेरे जिले में लगा रखा था आपको भी याद होगा और मैं उस समय भी बहुत तारीफ किया करता था कि इससे बढिया कोई आदमी नहीं है। ये भी बडी तारीफ किया करते थे। पता नहीं इनकी थोडी से कोई नाराजगी हो जाये तो उसका ये पूरा ईलाज करते हैं। (विघ्न) मैं भी कहता था कि बढिया आदमी हैं, मैंने कभी बुरा नहीं कहा। मेरे जिले में लगा हुआ था। अगर ये बुरे होते तो वह दोनों के लिए एक ही बात हुआ करती थी। (हंसी) फिर उनको वहां रखते कैसे, अगर बुरे होते ? मेरे कहने का मतलब यह है कि मैंने कभी बुरा नहीं कहा। (विघ्न) सारी ऐडमिनिस्ट्रे ान और सारी पुलिस फोर्स का पूरा फेथ डी0जी0पी0 पर है और अगर फेथ न हो तो कोई कैसे कमान्ड कर

सकता है और अगर कमांड ठीक नहीं हो तो प्रदे ा में कैसे अमन हो सकता है ? इन्होंने बहुत भाानदार कमांड की है। हमारी सारी पुलिस फोर्स बडी भाानदार है।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी एक बात दोहरा देते हैं कि पुलिस की ऐसोसिए ान बननी चाहिए। मेहरबानी करके कभी तो इस बात को भूलो और अपने जमाने को भी याद करो।

चेयरमैन महोदय, एक बात इन्होंने फरीदाबाद की माईन्ज में लीकेज के बारे में कही है। इस बारे में मैं इनको बताना चाहता हूं कि यदि वहां पर कोई लीकेज है और किसी का कसूर है तो हम उसको पूरा चैक करेंगे और सख्ती करेंगे तथा दोशी के खिलाफ एक ान लेंगे।

चेयरमैन महोदय, हमने यह पैसा मांगा है। पुलिस फोर्स को पूरी जीपें हथियार और दूसरा सामान दिया हुआ है ताकि वे अपने काम में किसी तरह की कमी न आने दें और काम में कोई कोताही न होने दें। पुलिस का मनोबल हम किसी भी तरह से कम नहीं होने देना चाहते। इन्होंने नीमड़ी गांव और रिवासा गांव का जिक्र किया। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि रिवासा गांव में लडकी के साथ बलात्कार के संबंध में मुकद्दमा नंबर 46 दिनांक 15–2–1993 जेरे दफा 376 दर्ज हो चुका है। नरे ा, पुत्र उग्रसेन राजपूत को सुनीता, पुत्री चन्द्र भान धाणक, उम्र 12 साल

के साथ बलात्कार करने पर तिथि 17—2—1993 को गिरफतार किया जा चुका है।

चेयरमैन महोदय, आप भी काबिल और पढे लिखे हैं और भाई अमर सिंह भी वकील हैं। यह टाईम बाउंड प्रोग्राम कैसे हो सकता है ? यह प्रोग्राम रोज थोडे ही चलता है ? इत्तफाक से कोई वाकया हो जाए, उसके ऊपर ऐक ान लेने की बात है। (विघ्न) ऐक ान लेने में सरकार किसी तरह की डिले नहीं करती, कार्यवाही तो बाद में ही होगी। बाकायदा डाक्टरी मुआयना करवाया जाता है, फिर उसकी ऐप्लीके ान होती है कि इस लडकी के साथ कहां तक कौन सी बात हुई है।

चेयरमैन महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी को यह बताना चाहूंगा कि दफा 376 के केस में डायरैक्ट मैडीकल नहीं होता। पहले पुलिस रिपोर्ट लिखती है, फिर पुलिस उसको मैडीकल के लिए लेकर जाती है। एम0एल0ए0 की इन्टरफियरेंस से यह पर्चा दर्ज हुआ।

चेयरमैन महोदय, आप उनके साथ हैं या मैं उनके साथ हूं, यह कोई कहने वाली बात नहीं है। (विघ्न) ठीक है, कल बता देंगें कि उन्होंने क्या कहा है ? अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि हमारे समय में उस हवलदार की मौत नहीं हुई। हमारे समय में तो उसके लडकी की नौकरी लगी है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा, इन्होंने ला एण्ड आर्डर के बारे में कहा। इसके बारे में तो

गुप्ता जी बता चुके हैं। इसी तरह से राम रतन जी ने नहरों के बारे में कहा। इसी तरह से नारनौल में अनाज मंडी की बात है।

चेयरमैन महोदय, ठीक है, यह भी अभी बता देंगे। इसके अलावा, राम बिलास भार्मा जी ने पुलिस के बारे में कहा कि पुलिस का मनोबल नीचा नहीं होना चाहिए। मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमने हमे ाा पुलिस का मनोबल ऊंचा रखा है। अगर पुलिस के खिलाफ कहीं पर कार्यवाही कर दी गयी है तो हम उसका पता लगायेंगे। इसी तरह से इन्होंने नगरपालिका के बारे में जिक्र किया कि यमुना नगर और रोहतक में यह हो रहा है, वह हो रहा है। यह बात तो ये भी जानते हैं कि यह प्रजातंत्र है, जिसका बहुमत होगा और जिसको लोग चाहेंगे, वही रहेंगा। अगर बहुमत नहीं होगा तो हटना ही पडेगा। सरकार कोई भी गलत काम नहीं करती जिससे आपकी पार्टी को कोई ि ाकायत हो। इसके अलावा, इन्होंने कहा कि यह गांव उस ब्लाक में कर दिया, उस तहसील में कर दिया, लेकिन मैं इनको बताना चाहता हूं कि हम भी यही चाहते हैं कि तहसील और डिस्ट्रिक्ट एक ही होना चाहिए। इसके लिए अब फैसला भी हो चुका है लेकिन फिर भी इनको कहीं पर ऐसी ि ाकायत है तो हमें यह लिख कर दे दें, हम ठीक करा देंगे। (विघ्न)

चेयरमैन महोदय,, मुख्य मंत्री जी अभी फरमाया कि लोग जिसै चाहते हैं और जो बहुमत में है, वही रहेगा लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि इनके एम0एल0ए0 और मंत्री ही उनके काम

को ठीक तरह से नहीं चलने दे रहे हैं। जैसे मैंने अम्बाला छावनी का जिक्र किया, अम्बाला सिटी का जिक्र किया, वहां की नगरपालिका में कांग्रेस के प्रधान हैं और हमारी पार्टी के उप प्रधान हैं। वहां पर भी ये लोग उसकी प्रोसिडिंग को चलने नहीं दे रहे हैं।

चेयरमैन महोदय, सरदार भगत सिंह ने जो लाठियां खाईं थीं, या लाला लाजपत राय ने लाठिया खाईं थीं, वे दे । की आजादी के लिए खाईं थी। स्पीकर साहब, अमर सिंह ने हरिजनों का बैकलोग पूरा करने के लिए कहा है। मैं इन्हें कहना चाहता हूं कि हम जल्दी से जल्दी बैकलोग पूरा करेंगे। एक बात इन्होंने प्लाटों के बारे में कही। हम इस बारे में दुबारा सर्वे करवा रहे हैं और जिनको प्लाट नहीं मिले हैं, उनको प्लाट देंगे। स्पीकर साहब, पास बुक की बात इन्होंने कही। एग्रीकल्चर पालिसी पर दिल्ली में मीटिंग हुई थी। श्री हरपाल सिंह ने वहां पर बहुत जोरदार भाब्दों में इस बात की वकालत की। स्पीकर साहब, जब मैं सैंटर में ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर था तो उस वक्त मैंने यह बात चलाई थी और उस समय एक कमेटी बनाई गई थी उस कमेटी के तीन मैम्बर थे। एक मैं था, एक प्राईम मिनिस्टर और तीसरे फाईनैंस मिनिस्टर थे। फसल बीमा योजना के बारे में भी प्राईम मिनिस्टर ने अपनी स्पीच में जिक्र किया और कहा कि चौधरी भजनलाल के समय यह स्कीम चालू की गई थी। हमने इसके लिए जिले को यूनिट नहीं माना, ब्लौक को भी यूनिट नहीं माना। मैंने

कहा था कि गांव यूनिट होना चाहिए। पासबुक का भी वहां पर जिक्र आया था। उस पास बुक में जमीनों का ब्यौरा होना चाहिए। उसमें जमीनों के खरीदने बेचने, कर्जा लेने और कर्जा उतारने आदि का जिक्र होगा ताकि लोगों को बार बार पटवार के दरवाजे पर न जाना पड़े। आपने मुझे बोलने का समय दिया। आपका धन्यवाद।

डा0 राम प्रका ा (थानेसर): चेयरमैन साहब, हरियाणा के बजट वर्श 1994–95 पर बहस चल रही है। केन्द्रीय सरकार ने माननीय नरसिम्हा राव के नेतृत्व में आर्थिक ढांचे को दुरूस्त बनाने के लिए कुद कदम उठाए। उनका ध्यान गया है उन संस्थानों की तरफ जो घाटे में चल रही हैं। बहुत सारी बातों के संबंध में हमारे माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब देते हुए उनकी तसल्ली करवाने की पूरी पूरी कोि ा ा की है। आज सिर्फ इस बजट में अलग अलग विभागों की मांगें 1 से 25 तक को पास करवाने के लिए सभी माननीय सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया। आज जो चर्चा हुई है, उनमें काफी बातों का मुख्य मंत्री महोदय ने खुल कर जवाब देते हुए सभी की तसल्ली करवाने की कोि ा ा की है। लेकिन इनके साथ साथ मैं इस सदन में एक वि वास दिलाऊंगा कि जब से हमारी कांग्रेस सरकार हरियाणा में बनी है, उसके बनने के बाद हरियाणा के हर व्यक्ति को राहत महसूस होने लगी है। हर व्यक्ति आजादी और सुख का सांस लेने लगा है। चाहे ला एण्ड आर्डर का मसला हो, चाहे प्रदे ा के विकास का

मसला हो, चाहे टैक्स का मसला हो, वैसे हमने कोई नया टैक्स तो लगाया ही नहीं बल्कि घटाया ही है। इन सब बातों को देख कर हर व्यक्ति खु ा है। विकास के काम चारों ओर हो रहे हैं। इसलिए हर विधायक, चाहे वह पक्ष का है, चाहे विपक्ष का है, ये सभी अपने अपने हल्कों से संबंधित हैं चाहे कोई विकास का मसला है, चाहे माईनर्ज का मसला हो, चाहे हस्पतालों का मसला हो, सभी खुलकर यहां पर कह रहे हैं और कहेंगे क्येांकि उनकोइस सरकार के राजय में विकास कर्य होते दिखायी दे रहे हैं आज विपक्षी सदस्य भी स्कूलों को अपग्रेड कने की बात बात यहां पर कह रहे हैं, क्योंकि उनको पता है कि इस सरकार से इन्हें इंसाफ अव य मिलेगा और स्कूल्ज भी अपग्रेड होंगे। सामने वाली पार्टी की पहली वाली सरकार से और न ही विकास पार्टी के नेता जो बैठे हैं, इन लोगों की सरकार से लोग स्कूलों को अपग्रेड नहीं करवा सके। आज विकास के जितने कार्य हो रहे हैं, यह सब इसी मौजूदा सरकार की ही देन है। आज सारे प्रदे ा के लोग इसी कारण से इस सरकार से खु ा हैं हम यह वि वास दिलाते हैं कि सभी हल्कों में, चाहे किसी विपक्षी विधायक का हल्का हो, सभी में बराबर के तरक्की के काम करवाए जाएंगे और करवाए भी जा रहे हैं। यह सरकार किसी से भेदभाव नहीं करेगी। अध्यक्ष महोदय, स्कूल्ज अप ग्रेडे ान का मसला हो, माईनर्ज का मसला हो, हस्पतालों का मसला हो, हमारी सरकार इस मामले में किसी के साथ भेदभाव नहीं बरतेगी। कल भी मैंने कहा था और आज भी कह रहा हूं और यह मानना भी होगा कि स्टेट के पास

जितने अपने साधन हैं, उन्हीं के अनुसार धीरे धीर हर हल्के में विकास कार्य होते रहेंगे। अध्यक्ष महोद, कई भाईयों ने एस0वाई0एल0 नहर बनाने व उसका पानी हरियाणा तक पहुंचाने की बात भी कह दी और साथ में 20 करोड रूपए का भी जिक्र कर दिया। हमारी सरकार ने आते ही यह वि वास दिलाया था कि हम एस0वाई0एल0 नहर का पानी हरियाणा के खेतों में पहुंचाएंगे जिसके लिए हम कृत संकल्प भी हैं। इनकी सरकार काफी देर तक रही, ये एस0वाई0एल0 का पानी नहीं ला सके लेकिन हमारी सरकार अपनी निर्धारित अवधि तक, इस एस0वाई0एल0 का पानी किसानों को लाकर देगी।

अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने कहा कि कोआप्रेटिव सोसायटी बनाकर जमीन लेना कोई पाप नहीं है। स्पीकर साहब, अब मैं प्राईवेट कोलोनाईजे ान का जो बखेडा सरकार ने भुरू कर रखा है उस बोर में कहना चाहूंगा। पिछले दिनों हांसी की जमीन कौडियों के भाव की जिसको लोग लेने के लिये तैयार नहीं थे, 7–7 लाख रूपये पर एकड के हिसाब से बिकी। उस पर प्राईवेट कालोनाइजर्ज ने कोलोनीज बनानी भुरू कर दी। अगर इस तरह से किसानों की जमीनें हडपने की कोि ा ा की गयी तो फिर अनाज कहां पर पैदा होगा अनाज तो फिर छतों पर पैदा होगा। जमीन नहीं मिलेगी। अगर इस पर रोक लगेगी तो इससे किसानों की इन्कम भी बढेगी। इसलिये मेरा एक सुझाव है, जैसा कि चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि यह काम

सरकार को हुडडा और हाऊसिंग बोर्ड जैसे सरकारी विभागों द्वारा करवाना चाहिये ताकि उन पर हर प्रकार से चैक एण्ड बेलैसिंज भी रहे। हर तरह से उनके ऊपर निगरानी भी रहे। गलत काम करने पर उनकी जवाबदेही भी की जा सके अगर निगरानी नहीं होगी तो जो कोलोनाइजर हैं वह पैसा देकर के बच जाएगा। चाहे वह पांच हजार रूपये गज या 10 हजार रूपये गज के हिसाब से जमीन बेचे उसको कोई पूछने वाला नहीं। इसलिये सरकार को यह काम अपने लैवल पर हुडडा व हाऊसिंग बोर्ड की ही होनी चाहिये। प्राईवेट कोलोनाइजर्ज से यह काम सरकार को अपने हाथ में ले लेना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय, यह सब कुछ हाउस के रिकार्ड पर है। मेरे पास कापी है उसकी। कोई कच्ची बात नहीं है। यह सदन है। सदन में जो कहूंगा बिल्क ुल ईमानदारी से और सच्चाई से कहूंगा। नहीं तो मेरे खिलाफ प्रिविलिज मो ान ला सकते हैं कोई दिक्कत नहीं है। स्पीकर साहब, मैं तो रिकार्ड की बात कह रहा हूं। दे ा और प्रदे ा की जनता को पता है। मेरे पास कापी हैं मैं उसको लाकर दिखा दूंगा। वह रिकार्ड में है। स्पीकर साहब, उस रिकार्ड को निकलवाकर देख लेंगे। यह आप लोगों की स्पीच है। स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण बनाने की कोि ा ा की कि कानून नाम की चीज इस प्रदे ा में कोई नहीं रही। रात को किसी की बहू, बहन और बेटी निकल नहीं सकती थी। फिर मण्डल कमी ान पर किस तरह का वातावरण सरकार ने बनाने की

कोि ाश की और बसें जलाई गईं। राम बिलास भार्मा ने कल बिल्कुल ठीक कहा। कई इल्जाम उन्होंने सही लगाए। उन्होंने जो कुछ कहा वह ठीक कहा, कोई गलत नहीं कहा। स्पीकर साहब, बनारसी दास पर हमला हुआ। मैं मिलने गया, मेरी गाडी जला दी। स्पीकर साहब, मुझे कोई दुख नहीं आया क्योंकि यह काम सरकार करवा रही थी। कितनी बसें जलाई गईं, कितनी बिल्डिंग्ज जलाई गईं और कितने सरकार मकान जलाए गए कि गिनती नहीं की जा सकती। सरकारी प्रौपर्टी और दूसरे लोगों का बहुत नुकसान हुआ और जो नुक्सान हुआ वह आपके सामने है। जब रक्षक ही भक्षक हो जाए तो वह दे ा और प्रदे ा कैसे चलेगा ? स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण इन लोगों ने बनाकर खडा किया। इन लोगों ने इस प्रदे ा का माहौल इतना बिगाडा कि कुछ कहा नहीं जा सकता। स्पीकर साहब, इस प्रदे ा का नाम सारे संसार में ऊंचा था। हरियाणा प्रदे ा की लोग मिसाल देते थे। इन्होंने इस प्रदे ा का नाम इतना बदनाम करके रख दिया जिसका कोई अन्त नहीं और इसका नतीजा इस प्रदे ा के लोगों ने इनको दे दिया। स्पीकर साहब, इनका राज पूरे चार साल भी नहीं रहा। क्या यह बिजली इन्होंने चालू की है ? यह बिजली तो हमारी देन है। वह तो आप अपने नेता से पूछना। आप चौधरी देवी लाल और ओम प्रका ा चौटाला या सम्पत सिंह से पूछ लेना वे बताएंग आपको। जहां तक हमारे जमीन देने का ताल्लुक है मैंने उनको भाुरू में 25–26 एकड जमीन दी थी। वे एक आश्रम बनाने जा रहे थे। संस्था के लिए कोई ऐसे महानुभाव जमीन मांगे जो दे ा में

जनता पार्टी के अध्यक्ष भी रहे हों और एम0पी0 भी रहे हों तो कैसे इन्कार किया जा सकता है। वे बहुत अच्छे इन्सान हैं देवी लाल की तरह से घटिया नहीं हैं और न वे ओम प्रका ा चौटाला की तरह घटिया हैं। मैं उनकी इस बात के लिए तारीफ करता हूं कि उनमें कुछ सिद्धांत हैं, इखलाक हैं। उन्होंने अपनी मां के नाम से आश्रम बनाने के लिए जमीन मांगी थी। मां के नाम से कोई आश्रम बनाए, संस्था के लिए बनाए, और मुख्य मंत्री उसको जगह न दे तो यह अच्छी बात नहीं है।

स्पीकर सर, यह कोई खबर अखबार में छपी है लेकिन मैं इस खबर को पढ नहीं पाया। इस बारे में बडी भारी डिस्क ान भी हुई है और मंत्री जी ने इसको जस्टिफाई भी किया है। अंडर बाईलाज यह ठीक हो सकता है; हो सकता है कि मंत्री जी जस्टिफाईड हों, लेकिन मंत्री हों, चाहे एम0एल0एज0 वे चाहे सत्ता पक्ष के हों, चाहे विपक्ष के हों इनको इस प्रकार के कण्ट्रोवर्ि ायल मामले में आना वाजिब नहीं है। (विघ्न) स्पीकर साहब, हरियाणा प्रान्त में तकरीबन हर भाहर में हुडडा के बेहतरीन से बेहतरीन प्लाट कटे हुए हैं। मुख्य मंत्री जी अपने डिस्क्रि ानरी कोटे से हर व्यक्ति को एम0एल0ए0 को और किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को बडी आसानी से प्लाट दे सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति को प्लाट की दिक्कत है चाहे वह मंत्री है चाहे वह एम0एल0ए0 है अफसर है या जनता का कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति है इनके लिए तो बडी डिस्क्री ानरी रेंज है मुख्य मंत्री जी के पास आपसे मेरी गुजारि ा

है कि अच्छी रिवायत कायम करने के लिए जो भी धंधा इन भाईयों ने भुरू किया है, उसको वे ड्राप कर दें। अगर इनको प्लाटों की जरूरत है तो मुख्य मंत्री जी अपने डी0क्यू0 में से प्लाट अलाट कर सकते हैं। अगर इस तरह की कोई गलत रिवायत कायम की र्ग तो उसका असर जनता पर बहुत बुरा पडेगा। किसी भी मिनिस्टर या एम0एल0ए0 को इस प्रकार का धंधा नहीं करना चाहिए। चाहे वह कानूनी तौर पर ठीक और जायज ही क्यों न हो, यह मेरी सबमि ान है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इन्होंने जो अपने जवाब में कहा है कि पलवल कैम्प और कालोनी में जांच करवाई है और वहां पर किसी भी सीवरेज पाइप और वाटर पाईप का टूटा हुआ नहीं पाया गया। आगे चलकर ये स्वयं मानते हैं कि पलवल के एक एरिये में सीवरेज पाईप टूटने की वजह से 72 केस डिटैक्ट किए हैं। अध्यक्ष महोदय, जब से मैं इस हाउस में आया हूं और जितनी बार भी यह सदन बैठा है, हर बार मैंने यह प्र न उठाया है लेकिन इतनी बार यह मामला उठाने के बावजूद भी इन्हौंने यह बात सोचने की जरूरत नहीं समझी कि कहां पर सिवरेज पाइप टूटी हुई है और कहां पर क्या हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, लोगों को बीमारियों की वजह से हास्पीटल जाना पडता हे। लेकिन उनको वहां दवाईयां नहीं मिलती हैं और न ही डाक्टर समय पर मिलता है। लोगों को मजबूर होकर प्राईवेट हास्पीटलज में जाना पडता है। अध्यक्ष

महोदय, पीलिया एक ऐसी बीमारी है जिसके लिए लोग देसी नुस्का ही पसंद करते हैं। सरकार के नोटिस में भी आया है कि पलवल में जो पीने का पानी है उसके सैंपल लिए थे और वह पानी आदमियों के पीने के लिए अनफिट घोशित किया गया था। जिस समय श्री बीरेन्द्र सिंह जी पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर थे उस समय उन्होंने कहा था कि यह पानी आदमियों के पीने के लिए खराब है और पेट और दांतों के लिए हानिकारक है। इन सब बातों के बावजूद भी आज तक इस बारे में कुछ नहीं हुआ है।

जहां तक मंत्री जी का यह कहना कि पलवल के पानी में गडबडी नहीं है, यह सही नहीं है। स्पीकर साहब, मेरा आपसे अनुरोध है कि मंत्री जी इस बारे में बतायें कि पीने के पानी में जो खराबी है उसके लिए क्या पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर ठीक बात कह रहे हैं या इनका महकमा ठीक बात कह रहा है ?

प्रो0 राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): उपाध्यक्ष महोदय, श्री मांगे राम गुप्ता जी ने जो बजट सदन में रखा है, मैं उस पर बोलने के लिए खडा हुआ हूं। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।) जिस तरह का बजट रखा है, अध्यक्ष इसमें कोई दि ाा नहीं है, इसमें कोई संकल्प नहीं है। इसमें कोई इच्छा भाक्ति भी नहीं है। स्पीकर कर, एक समस्या हरियाणा में बहुत देर से चल रही है और उस समस्या का जिक्र आज भी सदन में कई बार आया है। अध्यक्ष महोदय इनको भलीभांति यह पता होगा कि यह लाईन म्यूनिसिपल कमेटी की नहीं थी बल्कि यह 72 प्राईवेट लोगों की

थी जिन्होंने यह पाईप लाईन डाली थी। यह पाईप जंग लगने के कारण खराब हो गयी थी और इसी वजह से हमने उनके कनैक्शन काट दिये थे। ऐसी कोई मिसाल नहीं है कि सिवरेज की लाईन टूट कर पीने के पानी में मिल गयी हो। हमारे पास इस प्रकार की कोई रिपोर्ट नहीं है। स्पीकर साहब मेरे पास पिछले एक साल की रिपोर्ट है। उनको कोई भी जौंडिस की रिपोर्ट जनवरी 92 से लेकर फरवीर 93 तक नहीं मिली। कोई भी बीमारी जौंडिस डाईरिया नहीं हुआ, किस भी आदमी की डैथ नहीं हुई। इसके साथ ही एक बात और मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि आज से सिर्फ पांच दिन पहले ऐक्सियन पब्लिक हैल्थ, एस0डी0ओ0 पब्लिक हैल्थ, जे0ई0 पब्लिक हैल्थ ओर म्यूनिसिपल कमेटी का मैकेनिक इनसे मिले थे और इनसे पूछा था कि आपको जहां जहां पर भी यह खतरा हो कि गंदा पानी मिक्स हो रहा है तो आप हमें बतायें। हम उसको ठीक कर देंगे। लेकिन यह कोई भी प्वायंट ऐसी डिटैक्ट नहीं कर पाये जिससे यह कहा जा सके कि पानी में मिलावट है या मिक्सिंग हो रही है।

अध्यक्ष महोदय, मुझे बेहद अफसोस है कि हमारे माननीय मंत्री जी इतनी गैर जिम्मेदाराना बात सदन के सामने कह रहे हैं। यह बात ठीक है कि इनके अधिकारी मुझसे मिले थे। मैंने उनसे कहा था कि एक पाईप तो रेलवे रोड के ऊपर नाले पर टूटा हुआ है। मैंने उनसे कहा था कि आप वहां पर चले जाइये और देखिये कि रेलवे रोड पर म्युनिसिपल कमेटी का जो नाला है

उसमें पाईप टूटा हुआ है और उसमें से पानी निकल रहा है ? इसके साथ ही मैंने उनसे बस स्टैंड के पास तुहीरामा कालोनी में जहां से म्युनिसिपल कमेटी का नाला गुजर रहा है के बारे में कहा और बताया कि वहां पीने के पानी का पाईप टूटा हुआ है। इसी तरह से मैंने उनको न्यू कालोनी के सिवरेज के बारे में बताया था कि कालोनी के सिवरेज का आज तक काई डिसपोजल नहीं है। मैंने उन अधिकारियों से पूछा था कि श्रीमान जी, आप यह बतायें कि आपने जो सिवरेज के कनैक ान दिये हुए हैं इनमें कहां कहां से पानी निकल रहा है लेकिन उनके पास इस बात का कोई जवाब नहीं था। इसलिए यह इस बात का प्रमाण है कि वह पानी बाहर न निकल कर वहीं पर धरती में घूस जाता है और बीच में जहां से पीने का पानी गुजर रहा है उनमें मिक्स हो जाता है। और मिक्स होकर यह पानी आगे चला जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं पलवल के बारे में यह बात दावे से कह सकता हूं। साथ ही आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध भी करना चाहता हूं कि सरकार अगर पीने की सुविधा भी लोगों के लिए नहीं कर सकी तो इस सरकार को रहने का कोई हक नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि सरकार पीने के पानी की कब तक सैम्पलिंग करायेगी और क्या यह पानी हयूमन कंजम्प ान के लिए फिट भी है या नहीं ? अध्यक्ष महोदय, अब तक इनके अधिकारी जो सैम्पलिंग करते हैं वह टंकी से सैंम्पलिंग करते हैं लेकिन मैं आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं कि लोगों

के घरों में जो टैप्स लगे हुए हैं उनमें से पानी लेकर सैम्पलिंग करवायी जाये। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि कब तक पीने के पानी की सैम्पलिंग हो जाएगी और कब तक खराब पानी को ठीक कर दिया जाएगा ?

अध्यक्ष महोदय, एक कमेटी अंडर चेयरमैन ि ाप आफ दी डिप्टी कमि नार बनी हुई है। आज तक किसी भी भाई की तरफ से यह कम्पलैंट नहीं आयी कि पीने के पानी में मिक्सिंग हो रही है। (विघ्न) आप लोग मेरी अर्ज तो सुनिये। इन्होंने जनवरी 92 में भी ऐतराज किया था लेकिन वह भी प्राईवेट पाईप थी म्यूनिसिपल कमेटी का पाईप नहीं था। उस प्राइवेट पाईप को जंग लग गया था और वह खत्म हो गया था इसलिए हमें वह पाईप काटना पडा। इसके अलावा हम तो इसको टैस्ट भी करते रहतें हैं ? गर्मियों में तो हम दो बार टैस्ट करते हैं। एक बार तो हमने कालोनी के पानी का टैस्ट लिया है और उसके थोडे दिनों बाद कैम्प से टैस्ट के लिए पानी लिया है ताकि उसमें कोई प्रोब्लम न हो, किसी बीमारी का खदसा न हो। मेरे पास सारी रिपोर्ट है। आज तक कोई भी रिपोर्ट ओफिसर्ज की नजर में नहीं आयी है जिसमें कोई बीमारी हो। सारी टैंस्टिंग रिपोर्टस और पानी की रिपोर्ट हमारे पास है। वहां पर पानी पीने के काबिल है ऐसी कोई बात नहीं है कि पानी पीने के काबिल न हो। नंबर दो जो यह कह रहे थे कि ग्रेन मार्किट के साथ की जगह पर पाईप टूटा हुआ है यह बात ठीक नहीं है। वहां पाईप नहीं टूटा हुआ है बल्कि नाली

टूटी हुई है। इसके बावजूद भी कि गंदे पानी की कोई मिक्सिंग न हो, इसके लिए हम समय समय पर पडताल कराते रहते हैं। मेरे पास कल लेटैस्ट पोजी ान आई है उसके हिसाब से अब्बल तो कोई कंप्लेट नहीं है उसके बावजूद यदि कोई कंप्लेट इनके नोटिस में है तो उसे ठीक करा दिया जाएगा। (Noise & Interruptions).

अध्यक्ष महोदय,, बात यह है कि कल हाउस में बोलते हुए श्री अमर सिंह ने पंडित नेहरू की एक किताब का हवाला दिया था और उसने कुछ अं ा कोट कर दिए। चेयरमैन साहब, जहां तक चमारों की बिरादरी का ताल्लुक है इन्होंने तो जाटों के साथ मिल कर लडाई लडीं, दे ा के नौजवानों के साथ मिलकर लडाई लडीं। चमारेां की बिरादरी ने तो अपने दम पर लडाई लडी है। डा0 अम्बेडकर का जो मि ान पूरा किया है, वह चमार बिरादरी ने पूरा किया है। (ाोर एवं व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं कल यह बात कह रहा था कि इन्होंने चार साल में क्या क्या कियाथा। 17 जून 1987 को हरियाणा में चुनाव हुए। अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि कल चौधरी भोर सिंह ने डिप्टी स्पीकर साहब के पास चिट भेजी कि आप स्पीकर साहब के दफतर में चले जाओ ताकि आप चेयरमैन बन जाएं और इस बारे में श्री भोर सिंह ने श्री लहरी सिंह को डिकटेट किया और वे उसी तरह बोले जैसे ये सारे पंडित नेहरू की वजह से बैठे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय,, बात यह है कि इन्होंने श्री नरसिम्हा राव और पंडित नेहरू के पत्र का हवाला दिया और इसका मेन स्ट्रेस यह था कि ि ाडयूल्ड का स्टस की जो बीस परसैंट रिजर्वे ान है, उनमें चमारों को इम्पोरैंटस दी जाती है। इनके अलावा जो बाल्मिकी हैं उनको अहमियत नीं दी जाती। आप सभी ि ाडयूल्ड कास्टस के बारे में तो कह सकते हैं कि उनके साथ डिस्क्रिमिने ान हो रही है लेकिन ये तो चमारों पर ऐलीगे ान लगा रहे हैं that is not correct. I was neither oppositie the letter of Pt. Jawahar Lal Nehru because he had said so many things and we honour that one nor of Narasimharao. His objection was that the Chamar was given importance whereas I have objected it and still I object that and always he is talking in such a sense कि चमारों के खिलाफ थे। यह तो मैं अब भी कहता हूं कि चेयरमैन साहब, ये हर बार चमारों के विरूद्ध बातें करते रहते हैं जो उचित नहीं है। कम से कम सदन में इन्हें ऐसी बातें नहीं करनी चाहिये। इनको कम से कम चमारों के इतना खिलाफ नहीं होना चाहिए था ये टोटली ि ाडयूल्ड कास्टस की खिलाफत करते हैं। (ाोर)

अध्यक्ष महोदय,, हमारे दे ा प्रदे ा की बदकिस्मती है। मैं इस बात को मानता हूं कि यहां हाउस में जाति पाति का मामला आपस में चल पडा है जो नहीं होना चाहिये था। भारत सरकार ने बहुत मदद करके जो दबे हुए पिछडे हुए लोग थे, उनको ऊपर उठाने के लिये रिजर्वे ान का प्रावधान किया है

इसको फायदा सभी हरिजन भाईयों को उठाना चाहिये। इस समय हमें ठीक बात माननी पडेंगी क्योंकि चमार जाति के लोग कुछ ज्यादा ऐजुके ान में आ गये हैं। बाकी लोग भी अगर ज्यादा ऐजुके ान में आते तो उनको भी बराबर का दर्जा मिल सकता था और मिलना भी चाहिये।

स्पीकर सर, एक ओर तो सरकार यह घोशणा कर रही है कि जो कर्मचारी पांच छः सालों से काम कर रहा है, उसको रेगुलर कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं। इसकी एक मिसाल मैं आपको देता हूं। हमारे यहां एक ऐक्सीअन श्री रामपाल सिंह से मेरी बात हुई। मैंने उन से चर्चा भी की थी कि जो 40 लोग 6–7 सालों से लगे हुए हैं, उनको स्ट्रैन्च कर दिया गया है।

श्री अध्यक्षः आपके लगाए हुए थे क्या ?

प्रो0 राम बिलास भार्माः नहीं जी, हमारे से पहले के लगे हुए थे और उनको इस सरकार ने रिट्रैन्च कर दिया और वह ऐक्सीअन इस बारे में क्या कहता है– रात को मैं गया था, वहां पर टैंकी चल रही थी पानी की, मोटर भी चल रही थी। ये स्टूल पर बैठा ऊंघ रहा था। स्पीकर सर, अगर रात के 12 बजे ऊंघ रहा था तो उसको सावधान कर दो। अगर ज्यादा ही करना है तो दो दिन की हाजरी काट लो। अगर वह ऊंघ रहा था तो नौकरी ही खत्म कर दो, यह कहां का इन्साफ है ? यहां पर तो सारी

सरकार ही ऊंघ रही है। अभी सम्पत सिंह जी ने लछमन दास अरोडा को बडी मुि कल से जगाया है, वह खरांटे भर रहे थे। द र्कि दीर्घा को भी डिस्टर्ब कर रहे थे। तो स्पीकर साहब मेरा करने का तात्पर्य यह है कि एक तरफ तो सरकार यह कह रही है कि हम रेगुलेराइज करेंगे और एक तरफ कर्मचारियों को हटाया जा रहा है। कम से कम सरकार को अपने वचन का पालन करना चाहिए और इस नारनौल के पब्लिक हैल्थ के मामले को गौर से देखना चाहिए।

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, आपका समय हो गया, आप बैठिए।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, हम आपको नाराज नहीं कर सकते क्योंकि अगर आप नाराज हो गए तो समझो हमारा तो भगवान ही नाराज हो गया। यही दो चार भाब्द कहने की बात होती है, जो आपकी अनुमति से आपके संरक्षण से बोल पाते हैं। स्पीकर साहब, इसी तरह से यहां पर भूगर मिलों की बात भी चली।

श्री अध्यक्षः आपके एरिया में कौन सा भूगर मिल है ?

13.00 बजे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, भूगर मिल की बात आई है, अगर इनकी कृपा रही तो मेरे इलाके में भूगर मिल नहीं लगेगा। वहां पर तो बाजरा ही बडी मुि कल से हो पाता है।

सारे दे ा के अंदर भूगर मिल मुनाफे में चल रहे हैं और चीनी के दाम इतने बढे हुए हैं लेकिन हमारे हरियाणा में ये मिल घाटे में चल रहे हैं ? मैं चाहता हूं कि इसकी जांच होनी चाहिए। इसके अलावा किसानों को महीनों तक गन्ने की पेमैंट नहीं होती। मुझे नहीं पता कि म ाीनरी में डिफैक्ट है, नियत में डिफैक्ट है या नीति में डिफैक्ट है। मैं चाहता हूं कि इसकी जांच होनी चाहिए। धन्यवाद।

बिजली मंत्री (श्री ए0सी0 चौधरी): स्पीकर साहब, अपने भाशण के दौरान में श्री ओम प्रका ा चौटाला ने अपनी बात रखते हुए बिजली डिपार्टमैंट के बारे में कुछ ऐसी बातें कहीं जो सच्चाई से कोसों दूर हैं। पहली बात उन्होंने यह कही कि बिजली की प्रोडक ान डाउन हो रही है। उन्होंने कहा कि मेरे वक्त में बिजली की प्रोडक ान बहुत ज्यादा थी। मैं आंकडें देकर कहना चाहता हूं कि 1989–90 में 208 लाख यूनिट प्रतिदिन पैदा हुई थी और 1990–91 में 229 लाख यूनिट पैदा हुई थी। आज की सरकार को यह क्रैडिट जाता है कि 1991–92 में 268 लाख यूनिट बिजली प्रति दिन पैदा हुई और 1992–93 में 297 लाख यूनिटस। आज के दिन जबकि पौंग डैम में पानी की कमी हुई है और वहां पर हमारे लिए बिजली की जनरे ान 40 लाख यूनिट कम हुई फिर भी 285 लाख यूनिटस हमने सर्कुले ान में दी।

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: स्पीकर साहब, ये प्रोडक ान की परसैंटेज के हिसाब से बताएं, ये अब भी हाउस को

गुमराह कर रहे हैं। आप जो सैंट्रल पूल से ले रहे हैं वह न बताएं।

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, दूसरी बात इन्होंने कह दी कि चार पांच और प्लांट इनके वक्त में लगे। ये अगर कह देते कि आपने लगाए थे और गलती से इनकी पीरियड में चालू हो गए तब तो ठीक था, मैं मान लेता। चौथा प्लांट जो हमारा 110 मैगावाट का है, उसको बनाने में कम से कम तीन साल से ज्यादा लगे। वह भी तब अगर उस पर दिन रात काम चले। वह चालू हुआ जनवरी 1987 में। इनका दावा केवल इस हद तक सही है। पांचवां प्लांट 210 मैगावाट का है जिसको पूरा करने में पांच साल चाहिएं। इसका कूलिंग टावर ही डेढ साल से कम में पूरा नहीं हुआ था। यह मार्च 1989 में चालू हुआ था।

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, पांचवां यूनिट अक्तूबर, 1990 में चालू हुआ था, इसके बारे में मन्त्री जी कन्फर्म कर लें।

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, वह 28.3.1989 को कमि ान कर दिया गया था। उसको फाउंडे ान चौधरी भजन लाल ने रखी थी। इसके अलावा, इन्होंने कह दिया कि बिजली न होने की वजह से पानी नहीं मिल रहा है और किसानों की सारी फलसें जल गई। मैं रिकार्ड की बात करूंगा कि इस साल भगवान की कृपा से जितना धान हुआ है, उसने अब तक का हरियाणा का

रिकार्ड तोडा है। इसी तरह से गेहूं और सरसों की फसल भी रिकार्ड तोडेगी। इसके अलावा इन्होंने कह दिया कि इनके वक्त में प्लांट लोड फैक्टर कम थे। स्पीकर सहब, पानीपत थर्मल प्लांट में 1989–90 में 43.04 परसैंट लोड फैक्टर थे। उसके बाद 1992–93 में 46.97 परसैंट और 1993–94 में इस वक्त 36.26 परसैंट हैं जबकि पौंग डैम में पानी कम था। आज के दिन बिजली जनरे ान की 50 परसैंट की एवरेज है। इस हालत में यह कहना कि बिजली इन्होंने दी, यह बिल्कुल सरासर गलत बात है। इन्हौंने कह दिया कि थर्मल प्लांट एन0टी0पी0सी0 को सौंपा जा रहा है। स्पीकर साहब, सरकार के पास तो ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। इनकी पार्टी के कुछ मैम्बर कह रहे हैं कि एन0टी0पी0सी0 को दे दो और कुछ मैम्बर कह रहे हैं कि न दो। अब इस बात का ये आपस में निपटारा कर लें।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मंत्री जी हाउस को गुमराह कर रहे हैं। कह रहे हैं कि आज के दिन हमारी स्टेट में कोई भी थर्मल प्लांए ऐसा नहीं है जो बंद पडा हो। मैं इनको बताना चाहूंगा कि पानीपत के थर्मल प्लांट की एक से तीन यूनिट आज भी बंद पडी हैं और चौथी यूनिट एक दो दिन में बंद होने वाली है।

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, थर्मल प्लांट के बारे में तो मैंने अभी कोई जिकर किया ही नहीं है।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने कहा कि 210 मैगावाट का यूनिट इनके वक्त में कमि ान हुआ था, यह गलत बात है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि उस यूनिट को चालू करने के लिए हमारी पार्टी के राज में बिजली बोर्ड के कर्मचारियों को इनसैंटिव दिया गया था। हमने इस यूनिट का बहुत जल्दी तैयार किया है। इसलिए अक्तूबर 1990 में वह यूनिट तैयार हो गया था, चालू हो गया था। उस यूनिट को 1990 में चालू करने पर हमारी सरकार ने कर्मचारियों को बतौर इनसैंटिव ईनाम दिए थे।

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य के प्वायंट आफ आर्डर को समझ नहीं पाया, भाायद माननीय सदस्य अपनी मौजूदगी यहां लिखवाना चाहते हैं। इसके अलावा, इन्हौंने कह दिया कि बिजली की चोरी है और लाइन लौसिज बहुत ज्यादा हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि आपके वक्त में भी लाइन लौसिज बहुत ज्यादा थे। मैं आपको बताना चाहूंगा कि वर्श 1989–90 में 29.01 परसैंट लाइन लौसिज थे। वर्श 1990–91 में 27.58 परसैंट थे। वर्श 1991–92 में 27.27 परसैंट थे। 1992–93 में 25.22 परसैंट थे। 1993–94 में 27.97 परसैंट हैं। यह मैं आपको रिकार्ड की बात बता रहा हूं। स्पीकर साहब, इन्होंने कह दिया कि 20 हजार ट्रांसफारमर्ज डैमेज हुए। ट्रांसफारमर डैमेज होने का टैक्नीकल प्रोसैस है। ट्रांसफारमर बिजली के ओवर लोड होने के कारण डैमेज होते हैं। जिन हालात में पांच हार्स पावर की

मोटर चलानी चाहिए, उन हालात में लोग 10 और 12 हार्स पावर की मोटरैं चलाते हैं तो वह लोड ट्रांसफारमर पर ही पडेगा। लेकिन फिर भी यह क्रैडिट हमारी सरकार को जाता है कि आज के दिन एग्रीकल्चर सैक्टर में डैमेज हुए ट्रांसफारमर को बदलने में 3 या 4 दिन नहीं लगाते, केवल दो ही दिन में बदल देते हैं। इसके अलावा, इन्होंने कह दिया कि मैटीरियल सब स्टैंडर्ड है। स्पीकर साहब, जहां तक थर्मल प्लांट के मैटीरियल का ताल्लुक है, थर्मल प्लांट का मैटीरियल हम बी0एच0ई0एल0 से लेते हैं, उससे अच्छा मैटीरियल सप्लायर कोई और नहीं हो सकता। जो जनरल मैटीरियल है उसमें कोई थोडी बहुत कमी हो सकती है, उसको हम समय समय पर चैक भी करते रहते हैं। स्पीकर साहब, इन्होंने एक बात कह दी कि एग्रीकल्चर सैक्टर में बिजली की नोमीनल चोरी हो रही है लेकिन इंडस्ट्रीयल सैक्टर में सबसे अधिक चोरी हो रही है और कह दिया कि वह चोरी ये खुद करवा रहे हैं। स्पीकर साहब, जो बिजली के बल्क कंज्यूमर्ज हैं उनके लिए हमने डिजिटल मीटर लगा दिए हैं। उस मीटर के अंदर मैमोरी है यदि कोई आदमी उसको छेडने की कोि ा ा करेगा तो वह रीडिंग के वक्त पकडा जा सकता है। बिजली की चोरी के मामले में उनकी बात सही है। मैं उसको डिनाई नहीं करता लेकिन हम बिजली की चोरी को रोकने की पूरी कोि ा ा करेंगे, उसको चैक करैंगे।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने हाउडल प्रोजैक्ट के बारे में सुझाव दिया कि हाइडल प्रोजैक्ट अधिक से

अधिक लगाये जाने चाहियें। हमने इस बारे में जागरूकता बरती है और हमारी कोि ा ा होगी कि अधिक से अधिक हाइडल प्रोजैक्ट लगें ताकि हमें ज्यादा से ज्यादा रिसोर्सिज प्राप्त हो सकें। अध्यक्ष महोदय, साथ ही चौधरी बंसी लाल जी ने बताया कि जब भाखडा के पानी में हमारा 52 परसैंट भोयर है तो बिजली में भी उसी हिसाब से भोयर होना चाहिये। यह बात कल ही ये नोटिस में लाये। इसको एग्जामिन करेंगे और इस सुझाव पर पूरी तरह से विचार करेंगे। बोलते हुए राम बिलास भार्मा जी ने टाटा वालों का जिक्र किया कि उनके वहां पर बिजली कभी भी नहीं जाती। इस बारे में मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि उनको जितनी बिजली की जरूरत है उससे ज्यादा उनकी प्रोडक्ान है, इसलिए वहां पर बिजली जाती ही नहीं। हम 55 से 65 परसैंट बिजली एग्रीकल्चर साइड में देते हैं, जिसके ऊपर हमें किसानों को सबसिडी देनी पडती है जबकि उनके यहां पर ऐसा नहीं है। साथ ही इन्होंने बोलते हुए कहा कि महेन्द्रगढ में फसल सूख गई है। मैं इस बारे में सदन के सदस्यों को बताना चाहता हूं कि इस साल महेन्द्रगढ में भी इतनी अधिक फसल पैदा होगी जो आज तक कभी भी नहीं हुई होगी। जहां पर पानी की कमी है वहां पर हमने बिजली भी पहुंचाई है ताकि लोग अपने टयूबवैलौं से सिंचाई कर सके। इसलिए इस मामले में इनको कोई इल्जाम लगाने की जरूरत नहीं है। जब फसल आयेगी तो पता चल जायेगा कि वहां पर फसल कम हुई है या अधिक। धन्यवाद।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत में मैंने 7.3.94 को इस हाउस में 1994–95 का बजट अनुमान पे ा किया। माननीय सदस्यों ने बजट अनुमानों पर विस्तार से चर्चा की है। जहां ट्रैजरी बैंचिज के माननीय सदस्य हैं, स्वाभाविक हैं कि उन्होंने सरकार के अच्छे कार्यों की सराहना की और विरोधी पक्ष के सदस्यों ने भी अपने कर्त्तव्य को निभाने का पूरा पूरा प्रयास किया है। विरोधी पक्ष के भाईयों ने बोलते हुए कुछ सुझाव भी दिए और अपनी नाराजगी भी जाहिर की है साथ ही कहा गया कि इस बजट में आम आदमी के लिए कोई सुविधा नहीं दी गई और साथ ही कहा गया कि न तो किसानों के हितों का ध्यान रखा गया, न व्यापारियों का ध्यान रखा गया, न हरिजनों का हित ध्यान में रखा गया। राम बिलास जी ने तो यहां तक कह दिया कि इस बजट में किसी के लिए कोई भी सुविधा या लाभ नहीं दिया गया।

अध्यक्ष महोदय, आप देखेंगे कि जब बजट हाउस में पे ा किया जाता है और अगले दिन अखबारों में छपता है तो उस बारे में आम लोगों की प्रतिक्रियाएं और प्रैस की अपनी प्रतिक्रियाएं होती हैं कि बजट अच्छा है या नहीं। अध्यक्ष महोदय, आपने किसी भी अखबार में यह नहीं पढा होगा कि इससे आम लोगों का हित नहीं होगा। हर तरफ इस बजट को सराहा गया है। (तालियां) हमारे बजट की व्यापारियों ने सराहना की, किसानों ने की, और आम तबके के लोगों ने की। अध्यक्ष महोदय, सदन में

दो ही प्रमुख विरोधी पार्टीज हैं एक सजपा और दूसरी हरियाणा विकास पार्टी जिसके लीडर चौधरी बंसी लाल जी हैं वे भी मुख्य मंत्री रहे हुए हैं। दोनों नेताओं ने इन बजट अनुमानों पर काफी चर्चा की। चौधरी ओम प्रका ा जी ने बडी गहराई से इस बजट को पढने का प्रयास किया या किसी अच्छे सलाहकार ने इनको बजट के बारे में ब्रीफ करवाने का प्रयास किया। इन्होंने अपने स्पीच में आंकडों की चर्चा की है, स्पीकर साहब, बजट आंकडों से ही बनता है और आंकडों की तरफ ध्यान दिलाना एक अच्छी बात है। मैं इसमें कोई बुराई नहीं मानता। बजट में अगर कोई खामियां रह गई हैं तो उनको दूर किया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ओम प्रका ा जी को जिस व्यक्ति ने ब्रीफ करवाया या तो वह जल्दी में था या ओम प्रका ा जी खुद जल्दी में थे। बजट फिगर्ज को समझना आसान काम नहीं है। चौधरी साहब को ब्रीफ करवाने वाले ने जितना ब्रीफ करवाया उतनी बात इन्होंने कह दी। इन्होंने इस बात को माना कि वैसे तो यह बजट टैक्स रहित है परन्तु इन्होंने सं ाय जाहिर कर दिया कि टैक्स पहले से ही लगा दिए गए हैं और इन्होंने इस बाबत चीनी, खाद और तेल का जिक्र कर दिया। स्पीकर साहब, इन चीजों पर टैक्स लगाने में हरियाणा सरकार का कोई संबंध नहीं है हम लोग इन चीजों पर टैक्स लगा ही नहीं सकते। (विघ्न) बिजली के बारे में भी ए0सी0 चौधरी ने विस्तार से जवाब दे दिया है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही पीने के पानी की चर्चा भी इन्होंने की। इन्होंने कहा कि बजट अनुमानों में इस पर 8 समथिंग का

खर्च है जबकि प्रावधान 2 कुछ का किया गया है, इसलिए ये इसको किस प्रकार से करेंगे। इन्होंने सं ाय जाहिर किया कि पीने के पानी के रेटस बढाए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी ओम प्रका ा जी के ध्यान में यह बात लाना चाहूंगा कि पीने के पानी के रेटस बढाने का हमारा कोई प्रावधान नहीं है और न ही पानी के रेटस बढाए जाएंगे। पिछले साल हमने म्युनिसिपल कमेटियों का वाटर सिस्टम बदल दिया था और म्युनिसिपल कमेटियों की वाटर वर्क्स सप्लाई पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट को दे दी गई थी। वाटर वर्क्स की सप्लाई का सारा खर्च अब पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट करेगा इसलिए वाटर रेटस को बढाने का कोई सवाल ही नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, इरीगे ान पर चर्चा करते हुए इन्होनें सं ाय जाहिर किया है कि इसके खर्च को कैसे पूरा किया जाएगा जबकि खर्च 42.63 का है और बजट प्रावधान 21. कुछ का किया गया है। अध्यक्ष महोदय, सभी माननीय सदस्य इस बारे में चिन्तित हैं और हमारी इस बारे में बहुत बडी जिम्मेदारी भी है। हरियाणा प्रान्त एक कृशि प्रधान प्रदे ा है इसलिये जब तक हरियाणा के किसान के खेत को पानी नहीं मिलेगा, तब तक अनाज कम पैदा होता रहेगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के किसान ने काफी कोि ा ा की है और केन्द्र में बहुत बडा अनाज का भण्डार भेजा है। अगर किसान के खेत को पूरा पानी मिले तो पैदावार और भी ज्यादा रिकार्ड तोड हो सकती है। जितनी पैदावार अधिक होगी,

उतना ही प्रदे ा का विकास होगा। अध्यक्ष महोदय, नहरों में पानी लाने के लिए नई नहरें बनाने के लिए, खालों को पक्का करने के लिए बहुत ज्यादा पैसे की आव यकता है। स्टेट के जो आमदन के साधन हैं, वह इतने ज्यादा नहीं हैं कि इन सारे कामों को पूरा करने के लिए पूरापैसा सरकार इरीगे ान डिपार्टमैंट को डिस्ट्रिब्यूट कर सके। अध्यक्ष महोदय, जो खाल टूट गए हैं उनको मुरम्मत करने की जरूरत है, नई खालें बनानी हैं और डी सिल्टिंग के बारे में भी यहां पर बार बार चर्चा होती रही है और माननीय सदस्य ि ाकायत करते हैं कि नहरें अटी पडी हैं, उनकी डी सिल्टिंग करवाई जाए। इसके लिए इरीगे ान डिपार्टमैंट ने एक बहुत बडा प्रोजैक्ट बना कर सरकार को भेजा है, एक योजना बना कर सरकार को दी है। सरकार के पास अपने साधन इस वक्त इतने नहीं हैं कि इन सारे कामों को करवा सके। इसलिये सरकार ने योजना बनाई है कि इन कामों के लिए वर्ल्ड बैंक से पैसा लिया जाए। उसी के मुताबिक आठ सौ करोड रूपए का एक प्रोजैक्ट बना हुआ है। यह प्रोजैक्ट पांच साल में नहरों के लिए, डी सिल्टिंग के लिए और खालों को पक्का करवाने के लिए बना है। कुछ दिन पहले वर्ल्ड बैंक की टीम हमारे यहां पर आई थी। उसने हरियाणा की कारगुजारी देख कर कहा कि हम पैसे तो दे देंगे लेकिन उन्होंने एक कंडी ान लगा दी। उन्होंने कहा कि 1970 में टैक्स रेज करने की कोई स्कीम नहीं बनाई। तो उन्होंनै हमारे इरीगे ान मिनिस्टर के साथ बैठ कर बात की और इसको थोडा सा इंक्रीज करने का फैसला हो गया। हमने इरीगे ान

सैक्टर में 10 प्रति ात बढाने का फैसला किया है। हमारा जो पानी किसान को सप्लाई होता है उससे मार्किट बोर्ड को आमदनी होगी उसमें 42 करोड रूपए हमारे इंक्रीज होंगे। जब हमने वर्ल्ड बैंक को यह प्रपोजल दिया तो वे खु ा हो गए और आपको यह जानकर भी खु ाी होगी कि वर्ल्ड बैंक ने हमारी आठ सौ करोड रूपए की स्कीम मान ली है। अध्यक्ष महोदय, 10 प्रति ात बढाने से हरियाणा के किसानों के ऊपर 1 करोड 42 लाख रूपए पडेंगे। अध्यक्ष महोदय, जब भी इस हाउस में चर्चा होती है तो एस0वाई0एल0 के बारे में बडी चर्चा होती है। ये एस0वाई0एल0 के बारे में बहुत चिंता करते हैं, यह अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, इस नहर का बनना हरियाणा के लिए जीवन, मरण का सवाल है। उन्होंने पंजाब का भी जिक्र किया है। मेरे विरोधी पक्ष वाले साथी कहते हैं कि इस पर जो कुछ खर्च किय है वह इन्होंने ही किया है, ऐसी कोई बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हमने ही प्रस्ताव पास करवाया है और पूरी गारंटी के साथ प्रस्ताव पास किया है। ओम प्रका ा जी बोलते हैं कि हमारी सरकार पंजाब से दबती है, केन्द्र से दबती है। अध्यक्ष महोदय, 26 सितम्बर को जालन्धर में एक बहुत बडा भाहीदी दिवस मनाया गया। उसमें पंजाब के मुख्यमंत्री जी अध्यक्षमता कर रहे थे और हरियाणा के मुख्य मंत्री जी को चीफ गैस्ट के तौर पर जाना था, लेकिन जरूरी मीटिंग होने की वजह से वे नहीं जा पाए। वहां पर बहुत से विरोधी पक्ष के लोग भी गए हुए थे। लेकिन कुछ दिन पहले एक बहुत जरूरी मीटिंग सैंटर में आ गयी जिसकी वजह से आदरणीय मुख्य मंत्री जी उस

फंक ान में नहीं जा सके और इन्होंने दिल्ली से मेरे को आदे ा दिया कि चूंकि इन्होंने वह न्यौता स्वीकार किया हुआ है। इसलिये मैं ही इनके बिहाफ पर उस फंक ान में चला जाऊं। इसलिये मैं 26 सितम्बर के फंक ान में गया। अध्यक्ष महोदय, वहां पर अकाली नेताओं ने बोलते हुए पंजाब के मुख्य मंत्री पर एक चोट कर दी और वे कहने लगे कि बेअन्त सिंह जी, पंजाब की जनता ने आपको यह सोच कर मुख्य मंत्री बनाया है कि पंजाब के हितों की रक्षा करें। हरियाणा, पंजाब के साथ बडी बेइन्साफी कर रहा हे। जो पंजाबी भाशी इलाके हैं और चण्डीगढ का इलाका है, वह हरियाणा आज तक भी पंजाब को नहीं दे रहा है लेकिन पंजाब के लोग इस बेइन्साफी को बर्दा त नहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं वहां पर हरियाणा की नुमाइन्दगी कर रहा था। हरियाणा की धरती पर तो सब लोग बोलते होंगे, जैसे अभी दो दिन पहले ही ये प्रस्ताव पारित करने की बात कर रहे थे लेकिन मैंने पंजाब की धरती पर ही कहा था, जिस धरती पर उग्रवादियों ने श्री बिटटा पर बमों से हमले किए थे। बिटटा भी उस सम्मेलन में मौजूद था, जिसको उग्रवादियों ने मारने का ाडयन्त्र किया था। उसी पंजाब की धरती यानि जालन्धर में हमने जवाब दिया था, जिस पर पांजब का एक भी अकाली लीडर नहीं बोल सका था। जो कुछ मैंने कहा था, वह एक अखबार में छपा हुआ है जिसका हैंडिंग है "राजनीति नेता नाइन्साफी के नाम पर पंजाब और हरियाणा के विवादों को न उठाएं।" अध्यक्ष महोदय, जो इस अखबार मैं दिया है, मैं आपको उसकी चन्द लाइनें पढ कर सुनाना चाहता हूं। यह मैं इसलिए

सुनाना चाहता हूं कि ये लोग कहते हैं कि हरियाणा की सरकार नपुंसक है। अध्यक्ष महोदय अखबार में लिखा है– श्री मांगे राम गुप्ता, जो अपने से पूर्व कुछ वक्ताओं द्वारा पंजाब से नाइन्साफी का मामला उठाए जाने के दृश्टिगत अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे, ने कहा कि वह यह नहीं सोच कर आए थे कि इस समारोह में ये राजनीतिक मुददे उठाए जाएंगे। अब जब यह मुददे उठाए ही गए हैं और वि ोशकर पंजाब से नाइन्साफी के नाम पर तो उनके लिए कुछ कहना अनिवार्य हो गया है। श्री गुप्ता ने कहा कि पहली बात तो वह यह नहीं समझ पा रहे कि पंजाब के साथ नाइन्साफी क्या हुई और यह किसने की है ? उन्होंने कहा कि हरियाणा तो पंजाबी सूबा मांगने वालों ने जबरदस्ती बनवाया और वह कह सकते हैं कि पंजाब बडा भाई है और हरियाणा छोटा भाई। इस दृश्टि से यह ध्यान में रखना भी जरूरी है कि पुनर्गठन के समय जो दोनों राज्यों की लेन देन की जिम्मेदारियां तय हुई थीं वह हरियाणा पूरी तरह निभा रहा है। श्री गुप्ता ने कहा कि पंजाब व हरियाणा के बीच पानी आदि के मामलों को भी उच्च स्तरीय नेताओं ने दोनों राज्यों की सहमति से निपटाया, किन्तु उन पर अमल नहीं किया गया और उसमें पंजाब का ही हाथ रहा, हरियाणा का नहीं। इसलिए वे कह सकते हैं कि नाइन्साफी यदि हुई है तो हरियाणा से हुई है। पानी तो अभी भी सारा पंजाब के पास है, मगर हरियाणा की नहर का निर्माण रूका हुआ है।

श्री गुप्ता ने कहा कि वह श्री बेअंत सिंह से कहेंगे कि लोग आपकी तरफ देख रहे हैं कि बडे भाई के नाते पंजाब हरियाणा से न्याय करे, इन्साफ दे, नहर का पानी दे।"

अध्यक्ष महोदय, इस तरह से आप देखेंगे कि हमीर यही मांग है कि इन मुददों को जल्दी ही निपटाया जाए। इन मुददों को राजनैतिक मुददा नहीं बनाया जाना चाहिए। आगे इस अखबार में कहा गया है– "श्री गुप्ता ने कहा कि पानी का मामला राजनीति व वोट का नहीं, किसान की भूमि को पानी देने का है, चाहे वह किसान पंजाब का है या हरियाणा का। यदि हम दे ा की एकता की दृश्टि से विचार करेंगे तो इस मामले को निपटाने में भी कोई दिक्कत नहीं आ सकती"।

अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं एक लाईन और पढना चाहूंगा। मैंने जो कुछ वहां पर कहा था उसके जवाब में सरदार बेअन्त सिंह जी ने कहा– "गुप्ता जी, मुझे दुख है कि हमारे कुछ नेताओं ने इस तरह की बातें कही जो इस समय नहीं करनी चाहिए थी। मैं इसके लिए माफी चाहता हूं"। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सरकार हरियाणा के साथ विवाद वार्ता से हल करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार एस0वाई0एल0 नहर के निर्माण के लिए बचनबद्ध है। उन्होंने बादल का नाम लेकर कहा कि जो लोग उसका विरोध करते हैं, यह वही हैं जिन्होंने इस नहर के लिए अपनी सरकार के समय भूमि अधिग्रहण की थी और नहर निर्माण के लिए उस समय के हरियाणा के मुख्य मंत्री से

एक करोड रूपया लिया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एस0वाई0एल0 के निर्माण के लिए वचनबद्ध है। (ाोर) मैं यही कह रहा हूं, आप यह कैसे कह रहे हैं ? आप किसानों को जाकर भडकाएं कि हरियाणा सरकार एस0वाई0एल0 के निर्माण के लिए कोि ा ा नहीं करती। हम लोग तो अपनी जान की बाजी लगा कर एस0वाई0एल0 के निर्माण की कोि ा ा कर रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप कितना टाईम और लेंगें ?

वित्त मंत्री (श्री मांगेराम गुप्ता): दो बजे तक बढा दें।

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 15 मिनट के लिए बढा दिया जाये।

आवाजें: जी हां।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढाया जाता है।

वर्श 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (श्री मांगेराम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 के लिए हमने इस बजट में 16 करोड 65 लाख रूपये का प्रावधान किया है .....

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। गुप्ता जी ने बडा ठीक फरमाया। इन्होंने जालन्धर मैं जाकर बडी बहादुरी की बात की। परन्तु जो बजट इन्होंने खुद बनाया है, खुद प्रस्तुत किया है, उसमें एस0वाई0एल0 के लिए जो प्रावधान रखा है, वो मैंने पढा है, उसमें कोई पैसा नहीं रखा है, इन्होंने सिर्फ उम्मीद जाहिर की है कि हमें आ ाा है कि पंजाब में कानून और व्यवस्थामें सुधार होने के बाद नहर का निर्माण होगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, बहुत से सवालों का जवाब आप रोज देख रहे हैं। गवर्नर ऐड्रस पर बहस हुई। विरोधी पक्ष के लोगों ने स्कूलों की अप ग्रेडिंग के, होस्पीटल के, रोडज के मसले उठाए। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने जवाब देते हुए बहुत सी बातों का जवाब दे दिया। वैसे बीच में भी बहुत से जवाब आए हैं जिनसे माननीय सदस्यों की तसल्ली हो गई होगी, नहीं हुई होगी तो कर देते हैं। अध्यक्ष महोदय, संपत सिंह जी ने और ओम प्रका ा बेरी जी ने चर्चा करते हुए कहा कि लाटरी डिपार्टमैंट की बहुत बडी ट्रांजैक ान है लेकिन मुनाफा थोडा है लोग बर्बाद हो रहे हैं, लाटर बन्द होनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, पिछले साल हमने यह लाटरी बंद कर दी थी तो संपत सिंह ने यह कहा था कि इससे 4–5 करोड का लाभ होता था, इन्होंने सत्याना ा कर दिया और नौकरीपे ाा लोगों को हटा दिया। अध्यक्ष महोदय, मैंने उसी वक्त इनको हाउस में चैलेन्ज करते हुए कहा था कि अगर प्रौफेसर सम्पत सिंह जी यह चाहते हैं कि हम

एक बार फिर लाटरी को दोबारा चालू करें तो हम इसको दोबारा भी चालू कर देंगे। डेली लाटरी में कोई इन्वैस्टमैंट की बात नहीं है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पिछली बार भी इस बारे में यहां पर जिक्र आया था। मैंने उस समय यह कहा था कि ऐसे एजैंट के हाथ में इन्होंने लाटरी की टिकटें दे दीं जो इनके पैसे खाकर भाग गया, रफू चक्कर हो गया और इनकी सरकार को चूना लग गया। इस वजह से इनके अधिकारी फंसे पडे हैं। इस बारे में बाकायदा मेरा इन्टरव्यू भी टी0वी0 पर आया और श्री मांगे राम गुप्ता जी का इन्टरव्यू भी टी0वी0 पर आया था। मैंने उस वक्त यह कहा था कि यह लाटरी बन्द करनी चाहिये। चूंकि यह सैंट्रल एक्ट के तहत है इसलिये हम इसको अपने आप बंद नहीं कर पायेंगे, इसलिये हम अपनी रिकोमैंडे ान दे सकते हैं और उनसे यह कह सकते हैं कि इसे बंद करें आज भी हम उसी स्टैंड पर कायम है कि इसको बंद करना चाहिये।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, कल रात को जब मैं अखबार पढ रहा था तो मैंने यह देखा कि राजस्थान सरकार की कोई डेली लाटरी थी, वह उन्होंने बंद कर दी है। उन्होंने यह लाटरी यह कहते हुए बंद कर दी है कि इससे गरीब आदमी मारे जाते हैं। आपको भी डेली लाटरी को बन्द करने पर विचार करना चाहिये। आप बे ाक लम्बी लाटरी चलने दो लेकिन डेली लाटरी को बन्द करने पर आपको विचार करना चाहिये।

श्री मांगे राम गुप्ताः न तो यह हमारी आमदनी का जरिया है और न ही इसमें कोई इन्कम का सवाल है। इसके बारे में जैसे प्रो0 सम्पत सिंह ने यह कहा है कि इसको बन्द किया जाये, इसके लिये पार्लियामैंट एक्ट बना हुआ है। बाकायदा सैंट्रल एक्ट है, जो सैंट्रल गवर्नमैंट ने पास किया हुआ है। यह तो पार्लियामैंट की पावर की बात है हम यह पास नहीं कर सकते कि इसको बन्द किया जाये। हम तो हरियाणा सरकार की तरफ से चलने वाली लाटरी को ही बंद कर सकते हैं। हम तो अपनी तरफ से चलने वाली लाटरी को ही बन्द कर सकते हैं लेकिन जो दूसरे प्रदे ाों की लाटरी हैं, उसको हम बन्द नहीं कर सकते। जितनी प्राइवेट लाटरीज थी जो पहले कुछ लोगों ने खोल रखी थीं, वह हमारी सरकार ने बन्द कर दी हैं, इनसे लोगों के साथ ठग्गी होती थी। इसके अलावा, एम0पी0 ने लाटरी बन्द कर दी है। मैं यह वि वास के साथ कहना चाहता हूं कि यह जो डेली लाटरी चल रही है, हम उसको बन्द करने के बार में विचार कर सकते हैं लेकिन समस्या तो इस बात की है कि हमारी इसके अन्दर कोई इन्वैस्टमैंट नहीं है। इस काम में 100 तो रैगुलर लडके लगे हुए हैं 350 डेली वेजिज पर लडके काम कर रहे हैं। इस तरह साढे चार सौ लडके इसी वजह से रोजगार पर लगे हुए है। इसके अलावा, इनडायरैक्ट तरीके से भी बहुत से लोग इस काम में लगे हुए हैं। इसे बन्द करना कोई समाधान नहीं है। कल को अगर हम बन्द कर देंगे तो इन लडकों को कहां पर लगायेंगे ?

प्रो0 सम्पत सिंहः और महकमों में लगा दो।

श्री मांगे राम गुप्ताः यह इतना आसान नहीं है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने यह कहा है कि सैंट्रल गवर्नमैंट का आदे ा है इसलिये हम इसको बन्द नहीं कर सकते। आपकी यह बात तो हम समझ सकते हैं लेकिन हम इसका तरीका तो बदल सकते हैं।

श्री अध्यक्षः इनका कहना यह है कि अगर हम बन्द कर देंगे तो भी बाहर की लाटरीज तो यहां पर चलेंगी।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः इनकी यह बात ठीक है कि बाहर की लाटरीज को तो ये बन्द नहीं कर सकते लेकिन सरकार जो डैली लाटरी चला रही है सर्व प्रथम तो इसकी प्रिटिंग के बारे में यह बताना चाहता हूं कि प्रतिदिन 80 हजार रूपया अधिक देते हैं, जबकि दूसरे लोग जो प्राइवेट लाटरिज चलाते हैं, वे टिकटों को सस्ते में छपवाते हैं। वे कम में छपवाते हैं जबकि सरकार 80 हजार रूपये से ज्यादा देती है। ये तो यह कह रहे हैं कि साढे चार सौ कर्मचारी एडजस्ट किये हुए हैं लेकिन 80000 रूपये से ज्यादा, सरकार रिकार्ड के मुताबिक, रोजाना अकेले इस बात पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं जबकि दूसरे प्राईवेट वाले इनसे कम पैसों में छपवाते हैं। साईज टिकटों का वही है, कागज वही है और उनकी टिकटों की भाक्ल भी ज्यादा सुथरी है। दूसरी तरफ यह भी माना है कि 90 करोड रूपये का लाभ इससे होता है। 800

करोड रूपया गरीब लोगों से ले जाते हैं और उसमें से 600 करोड रूपया कमी ान एजेन्टस को दिया जाता है। आपकी वजह से कमी ान एजेन्टस भी कमा लेते हैं। सरकारी खजाने में तो केवल 90 करोड रूपया ही आता है। वित्त मंत्री जी जरा स्पश्ट करें कि हरियाणा सरकार यह लाटरी क्या कमी ान एजेन्टस के लिये चला रही है ?

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ओम प्रका ा चौटाला ने जो फरमाया उसके बारे में इन्होंने गहराई से नहीं सोचा। जहां तक टिकटों की छपाई का सवाल है, हमारी लाटरी प्राईवेट लाटर की तरह से नहीं है। मैं पूरे चैलेन्ज के साथ कह सकता हूं कि हरियाणा की लाटरी का डिजाइन, छपाई और कागज हिन्दुस्तान में सभी लाटरीज के मुकाबले में बढिया है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः इससे स्टेट का क्या लाभ होने जा रहा है ?

श्री मांगे राम गुप्ताः मैंने रेट कोई अपने घर में तो बनाए नहीं हैं। जो रेट दूसरी स्टेटस में हैं वहीं हमारे यहां हैं। आपके समय लाटरीज की ट्रांसपोर्टे ान का रेट 375 या 300 रूपए प्रति क्विंटल था लेकिन आज 75 रूपया प्रति क्विंटल है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मैं सरकारी रिकार्ड से बताना चाहता हूं कि जो प्राइवेट छोटी लाटरीज हैं वे 2272 रूपया प्रति लाख छपती हैं और आपकी

लाटरी 2900.00 रूपये प्रति लाख छपती हैं। बडी लाटरीज जो प्राईवेट हैं वे 3050 रूपया प्रति लाख छपती हैं और हमारी सरकार छपवाती है 3750.00 रूपये प्रति लाख। स्पीकर साहब, यह अन्तर है हमारी लाटरी की छपाई में और प्राईवेट लाटरी की छपाई में। एक करोड लाटरीज रोज छपती हैं इस तरह अस्सी हजार रूपये रोज का नुक्सान हो रहा है। लाटरी पर जो खर्च आ रहा है, वह 670 करोड है और जो वसूल होता है वह है 760 करोड रूपया। नब्बे करोउ रूपया हरियाणा सरकार को मिलेंगे और इसमें आठ सौ करोड रूपया उन लोगों से वसूल किया जाएगा जो रिक ाा पुलर हैं, गरीब हैं मजदूर हैं। छः सौ करोड रूपया कमी ान ऐजेन्ट को मिलेगा।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, लाटरीज में ओम प्रका ा चौटाला जैसे बडे बडे आदमी जिनके पास बहुत पैसा है, वे अपना भाग्य आजमाते हैं। स्पीकर साहब, जहां तक छपाई के रेटस का सवाल है वह कोई मैं व्यक्तिगत रूप से नहीं दे रहा हूं। सरकार ने बाकायदा एडवरटाईजमैंट दिया, टैंडर आए और जो लोएस्ट टैंडर था, उसको काम दिया गया। सरकार जो भी मैटीरियल खरीदती है या बेचती है, उसके लिए टैंडर काल किए जाते हैं। सरकार के पास कोई और तरीका नहीं है सिवाए टैंडर काल करने के। सरकार कोई प्राइवेट आमदी तो है नहीं जिसने आज यहां छपवा ली और काल दूसरी जगह छपवा ली। प्राईवेट आदमी तो दो दिन कहीं छपवाते हैं उसके बाद कहीं और छपवा

लेते हैं। लाटरी छपाई के लिए जो टैंडर लोएस्ट था उसी से छपवा ली। प्राईवेट लाटरी हमारे यहां छपती नहीं हैं और न ही हम उनका मुकाबला कर सकते हैं।

प्रो0 सम्पत सिंहः आपकी लाटरीज भी यहां नहीं छप रही, बाहर छप रही हैं। आप यह बताइए कि आपकी प्रिटिंग प्रैस ने क्या रेट दिया था ?

श्री मांगे राम गुप्ताः हमारी प्रिटिंग प्रैस अपनी लाटरीज को छाप नहीं सकती। उसको बाहर से ही छपवाना पडता है, चाहे वह कहीं से भी छपवाए।

डा0 राम प्रका ाः जिस प्रैस में छपवा रहे हैं, क्या सरकार उससे नेगोि ायट करके रेट कम कराने का प्रयास करेगी, और अगर वह नेगोि ाए ान में रेट कम नहीं करती तो क्या उसके साथ कान्ट्रैक्ट खत्म करने पर सरकार विचार करेगी ? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे रारम गुप्ताः आप कोई पार्टी ले आएं, अगर वह कम रेट पर छापने के लिए तैयार होगी तो हम उससे छपवा लेंगे। स्पीकर साहब, कल इन्होंने कोई बात कही और जब मदान साहब ने इनको अपनी औफर दी तो ये बौखला गए। मैं फिर कहता हूं कि आप किसी प्रैस वाले को ले आएं। अगर उसके रेट कम होंगे और हमारी भार्तों के मुताबिक छपाई करेगा तो हम छपवा लेंगे।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, एक मिनट रूकिए। यदि हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 5 मिनट के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें: जी हां, बढा दीजिए।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 5 मिनट के लिए और बढाया जाता है।

वर्श 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (श्री मांगेराम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, हमने हर इंसान की जरूरत को समझते हुए बिल्कुल ठीक काम किया है गलत नहीं किया है। इन्होंने बूढों की पैं ान कार जिक्र कर दिया और दूसरी तरफ हरियाणा के विकास की बातें भी बडी बढ चढ कर करते हैं। ये बडे हितैशी बनते हैं हरियाणा के लोगों के। अध्यक्ष महोदय, इन्हौंने लोगों को गुमराह करते हुए कर्जा माफ करने की बात का प्रचार करते हुए राज लिया था लेकिन सारे हिन्दुस्तान की आर्थिक स्थिति का भटठा बिठा दिया और बूढों की नाममात्र की पैन् ान स्कीम भाुरू कर दी जिसको ये लोग सिरे नहीं चढा सके। हालत यहां तक खराब हो गई थी कि जब ये लोग गये तो बूढों की 6–6 महीनों की पैन् ान छोड गये दे नहीं पाए थे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये हमारी बात करते हैं कि हमने पैन् ान बन्द कर दी। अध्यक्ष महोदय, हमारी एक मजबूरी रही है,

उसको हम मानकार चलते हैं। हरियाणा के अन्दर पीछे बाढ आ गई, दूसरा बिजली का क्राइसिज भी आ गया और तीसरा एम्पलाईज की स्ट्राइक हो गई जिसके कारण हमें कुछ दिक्कतों का सामना करना पडा। बिजली का बडा भारी संकट आ गया। उधर एन0टी0पी0सी0 वालों ने कहा कि आप हमारा पहला एरियर क्लीयर करो और करन्ट चार्जिज दो, तभी हम आपको बिजली की सप्लाई देंगे। तो अध्यख महोदय, किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार को बिजली बोर्ड को पैसा देना था और पैसे का इन्तजाम करने के लिये सरकार को यह पग उठाना पडा कि सरकार ने कुछ समय के लिए पैं ान को रोका लेकिन बंद नहीं किया ताकि पैसे की अदायगी एन0टी0पी0सी0 को हो, बिजली की सप्लाई लगातार आती रहे ताकि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। वहीं हमने किया। पांच छः महीने अगर किसी की पैन ान जमा हो गई और उसे इकटठा पैसा मिल जाए तो इसमें कोन सा अन्याय होगा ? इन अपोजी ान वालों के पास तो और कोई बात है नहीं जो कर सकें। सिवाये इसके कि गलत प्रचार लोगों के सामने करते रहें। हमें उस रोके हुए पैसे से बिजली मिल गई ओर किसानों का भला हुआ। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी, इनका मतलब यह है कि जिन लोगों को पैन ान नहीं मिली है, उनको समय पर व इकटठी पैन ान मिल जायेगी न ?

श्री मांगे राम गुप्ताः जी हां, अध्यक्ष महोदय, अव य पूरी पूरी पैन ान मिलेगी, न मिलने का सवाल ही नहीं उठता।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ यहां पर पथ कर का भी जिक्र आया। इन लोगों ने बोलते हुए कहा कि सरकार को इससे 27 करोड रूपये का घाटा हुआ। पहले हमें 42 करोड रूपया पथ कर से आता था। इस विशय पर केन्द्र सरकार ने सारी स्टेटों को बुला कर यह फैसला करवा दिया कि पथ कर खत्म किया जाए और इसकी जगह लम्प सम 5000 कर दिया जाए। इसके खिलाफ लोग कोर्ट में चले गये। कोर्ट ने लोगों को स्टे दे दिया इसलिये यह पथ कर नोटिफिके ान इ ू न होने की वजह से सरकार को 27 करोड रूपये का नुकसान हो रहा है। अगर कोर्ट में उनके हक में फैसला हो जाए तक हमें कुछ नहीं मिलेगा और नुक्सान उस हालत में होगा।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, वाटर सप्लाई का मामला भी चर्चा का विशय रहा।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप कितना समय और लेंगें ?

वित्त मंत्री (श्री मांगेराम गुप्ता): मैं जल्दी ही खत्म कर दूंगा।

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 5 मिनट के लिए बढा दिया जाये।

आवाजें: जी हां।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढाया जाता है।

वर्श 1994–95 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (श्री मांगेराम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं वाटर सप्लाई के बारे में जिक्र कर रहा था कि सरकार लोगों को पीने का पानी हर गांव में देने की पूरी–पूरी कोि ा ा कर रही है। जो बडे गांव हैं, उनकी जरूरत के मुताबिक, पानी की मिकदार को बढाने का प्रयास भी हमने किया है, इसके लिए पहले से ही हम चिन्तित हैं। आज मैं वि वास के साथ कह रहा हूं कि हम गांव गांव में पीने के पानी की कमी बिल्कुल नहीं रहने देंगे।

अध्यक्ष महोदय, एजुके ान के ऊपर भी सरकार का पूरा ध्यान है। इसी तरह से हस्पतालों के ऊपर भी पूरा ध्यान है, दवाईयों के ऊपर भी पूरा ध्यान हैं। इस सरकार का गरीब मजदूरों की तरफ भी पूरा ध्यान है। मैं वि वास के साथ कहता हूं कि हरियाणा की जनता की तरफ ये सरकार पूरा ध्यान रखेगी और किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। इन भाब्दों के साथ स्पीकर साहब, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker: Now, the House stands adjourned till 2.00 p.m., the 15th March, 1994.

***13.51 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m., on the Tuesday, 15th March, 1994).

ANNEXURE- A

Appointment made on Daily Wages Basis

***746. Smt. Chandravati:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) the post-wise number of persons working on daily-wages in the Transport Department at present; and

(b) whether any persons have been appointed on permanent/daily wages basis in Dadri Depot during the period from 1st January, 1993, to-date; if so, the names and addresses thereof ?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री बलबीर पाल भााह):

(क) विवरणी अनुबन्ध–1 पर संलग्न है।

(ख) विवरणी अनुबन्ध–2 पर संलग्न है।

अनुबन्ध–1

परिवहन विभाग में दैनिक वेतन आधार पर कार्य कर रहे व्यक्तियों की

पदवार संख्या (28–2–94 तक)

क्र0 सं0	पद का नाम	व्यक्तियों की संख्या
1	हैल्पर	480
2	स्वीपर	119
3	वाि ंग ब्वाय	20
4	वाटर कैरियर	22
5	चौकीदार	51
6	पलम्बर	12
7	टिकट वैरीफायर	54
8	सेवादार	41
9	काऊंटर लिपिक	11
10	टेलीफोन अटैन्डैंट	1

11	वेटर	7
12	सेवरमैन	8
13	चालक	86
14	परिचालक	91
15	माली	19
16	बारबर	2
17	वा ारमैन	1
18	स्टोरमैन	1
19	सिक्योरिटी अटैन्डैट	31
20	टाईपिस्ट	2
21	लिपिक	16
22	गनमैन	21
23	असिस्टैन्ट कुक	4
24	मेट	22
25	कन्टीन अटैन्डैंट	1

26	मैसन	2
27	लेबरर	2
28	पम्प ड्राईवर	5
29	सहायक कारपेन्टर	1
30	सहायक ब्लैकस्मिथ	1
31	सहायक वैल्डर	3
32	सहायक फिटर	1
33	सहायक अपहोस्टर	1
34	कारपेन्टर	1
35	ब्लैक स्मिथ	2
36	कुक	1
37	सहायक पेन्टर	4
38	कलीनर	1
39	सहायक विद्युतकार	3
40	अनाऊंसर	1

41	टयूबवैल आपरेटर	6
42	अड्डा फीस आपरेटर	4
	कुल जोड़	1142

अनुबन्ध– 2

हरियाणा रोड़वेज चरखी दादरी में दिनांक 1–1–93 से 28–2–94 तक नियुक्त किये गये परिचालाकों बारे सूचना

नियुक्त व्यक्तियों की श्रेणी	नाम और पूरा पता	नियुक्ति तिथि	नियमित/ तदर्थ	दैनिक वेतन भोगी	कनटैक्चुअल	विवरण
परिचालक						
1	रामपाल सपुत्र सिंध राम गांव लीलोहेरी जिला रोहतक	4.5.93			सी/बेसिस	रोजगार विभाग के माध्यम से इस डिपो में कोई प्रतीक्षा सूची न होने के कारण आपात स्थिति में उम्मीदवारों के

						नाम हरियाणा रोडवेज, गुडगांवा तथा रोहतक से मांगे गए।
2	फूल सिंह सुपुत्र रघबीर सिंह गांव व डाकखाना रोहर, जिला महेन्द्रगढ़	3.5.93			"	"
3	चांद सिंह सुपुत्र नेत राम गांव व डाकखाना कर्णवास, जिला रिवाडी	12.5.93			"	"
4	रणबीर सिंह सुपुत्र मोहर सिंह गांव व डाकखाना माजरी (सोनीपत)	13.5.93			"	"

5	रामभज सुपुत्र सुबे सिंह गांव व डाकखाना गादी बकतावरपुर (सोनीपत)	14.5.93			"	"
6	धर्मबीर सिंह सुपुत्र सुखलाल गांव व डाकखाना जुलानी (सोनीपत)	14.5.93			"	"
7	वेद प्रका ा सुपुत्र सुलतान सिंह गांव व डाकखाना खोराना (जिला अलवर)	15.5.93			"	"
8	राम कुमार सुपुत्र राम ारण गांव व डाकखाना सनपेडा	21.5.93			"	"

	(सोनीपत)					
9	सती ा कुमार सुपुत्र ओम प्रका ा गांव व डाकखाना गुडगांवा	7.6.93			″	″
10	दीनानाथ सुपुत्र जगदी ा लाल गांव व डाकखाना गुडगांवा	7.6.93			″	″
11	जय प्रका ा सुपुत्र भरत सिंह गांव व डाकखाना जमालपुर	7.6.93			″	″
12	जय कि ान सुपुत्र प्रताप सिंह हासपुर (फरीदाबाद)	4.6.93			″	″
13	मांगे राम सुपुत्र कर्ण	7.6.93			″	″

	सिंह गांव व डाकखाना दादू (गुडगांवा)					
14	सुभाश चन्द सुपुत्र मुखराम गांव व डाकखाना नुरपुर (गुडगांवा)	8.6.93			″	″
15	जयपाल सुपुत्र जयमल गांव व डाकखाना बिलखा (गुडगांवा)	8.6.93			″	″
16	राम अवतार सुपुत्र मंगत राम गांव व डाकखाना जोजू (भिवानी)	8.12.93			″	रोजगार विभाग दादरी
17	भाक्ति सिंह सुपुत्र रिछपाल सिंह गांव व	7.12.93			″	″

	डाकखाना चांगरोड (भिवानी)					
18	रणधीर सिंह सुपुत्र हवा सिंह गांव व डाकखाना खरकी (भिवानी)	8.12.93			″	″
19	बिजेन्द्र सिंह सुपुत्र निहाल सिंह गांव व डाकखाना दादरी	7.12.93			″	″
20	महावीर सिंह सुपुत्र सरजू गांव व डाकखाना बाम्बला (भिवानी)	8.12.93			″	″
21	जयबीर सुपुत्र हरिकि ान गांव व डाकखाना जोजू	8.12.93			″	″

	(भिवानी)					
22	राम निवास सुपुत्र सुरजीत सिंह गांव व डाकखाना जमालपुर (भिवानी)	11.12.93			″	″
23	क मीरी लाल सुपुत्र पूर्ण सिंह गांव व डाकखाना ढाणी फोगाट (भिवानी)	7.12.93			″	″
24	किरपाल सिंह सुपुत्र पारस राम गांव व डाकखाना जोजू कलां (भिवानी)	7.12.93			″	″
25	महाबीर सिंह सुपुत्र भोर गांव व डाकखाना मोहरा	8.12.93			″	″

	(भिवानी)					
26	रामफल पुत्र टेक चन्द गांव व डाकखाना रिनिला (भिवानी)	8.12.93			″	″
27	सुरजीत सुपुत्र राम सिंह गांव व डाकखाना हैलवास (भिवानी)	8.12.93			″	″
28	सत्यवान सिंह सुपुत्र हवा सिंह गांव व डाकखाना पंचगांव (भिवानी)	8.12.93			″	″
29	परमिल कुमार सुपुत्र गोकुल राम गांव व डाकखाना दतोली	8.12.93			″	″

	(भिवानी)					
30	कर्ण सिंह सुपुत्र हरसरूप गांव व डाकखाना ढाणी फोगाट (भिवानी)	8.12.93			″	″
31	धर्मवीर सुपुत्र हरफूल गांव व डाकखाना चरखी (भिवानी)	8.12.93			″	″
32	राज सिंह पुत्र धर्मबीर सिंह गांव व डाकखाना हसनवाल (भिवानी)	8.12.93			″	″
33	कर्ण सिंह पुत्र मंसा राम गांव व डाकखाना नन्दा (भिवानी)	16.12.93			″	″

34	सुमेर सिंह पुत्र उदमी राम गांव व डाकखाना बीरान (भिवानी)	8.12.93			"	"
35	रामफल पुत्र चन्दगीराम गांव व डाकखाना मंडोल (भिवानी)	8.12.93			"	"
36	सुरे ा पुत्र जयदयाल गांव व डाकखाना बवानी खेडा (भिवानी)	8.12.93			"	कर्म ाला में पहले से दैनिक वेतन पर लगा हुआ है।
37	देवकी नन्दन पुत्र रूप चन्द गांव व डाकखाना झज्जर (रोहतक)	13.12.93			"	हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी की सिफारि ा पर लगाया गया।

38	राजे ा कुमार पुत्र गोपी राम गांव व डाकखाना निदाना (भिवानी)	9.12.93			″	″
39	अजीत सिंह पुत्र भरत सिंह गांव खेरीबुरा (भिवानी)	9.12.93			″	″
40	कुलदीप पुत्र हरिकि ान गांव व डाकखाना हिंदोला (भिवानी)	10.12.93			″	″
41	ओम प्रका ा पुत्र भर्त सिंह गांव व डाकखाना इमलोटा (भिवानी)	10.12.93			″	″
42	सती ा कुमार पुत्र होि ायार सिंह गांव व	10.12.			″	″

	डाकखाना दादरी (भिवानी)	93				
43	अ ाोक कुमार पुत्र मंसा राम गांव व डाकखाना बलाल (भिवानी)	10.12. 93			″	″
44	नरेन्द्र कुमार पुत्र नत्थू राम गांव व डाकखाना (रिवाडी)	10.12. 93			″	″
45	राजबीर सिंह पुत्र बलबीर गांव व डाकखाना नीमली (भिवानी)	9.12.93			″	″
46	विजय सिंह पुत्र रण सिंह गांव व डाकखाना	10.12. 93			″	″

	रावलधी (भिवानी)					
47	देवानन्द पुत्र टेक राम गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	10.12.93			"	"
48	सुरेन्द्र पुत्र मुमताज अली गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	10.12.93			"	"
49	दीप चन्द पुत्र राम कुमार गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	10.12.93			"	"
50	भीम सिंह पुत्र धनपत सिंह गांव व डाकखाना पोटा (महेन्द्रगढ)	10.12.93			"	"

51	रामफल पुत्र भगवाना गांव व डाकखाना सोथ (भिवानी)	10.12.93			"	"
52	ई वर सिंह पुत्र सुभाश गांव व डाकखाना दादरी (भिवानी)	10.12.93			"	"
53	दलबीर सिंह पुत्र जीता राम गांव व डाकखाना गिगनाअ (भिवानी)	10.12.93			"	"
54	जितेन्द्र कुमार पुत्र बगरावत सिंह गांव व डाकखाना डलवास (भिवानी)	8.12.93			"	"

55	सतनारायण पुत्र गुलजारी लाल गांव व डाकखाना लोहारू	8.12.93			"	"
56	पन्नी सिंह पुत्र सिंघ राम गांव व डाकखाना डलवास (भिवानी)	8.12.93			"	"
57	सुरे ा कुमार पुत्र सूबे सिंह गांव व डाकखाना हुई (भिवानी)	8.12.93			"	"
58	पवन कुमार पुत्र अमर सिंह गांव व डाकखाना गोपी (भिवानी)	8.12.93			"	"
59	नागे ा कुमार पुत्र तारा चन्द गांव व डाकखाना	8.12.93			"	"

	(भिवानी)					
60	संजय कुमार पुत्र जिले सिंह गांव व डाकखाना कुदमा (भिवानी)	8.12.93			″	″
61	वेद प्रका ा पुत्र श्री चन्द गांव व डाकखाना (भिवानी)	8.12.93			″	″
62	पवन कुमार पुत्र कि ाोरी लाल गांव व डाकखाना चहर (भिवानी)	8.12.93			″	″
63	अतर सिंह पुत्र नरपाल सिंह गांव व डाकखाना मसिट (रिवाडी)	8.12.93			″	″

64	विजेन्द्र पुत्र रणधीर गांव व डाकखाना बिगवास (भिवानी)	13.12.93			"	"
65	दलबीर सिंह पुत्र सोभा राम गांव व डाकखाना बरवास (भिवानी)	8.12.93			"	"
66	बिजेन्द्र पुत्र राम चन्द गांव व डाकखाना थुराना (हिसार)	8.12.93			"	"
67	राजपाल पुत्र जरसल गांव व डाकखाना माडी (भिवानी)	"			"	"
68	राजबीर पुत्र राम सरूप गांव व डाकखाना साम	"			"	"

	(जींद)					
69	परवीन कुमार पुत्र जिले सिंह गांव व डाकखाना कामद (जींद)	″			″	″
70	अनिल कुमार पुत्र टेक चन्द गांव व डाकखाना खरका (रोहतक)	″			″	″
71	जगजीत सिंह पुत्र बीर सिंह गांव व डाकखाना खरका (भिवानी)	″			″	″
72	जय भगवान पुत्र करतार सिंह गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	″			″	″

73	सत्यवान पुत्र गंगा राम गांव व डाकखाना रामपुरा (भिवानी)	″			″	″
74	रोहतास पुत्र कन्हैया लाल गांव व डाकखाना बलाली (भिवानी)	″			″	″
75	कर्ण सिंह पुत्र राम कि ान गांव व डाकखाना डिनोड (भिवानी)	″			″	″
76	नरेन्द्र कुमार पुत्र जयकरण गांव व डाकखाना नंगल (भिवानी)	″			″	″

77	साजन सिंह पुत्र चन्द्र सिंह गांव व डाकखाना हसनगढ (हिसार)	″			″	″
78	धम्रपाल पुत्र रिसाल सिंह गांव व डाकखाना लोहारू	″			″	″
79	सतपाल पुत्र खेम चन्द गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	–			″	″
80	रमे ा कुमार पुत्र जागे राम गांव व डाकखाना दादरी	″			″	″
81	बलबीर सिंह पुत्र दलीप सिंह गांव व डाकखाना	13.12.			″	″

	प्रेम नगर (भिवानी)	93				
82	हरगयान सिंह पुत्र नफे सिंह गांव व डाकखाना जाटी (भिवानी)	″			″	″
83	परमजीत सिंह गांव व डाकखाना खेडी बूरा (भिवानी)	″			″	″
84	रणबीर सिंह पुत्र जयलाल गांव व डाकखाना गौराया (रोहतक)	″			″	″
85	साजन सिंह पुत्र बोगर सिंह गांव व डाकखाना बलाली (भिवानी)	″			″	″

86	जय भगवान पुत्र बिल राम गांव व डाकखाना बधानी (रोहतक)	"			"	"
87	ओम प्रका ा पुत्र झूथेर सिंह गांव व डाकखाना बधानी (महेन्द्रगढ)	"			"	"
88	कर्मबीर सिंह पुत्र देस राम गांव व डाकखाना कटवार (भिवानी)	"			"	"
89	सुरेन्द्र पुत्र धन सिंह गांव व डाकखाना चिलर (भिवानी)	"			"	"
90	लाल सिंह पुत्र सुमेर सिंह गांव व डाकखाना	"			"	"

	कनीना (महेन्द्रगढ)					
91	रूप चन्द पुत्र प्रभाती लाल गांव व डाकखाना संगारा (रोहतक)	″			″	″
92	सुरे ा कुमार पुत्र पोखरमल गांव व डाकखाना आदमपुर (हिसार)	″			″	″
93	रामपाल पुत्र रामधारी गांव व डाकखाना चाबी (जींद)	″			″	″
94	सत्यवान पुत्र रिसाल गांव व डाकखाना पेटवार	″			″	″

	(हिसार)					
95	रमे ा पुत्र सतनारायण गांव व डाकखाना नारनौंद (हिसार)	″			″	″
96	रणधीर पुत्र रामसरूप गांव व डाकखाना खरक (हिसार)	″			″	″
97	राज सिंह पुत्र प्रीत सिंह गांव व डाकखाना दुधवा (भिवानी)	″			″	″
98	अ ाोक कुमार पुत्र सुरत सिंह गांव व डाकखाना धनडलान (रोहतक)	″			″	″

99	मंसा राम पुत्र नेत राम गांव व डाकखाना पेंतवास (भिवानी)	″			″	″
100	रामफल पुत्र धर्मपाल गांव व डाकखाना दवारका (भिवानी)	″			″	″
101	राजबीर पुत्र रामसरूप सामडू (जींद)	″			″	″
102	सीता राम पुत्र लाल चन्द गांव व डाकखाना बिहडी कलां (भिवानी)	15.12. 93			″	″
103	सुरे ा चन्द पुत्र बलबीर सिंह गांव व डाकखाना	″			″	″

	दादरी					
104	सती ा कुमार पुत्र चन्दगी राम गांव व डाकखाना लोहारू (भिवानी)	″			″	″
105	सतवीर पुत्र राम कुमार गांव व डाकखाना लोहारू (भिवानी)	8.12.93			″	″
106	किरोडी मल पुत्र भुभ राम गांव व डाकखाना चंगरोद (भिवानी)	14.12.93			″	″
107	ज्ञान चन्द पुत्र लोक राम गांव व डाकखाना दादरी	15.12.93			″	″

	(भिवानी)					
108	अ ाोक पुत्र कृश्ण गांव व डाकखाना पटूवास (भिवानी)	14.12.93			"	"
109	सत प्रका ा पुत्र दुर्गा प्र ााद गांव व डाकखाना (भिवानी)	15.12.93			"	"
110	दलबीर पुत्र जीता राम गांव व डाकखाना गिगनाऊ (भिवानी)	15.12.93			"	"
111	जगबीर पुत्र वजीर सिंह गांव व डाकखाना बोभ (रोहतक)	15.12.93			"	"

112	देवी प्र ाद पुत्र चन्द्र भान गांव व डाकखाना अचीना (भिवानी)	15.12. 93			″	″
113	पवन कुमार पुत्र कि ोरी लाल गांव व डाकखाना मिरान (भिवानी)	15.12. 93			″	″
114	धर्मपाल पुत्र कुरदा राम गांव व डाकखाना लोहारू	15.12. 93			″	″
ड्राईवर						
1	राजपाल सिंह सुपुत्र ज्ञानी राम गांव व डाकखाना मिताथल	23.2.93			कनट्रैक्चुअल	रोजगार कार्यालय दादरी

	(भिवानी)					
2	ओम प्रका ा सुपुत्र अमिलाल गांव व डाकखाना खेडी बूरा (भिवानी)	″			″	″
3	राम कुमार सुपुत्र भागमल गांव व डाकखाना खडखडी (भिवानी)	″			″	″
4	जोरा सिंह सुपुत्र कि ान लाल जाटू लोहारू (भिवानी)	″			″	″
5	करतार सिंह सुपुत्र दया नन्द गांव व डाकखाना	″			″	″

	झोजु कलां (भिवानी)					
6	प्रका ा सिंह सुपुत्र सुलतान सिंह गांव व डाकखाना मंडोला (भिवानी)	″			″	″
7	सुरे ा कुमार सुपुत्र हजारी सिंह गांव व डाकखाना फर्तीया (भिवानी)	″			″	″
8	नरे ा कुमार सुपुत्र राम चन्द गांव व डाकखाना निमरी वाली (भिवानी)	″			″	″
9	उदयवीर सिंह सुपुत्र गायनियर सिंह गांव व	″			″	″

	डाकखाना धनाना (भिवानी)					
10	राजेन्द्र सिंह सुपुत्र कन्हैया सिंह गांव व डाकखाना मन्हेड (भिवानी)	″			″	″
11	नीर सिंह सुपुत्र हरनारायण सिंह गांव व डाकखाना चिरया (भिवानी)	″			″	″
12	सुभाश चन्द्र सुपुत्र ओम प्रका ा गांव व डाकखाना मोखरा (रोहतक)	″			″	″

13	वीरेन्द्र सिंह सुपुत्र गुगन राम बी0 फारी (भिवानी)	″			″	″
14	भरत कुमार सुपुत्र जगत सिंह गांव व डाकखाना दादरी	″			″	″
15	जगदी ा प्रसाद सुपुत्र रीछपाल सिंह गांव व डाकखाना इमलोटा (भिवानी)	″			″	″
16	पतराम सुपुत्र गौरधन सिंह गांव व डाकखाना झोजु (भिवानी)	25.6.93			″	″
17	रामफल सुपुत्र राय सिंह गांव व डाकखाना चरखी	″			″	″

	(भिवानी)					
18	राम निवास सुपुत्र मेघ सिंह गांव व डाकखाना नौरंगावास (भिवानी)	″			″	″
19	महाबीर सिंह सुपुत्र माई लाल गांव व डाकखाना सुगरपुर (भिवानी)	″			″	″
20	कैलास चन्द्र सुपुत्र बनवारी लाल गांव व डाकखाना मन्ढी हरिया	″			″	″
21	सुरे ा कुमार सुपुत्र मांगे राम गांव व डाकखाना कालवास (भिवानी)	″			″	″

22	बलवान सिंह सुपुत्र हरयाणा गांव व डाकखाना मेहरा (भिवानी)	″			″	″
23	सुभाश सुपुत्र अमर सिंह गांव व डाकखाना सुहरा (रोहतक)	″			″	″
24	राज कुमार सुपुत्र जागीर सिंह गांव व डाकखाना चौहान नगर (सिरसा)	16.11. 93			″	″
25	सुरत सिंह सुपुत्र भोओनारायण सिंह गांव व डाकखाना जीतपुरा (भिवानी)	26.10. 93			″	″

26	जहाबेर सिंह सुपुत्र फल सिंह गांव व डाकखाना बुधवा	″			″	″
27	सतपाल सिंह सुपुत्र जुगलाल गुड़गांवा	″			″	″
28	रमे ा कुमार सुपुत्र बाल कि ान गांव मतर (सोनीपत)	29.10. 93			″	″
29	सज्जन कुमार सुपुत्र राम सिंह उकलाना मण्डी (हिसार)	9.11.93			″	″
30	सुरे ा कुमार सुपुत्र रामकि ान गांव व डाकखाना सिसाना	26.10. 93			″	″

	(सोनीपत)					
31	रामधारी सुपुत्र कन्हैया लाल गांव व डाकखाना मनहेडा (भिवानी)	7.12.93			″	″
32	वेद प्रका ा सुपुत्र मन सिंह गांव व डाकखाना संसपुर (भिवानी)	″			″	″
33	राजेन्द्र सिंह सुपुत्र दे ा राम गांव व डाकखाना भागवर्सी	″			″	″
34	नरेन्द्र कुमार सुपुत्र लक्ष्मी नारायण गांव व डाकखाना फरमाना	″			″	रोजगार कार्यालय और डिसकोन्टीन्यूड

	(सोनीपत)					31.12.93
35	सुभाश सुपुत्र भागमल गांव व डाकखाना गासोल (भिवानी)	"			"	"
36	जयबीर सिंह सुपुत्र जुगती राम गांव व डाकखाना खरकरी (भिवानी)	"			"	"
37	जयबीर सिंह सुपुत्र फल सिंह गांव व डाकखाना पंडवा (भिवानी)	"			"	"
38	पहलाद सिंह सुपुत्र ई वर सिंह गांव व डाकखाना रावलधी	"			"	"

	(भिवानी)					
39	रणदीप सिंह सुपुत्र राजपाल सिंह गांव व डाकखाना छांग (भिवानी)	"			"	"
40	मांगे राम सुपुत्र चन्द गांव व डाकखाना छासोला (भिवानी)	"			"	"
41	कुलदीप सिंह सुपुत्र करण गांव व डाकखाना निमली (भिवानी)	"			"	"
42	सुखबीर सिंह सुपुत्र भोर सिंह गांव व डाकखाना खेडी बुरा (भिवानी)	"			"	"

43	अ ाोक कुमार सुपुत्र चंदगी राम पोखरवास (भिवानी)	″			″	″
44	सतबीर सुपुत्र भाुभ राम गांव व डाकखाना उमरवास (भिवानी)	″			″	″
45	सुरे ा कुमार सुपुत्र टेक चन्द गांव व डाकखाना टोडा (भिवानी)	″			″	″
46	दलबीर सिंह सुपुत्र धूप सिंह गांव व डाकखाना झमलोटा (भिवानी)	″			″	″
47	रघुबीर सिंह सुपुत्र अमी चन्द गांव व डाकखाना	″			″	″

	इमरीवाली (भिवानी)					
48	प्रदीप कुमार सुपुत्र वीरेन्द्र सिंह गांव व डाकखाना दादरी	″			″	″
49	जसबीर सिंह सुपुत्र बलबीर सिंह गांव व डाकखाना खातीवास (भिवानी)	″			″	″
50	सज्जन सुपुत्र वेद प्रका ा गांव व डाकखाना प्रेम नगर (भिवानी)	″			″	″
51	सतबीर सिंह सुपुत्र अमृत	″			″	″

	सिंह (भिवानी)					
52	ई वर सिंह सुपुत्र सुमेर (भिवानी)	"			"	"
53	सती ा सुपुत्र गोपाल सिंह (भिवानी)	"			"	"
54	जय सिंह सुपुत्र मोल चन्द गांव व डाकखाना पाजु (लोहारू)	"			"	एए0डी0एम0 लोहारू यातायात प्रबन्धक के द्वारा नियुक्ति।
55	प्रहलाद सिंह सुपुत्र घासी राम गांव व डाकखाना लोहारू	"			"	"
56	राजेन्द्र सपुत्र कमल सिंह	"			"	"

	गांव व डाकखाना समासपुर (भिवानी)					
57	मदन सिंह सुपुत्र रीछपाल सिंह गांव व डाकखाना बदरा (लोहारू)	″			″	″
58	धर्मबीर सुपुत्र पारस राम गांव व डाकखाना समासपुर, दादरी	″			″	″
59	जगमल सिंह सुपुत्र रामानन्द गांव व डाकखाना लोहारू	″			″	″
60	राम कि ान सुपुत्र रामानन्द गांव व	″			″	″

	डाकखाना लोहारू					
61	सुभाश सुपुत्र बुद्ध राम गांव व डाकखाना नन्धा (भिवानी)	"			"	"
62	जय राम सुपुत्र मंगली राम गांव व डाकखाना दलवास (भिवानी)	"			"	"
63	कृश्ण कुमार सुपुत्र धर्मपाल गांव व डाकखाना मतनहेली (रोहतक)	"			"	"
64	कैला ा चन्द सुपुत्र गजानन्द गांव व डाकखाना सतनाल,	13.12.93			"	हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी द्वारा की गई

	महेन्द्रगढ़					सिफारि ा के आधार पर लिया गया तथा 31.12. 93 को हटा दिया गया।
65	लच्छी सिंह सुपुत्र चुहना राम गांव व डाकखाना हसनपुर, दादरी	″			″	″
66	बृज मोहन सुपुत्र मनोहर लाल गांव व डाकखाना भागी (भिवानी)	″			″	″
67	हरनारायण सुपुत्र अमी लाल गांव व डाकखाना दंदमा (भिवानी)	″			″	″

68	राजबीर सिंह सुपुत्र दिलीप सिंह गांव व डाकखाना चरखी (भिवानी)	″			″	″
69	सुरे ा कुमार सुपुत्र मलिक राम गांव व डाकखाना मंडाली (भिवानी)	″			″	″
70	बलबीर सिंह सुपुत्र दिलीप सिंह गांव व डाकखाना प्रेम नगर (भिवानी)	″			″	″
71	राम कुमार सुपुत्र कन्हैया गांव व डाकखाना	″			″	″

	रावलधी (भिवानी)					
72	सतवन सुपुत्र हर नारायण गांव व डाकखाना भुण्ड कलां (भिवानी)	"			"	"
73	सुरजभान सुपुत्र महताब सिंह गांव व डाकखाना दादरी	"			"	"
74	रणधीर सुपुत्र धर्मचन्द गांव व डाकखाना गुढ़न (भिवानी)	"			"	"
75	अमल सुपुत्र राधा कृश्ण गांव व डाकखाना दादरी	"			"	"
76	वि वाप्रिय सुपुत्र केहर	"			"	"

	सिंह गांव व डाकखाना चांगरोड, दादरी					
77	रवि सुपुत्र सुन्दर दास गांव व डाकखाना चरखी दादरी	″			″	″
78	अभई राम सुपुत्र अमर सिंह गांव व डाकखाना छिकोरा (भिवानी)	″			″	″
79	अमृत सुपुत्र बलबीर सिंह गांव व डाकखाना चंगरोड (भिवानी)	″			″	″
80	रणवीर सुपुत्र जय सिंह गांव व डाकखाना	″			″	″

	सुरूपगढ़ (भिवानी)					
81	सतपाल सुपुत्र राम चन्द्र गांव व डाकखाना पटवास (भिवानी)	"			"	"
82	रणवीर सुपुत्र रीछपाल गांव व डाकखाना चिलर (भिवानी)	"			"	"
83	सुरेन्द्र सिंह सुपुत्र राम चन्द्र गांव व डाकखाना घसोला (भिवानी)	"			"	"
84	मोहन लाल सुपुत्र प्यारे लाल गांव व डाकखाना दादरी (भिवानी)	"			"	"

85	सूरजभान सुपुत्र धीना राम गांव व डाकखाना मेहरा (भिवानी)	"			"	"
86	राजबीर सुपुत्र गुलाब सिंह गांव व डाकखाना बुलन्द, रोहतक	"			"	"
87	मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र मान सिंह गांव व डाकखाना झोजु कलां (भिवानी)	"			"	"
88	मोहन सिंह सुपुत्र देवी दयाल गांव व डाकखाना दादरी (भिवानी)	"			"	"
89	नरे ा सुपुत्र निरंजन गांव व डाकखाना झोजु	"			"	"

	कलां (भिवानी)					
90	रणबीर सुपुत्र राम चन्द्र गांव व डाकखाना सिसाना (सोनीपत)	″			″	″
91	सतबीर सुपुत्र नेत राम गांव व डाकखाना कनोधा (रोहतक)	″			″	″
92	रमे ा सुपुत्र हीरा लाल गांव व डाकखाना सैनीपर, दादरी (भिवानी)	″			″	″
93	रणधीर सुपुत्र तेज राम गांव व डाकखाना पिलाना(रोहतक)	″			″	″

94	बलवान सुपुत्र सोएओ नाथ गांव व डाकखाना दुधवास (रोहतक)	″			″	″
95	रतन सिंह सुपुत्र मान सिंह गांव व डाकखाना बलयाली (भिवानी)	″			″	″
96	मान सिंह सुपुत्र रिसाल सिंह गांव व डाकखाना काकरोली (भिवानी)	″			″	″
97	नरेन्द्र सुपुत्र भागमल गांव व डाकखाना जिंझर (भिवानी)	″			″	″
98	सुबे सिंह सुपुत्र धर्मपाल गांव व डाकखाना	″			″	″

	बरसाना (भिवानी)					
99	सम ेर सुपुत्र मोहर सिंह गांव व डाकखाना धिकारा (भिवानी)	″			″	″
100	राम चन्द्र सुपुत्र दीना राम गांव व डाकखाना न्यू दिल्ली	″			″	″
101	राज कुमार सुपुत्र कपूर सिंह गांव व डाकखाना सुधाना (रोहतक)	″			″	″
102	सतबान सुपुत्र इन्द्र सिंह दादरी गांव पंडवा डा0 मारकवास	″			″	″

103	महाबीर सिंह सुपुत्र ि ायोदत्त गांव कंदल, लोहारू	″			″	″
104	रमे ा सुपुत्र गणपत गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	″			″	″
105	दया सुपुत्र रती दत गांव व डाकखाना रावलधी (भिवानी)	″			″	″
106	बलबीर सुपुत्र बिजेन्द्र गांव व डाकखाना धसोला (भिवानी)	″			″	″
107	प्रदीप सिंह सुपुत्र अजीत सिंह गांव व डाकखाना	″			″	″

	दतौली (भिवानी)					
108	रमे ा चन्द सुपुत्र सूरजभान गांव व डाकखाना खरक पूनिया (हिसार)	″			″	″
109	सु ील कुमार सुपुत्र सज्जन कुमार गांव व डाकखाना नारनौल	″			″	″
110	सुरे ा कुमार सुपुत्र राम देव गांव व डाकखाना थुराना, हिसार	″			″	″
111	ि ाया राम सुपुत्र गणपत गांव व डा0 थुराना,	″			″	″

	हिसार					
112	फतेह सिंह सुपुत्र गणे ी लाल गांव व डाकखाना नंगल सिरोही	″			″	″
113	सतबीर सिंह सुपुत्र रतन सिंह गांव व डाकखाना बिछपा खुरड़ (भिवानी)	″			″	″
114	सतवान सुपुत्र भगवान सिंह गांव व डाकखाना सोंफ (भिवानी)	″			″	″
115	सुभाश सुपुत्र रीछपाल सिंह गांव व डाकखाना बिलवाल (भिवानी)	″			″	″

116	जगदी ा सुपुत्र लक्ष्मी नारायण गांव व डा0 माजरा, रोहतक	"			"	"
दिनांक 1–1–93 से 28–2–94 तक हरियाणा राज्य परिवहन, चरखी दादरी में तदर्थ आधार पर नियुक्त कर्म ाला स्टाफ बारे सूचना						
कर्म ाला में नियुक्त	नाम तथा पूरा पता	नियुक्ति तिथि	स्थाई / नियमित / तदर्थ	डेली वेजिज	सी / बेसिस	रिमार्कस
कर्म ाला स्टाफ						
1	रणधीर सिंह सुपुत्र मूल चन्द, वार्ड नं0 7, चरखी दादरी, फिटर	8.12.93		डेली वेजिज		हड़ताल के दौरान विभागीय कमेटी द्वारा की गई सिफारि ा के आधार पर रखा

						गया तथा दिनांक 31.12.93 से हटा दिया गया।
2	मुके ा कुमार सुपुत्र जनार्दन गांव व डा0 झज्जर, रोहतक, सहायक बीरर	″		″		″
3	जसवन्त सिंह पुत्र महा सिंह गांव फरूख नगर, गुडगांवा, सहायक फिटर	″		″		″
4	प्रवीन कुमार पुत्र नरेन्द्र कुमार गांव व डा0 बहादुरगढ, रोहतक, स0 विद्युतकार	″		″		″

5	धान्द सिंह पुत्र सुरत सिंह गांव व डा0 बिहरोड, रोहतक, स0 विद्युतकार	″		″		″
6	सतपाल सिंह पुत्र सुरजीत सिंह, वार्ड नं0, नजदीक रोज गार्डन, चरखी दादरी, स0 टायरमैन	″		″		″
7	रमे ा कुमार पुत्र राम गोपाल, धिकारा रोड, चरखी दादरी, आर0आर0	″		″		″
8	यतीन्द्र सिंह पुत्र उदयबीर सिंह, जीन्द	″		″		″

	रोड, रोहतक, हैल्पर					
9	महाबीर सिंह पुत्र रामे वर गांव व डा0 अधीना, भिवानी, हैल्पर	"		"		"
10	सजेन्द्र पुत्र छाट राम गांव व डा0 पाटवास, भिवानी, हैल्पर	"		"		"
11	विजय कुमार पुत्र कृश्ण सिंह गांव व डा0 महराना, रोहतक, हैल्पर	"		"		"
12	जगदी ा पुत्र राम नारायण, गांव व डा0 निमरी, भिवानी, हैल्पर	"		"		"

13	देविन्द्र पुत्र राजिन्द्र बी0एम0बी0, दादरी, हैल्पर	″		″		″
14	बिरेन्द्र पुत्र मंगत राम, गांव व डा0 बसई, महेन्द्रगढ, हैल्पर	″		″		″
15	उमेद खान पुत्र अब्दुल गनी, गांव व डा0 दुधवा, भिवानी, हैल्पर	″		″		″
16	मुके ा पुत्र दया नन्द गांव व डा0 संगाहेडी, रोहतक, हैल्पर	″		″		″
17	धर्म प्रका ा पुत्र ओम दत्त गांव व डा0	″		″		″

	रावलधी, भिवानी, हैल्पर					
18	सिरी भगवान पुत्र छज्जु राम गांव व डा0 मन्डोला, भिवानी हैल्पर	"		"		"
19	विनोद पुत्र राधे याम गांव व डा0 अकोदा, रोहतक हैल्पर	"		"		"
20	रमे ा कुमार पुत्र जिले सिंह गांव व डा0 भू अकबरपुर, रोहतक हैल्पर	"		"		"
21	कैला ा पुत्र ओम प्रका ा गांव व डा0 वार्ड नं0 1, चरखी दादरी	"		"		"

	हैल्पर					
22	सती ा कुमार पुत्र हरनारायण गांव व डा0 झोलरी, रिवाडी हैल्पर	"		"		"
23	सुरेन्द्र पुत्र भगवान सिंह गांव व डा0 हरी नगर दादरी हैल्पर	"		"		"
24	श्री कि ान पुत्र बिरखा राम गांव व डा0 कठूरा सोनीपत हैल्पर	"		"		"
25	रघबीर पुत्र राम सरूप गांव व डा0 भण्डेरी सोनीपत हैल्पर	"		"		"

26	आनन्द पुत्र मुखत्यार गांव व डा0 बलाली भिवानी हैल्पर	″		″		″
27	सतबीर सिंह पुत्र खजान सिंह गांव व डा0 करसोला, जीन्द हैल्पर	″		″		″
28	जय दयाल पुत्र टेकन दास गांव व डा0 झज्जर घाटी, दादरी हैल्पर	″		″		″
29	गुलाब सिंह पुत्र भोर सिंह गांव व डा0 मडौची, रोहतक हैल्पर	″		″		″
30	धर्म दत्त पुत्र ओम प्रका ा गांव व डा0	″		″		″

	मनौठी, रोहतक हैल्पर					
31	इन्द्रजीत पुत्र प्यारे लाल गांव व डा0 बवानिया, महेन्द्रगढ, हैल्पर	"		"		"
32	राजे ा कुमार पुत्र हजारी लाल नया बस स्टैण्ड, दादरी हैल्पर	"		"		"
33	राजे ा पुत्र जगदी ा गांव व डा0 रिवारा, गोहाना, सोनीपत हैल्पर	"		"		"
34	रणबीर सिंह पुत्र भीम सिंह गां0 व डा0 दबोदा खुर्द, रोहतक हैल्पर	"		"		"

35	बसंत पुत्र सरजीत सिंह गां0 व डा0 बरौना सोनीपत हैल्पर	"		"		"
36	लघ राम पुत्र पूरन चन्द बवानी खेडा, भिवानी हैल्पर	"		"		"
37	सोमबीर पुत्र रामे वर गां0 व डा0 झिन्जर, भिवानी हैल्पर	"		"		"
38	रघबीर पुत्र अजदा प्र ाद गां0 व डा0 कलायना, भिवानी हैल्पर	"		"		"
39	सतपाल सिंह पुत्र कि ान सिंह गांव व डा0	"		"		"

	अचीना, भिवानी हैल्पर					
40	नरेन्द्र कुमार पुत्र जबर मल गांव व डा0 बलायच, महेन्द्रगढ हैल्पर	"		"		"
41	राम कुमार पुत्र हरी चन्द गांव व डा0 भू रिवाडी हैलपर	"		"		"
42	सतपाल पुत्र मनफूल गांव व डा0 कनेहटी, भिवानी हैल्पर	"		"		"
43	विजय सिंह पुत्र कृश्ण सिंह, महराना, रोहतक हैल्पर	"		"		"

44	रामधन पुत्र समे राम गांव व डा0 अटेली, रोहतक	"		"		"
45	हेमन्त पुत्र राम कि ाोर, भारावास रोड, रिवाडी हैल्पर	"		"		"
46	महाबीर पुत्र पिरथी सिंह गांव व डा0 गौरीपुर, भिवानी हैल्पर	"		"		"
47	जय भगवान पुत्र सूरत सिंह गांव व डा0 बिहरोड, रोहतक हैल्पर	"		"		"
48	अनिल पुत्र राम चन्द्र गांव व डा0 बपरोदा,	"		"		"

	रोहतक हैल्पर					
49	आनन्द पुत्र ज्ञानी राम गांव व डा0 बस स्टैण्ड, चरखी दादरी, हैल्पर	"		"		"
50	जय भगवान पुत्र होि ायार सिंह गांव व डा0 कनेटी, भिवानी हैल्पर	"		"		"
51	सुरे ा कुमार पुत्र खु ी राम गांव व डा0 दुधवास, भिवानी हैल्पर	"		"		"
52	राज सिंह पुत्र सरूप सिंह, गांव व डा0 झरली,	"		"		"

	रोहतक हैल्पर					
53	हरी ा कुमार पुत्र ि ाव लाल गांव व डा0 धोलेरा, नारनौल हैल्पर	"		"		"
54	अम्बा लाल पुत्र गुरदयाल गांव व डा0 धोलेरा, नारनौल हैल्पर	"		"		"
55	विजेन्द्र पुत्र चन्दगी राम गांव व डा0 खेडी बुरा, भिवानी हैल्पर	"		"		"
56	रो न अली पुत्र सुभाश अली गांव व डा0 मोरवाला, भिवानी हैल्पर	"		"		"

57	मुके ा पुत्र राम कुमार गांव व डा0 कासर जिला रोहतक हैल्पर	″		″		″
58	देविन्द्र पुत्र रघबीर गांव व डा0 सन्दल खुर्द सोनीपत हैल्पर	″		″		″
59	रवि कुमार पुत्र कमल सिंह गांव व डा0 गुदन भिवानी हैल्पर	″		″		″
60	रमे ा दत्त पुत्र कमल सिंह गाव व डा0 सालावास, रोहतक हैल्पर	″		″		″
61	वजीर पुत्र हरनारायण गांव व डा0 खेडी	″		″		″

	दौलतपुरा, भिवानी हैल्पर					
62	कमल सिंह पुत्र फतेह सिंह गांव व डा0 मंडौला, भिवानी हैल्पर	"		"		"
63	ओम प्रका ा पुत्र रति राम गांव व डा0 बलाली, भिवानी हैल्पर	"		"		"
64	श्री भगवान पुत्र राम सरूप गांव व डा0 अहमदलपुर, रोहतक हैल्पर	"		"		"
65	लेख राम पुत्र भीम सिंह गांव व डा0 कबूतपुरा,	"		"		"

	रोहतक					
66	सतबीर पुत्र मंसा राम गांव व डा0 रानिला, भिवानी हैल्पर	"		"		"
67	संजय पुत्र सती I नजदीक रोज गार्डन चरखी दादरी हैल्पर	"		"		"
68	पूरन सिंह पुत्र भूप सिंह गांव व डा0 चरखी दादरी हैल्पर	"		"		"
69	राम निवास पुत्र चन्दा राम गांव व डा0 मोरवाला, भिवानी हैल्पर	"		"		"

70	अत्तर सिंह पुत्र राम चन्द, चरखी गेट दादरी हैल्पर	"		"		"
71	जमालदीन पुत्र मंगत राम गांव व डा0 मकराना, भिवानी हैल्पर	"		"		"
72	राजबीर पुत्र ओमबीर गांव व डा0 रितौली, रोहतक हैल्पर	"		"		"
73	धर्मपाल पुत्र मातू राम गांव व डा0 कलियाणा, भिवानी हैल्पर	"		"		"
74	सरिन्द्र पुत्र जगदी ा सैनीपुरा, चरखी दादरी	"		"		"

	हैल्पर					
75	दैविन्द्र पुत्र बनवारी लाल गांव व डा0 दाहिना हैल्पर	"		"		"
76	राज पुत्र कुरदा गांव व डा0 भिवानी हैल्पर	"		"		"
77	अजय पुत्र राम कि ान गांव व डा0 बालमिकी मोहल्ला, चरखी दादरी हैल्पर	"		"		"
78	महाबीर पुत्र लटटू राम गांव व डा0 सन्दना, रोहतक हैल्पर	"		"		"

79	ओम प्रका ा पुत्र रामे वर गांव व डा0 अचीना, भिवानी हैल्पर	″		″		″
80	सतपाल पुत्र लेख राम गांव व डा0 फरतिया ताल, भिवानी हैल्पर	″		″		″
81	नरेन्द्र पुत्र राम चन्द्र गांव व डा0 गोपी जिला भिवानी चौकीदार	″		″		″
82	अमर पाल पुत्र हरि सिंह गांव व डा0 मि ारी, भिवानी हैल्पर	″		″		″
83	महिन्द्र पुत्र हरि चन्द गांव व डा0 बूरा खेडी,	″		″		″

	भिवानी हैल्पर					
84	राके ा कुमार पुत्र भााम लाल गांव व डा0 चरखी दादरी हैल्पर	"		"		"
85	राम कुमार पुत्र जागे राम बस स्टैण्ड रोड, दादरी हैल्पर	"		"		"
86	राजमल पुत्र भाोभा राम गांव व डा0 चरखी दादरी हैल्पर	"		"		"
87	रि ाी पाल पुत्र गंगा राम गांव व डा0 मगोट, महेन्द्रगढ हैल्पर	"		"		"

88	बिजेन्द्र पुत्र उमेद सिंह गांव व डा0 धनी माह, भिवानी हैल्पर	"		"		"
89	मोहिन्द्र सिंह पुत्र सतनारायण गांव व डा0 बैडाला, भिवानी	"		"		"
90	सुबे सिंह पुत्र हरि सिंह गांव व डा0 भाोफ कासनी, भिवानी हैल्पर	"		"		"
91	कपूर चन्द पुत्र फूल चन्द भाान्ति नगर, भिवानी हैल्पर	"		"		"
92	संजय पुत्र प्रभाती गांव व डा0 देवास नारनौल	"		"		"

	हैल्पर					
93	अंगद पुत्र मूल चन्द गांव व डा0 देवास, नारनौल हैल्पर	"		"		"
94	आनन्द पुत्र रणबीर गांव व डा0 चरखी दादरी	"		"		"
95	ि ाव कुमार पुत्र करतार राम धानक बस्ती, दादरी हैल्पर	"		"		"
96	रमे ा पुत्र चन्दगी राम गांव व डा0 गावलीसन, रोहतक हैल्पर	"		"		"
97	विश्णु पुत्र सतनारायण	"		"		"

	गांव व डा0 गांधी नगर, दादरी हैल्पर					
98	जय प्रका ा पुत्र राम प्र ााद गांव व डा0 भारता जीन्द हैल्पर	″		″		″
99	संजय पुत्र धनबीर गांव व डा0 गांधी नगर, दादरी हैल्पर	″		″		″
100	सतिन्द्र पुत्र करतार सिंह गांव व डा0 पैन्टावास खुर्द, भिवानी हैल्पर	″		″		″
101	जयपाल सिंह पुत्र रमे ा गांव व डा0 गंगवा,	″		″		″

	सोनीपत हैल्पर					
102	राजे ा पुत्र हीरा लाल गांव व डा0 विवेक नगर, दादरी हैल्पर	"		"		"
103	रणधीर पुत्र माई राम गांव व डा0 चरखी दादरी हैल्पर	"		"		"
104	जयबीर पुत्र रामे वर गांव व डा0 चुलकाना, सोनीपत हैल्पर	"		"		"
105	सतबीर पुत्र हरधरम गांव व डा0 पेंटावास कलां, भिवानी हैल्पर	"		"		"

106	हरज्ञान पुत्र हरि सिंह गांव व डा0 मोहन बेरी, रोहतक हैल्पर	"		"		"
107	ललित कुमार पुत्र राज सिंह कोसली, रिवाडी हैल्पर	"		"		"
108	धर्मेन्द्र पुत्र राजिन्द्र सिंह गांव व डा0 रावलधी, भिवानी हैल्पर	"		"		"
109	बिजेन्द्र सुपुत्र किला राम गांव व डा0 रावलधी, भिवानी हैल्पर	"		"		"
110	सुमेर सिंह पुत्र पीरू राम गांव व डा0 रावलधी,	"		"		"

	चरखी दादरी हैल्पर					
111	सूबे सिंह पुत्र भजन लाल गांव व डा0 नाहर रिवाडी हैल्पर	"		"		"
112	रतन सिंह पुत्र कलू राम गांव व डा0 भगोट, महेन्द्रगढ हैल्पर	"		"		"
113	बिजेन्द्र पुत्र चांद गांव व डा0 खेडी बूरा, दादरी हैल्पर	"		"		"
114	नरिन्द्र पुत्र ओम प्रका ा गांव व डा0 झज्जर हैल्पर	"		"		"

115	सुभाश पुत्र बुध राम गांव व डा0 बेरी, रोहतक हैल्पर	"		"		"
116	मोहिन्द्र पुत्र कर्ण सिंह गांव व डा0 जीन्द हैल्पर	"		"		"
117	सुखबीर पुत्र मंगला राम भागवी, भिवानी हैल्पर	"		"		"
118	सुरे ा कुमार पुत्र हरेक राम रावलधी, चरखी दादरी हैल्पर	"		"		"
नियुक्त किए गए व्यक्तियों की	नाम तथा पूरा पता	नियुक्ति तिथि	स्थाई / नियमित / तदर्थ	डेली वेजिज	सी / बेसिस	रिमार्कस

कैटेगरी						
टिकट वैरीफायर						
1	श्री विजय कुमार पुत्र श्री लेख राम सैनीपुरा चरखी दादी टी0वी0एफ0	1.11.93		डेली वेजिज		
स्वीपर						
2	श्री धर्मपाल पुत्र केसर राम, लौहारू	12.11. 93		डेली वेजिज		
लिपिक						
3	श्री राजे ा पुत्र लक्ष्मी चन्द गांव व डा0 रावलधी	17.2.94	तदर्थ			